दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

रांची, शुक्रवार, 03 अप्रैल, 2026, वैशाखा कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, विक्रम संवत-2084 वर्ष-10 अंक-338 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती हैं।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:40 प्रात:

अस्त : 06:05 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	35.0	22.0
जमशेदपुर	39.0	24.0
हजारीबाग	37.0	22.0
डालटनगंज	39.0	22.0

संक्षिप्त खबरें

जलपाईगुड़ी में ट्रेन से 14 बांग्लादेशी गिरफ्तार

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। जलपाईगुड़ी रोड स्टेशन पर कामाख्या-आनंद विहार नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में बीती रात अभियान चलाकर 14 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल है। आरपीएफ सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पहले से ही निगरानी रखी जा रही थी। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, सामान्य डिब्बे में तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान 14 संदिग्धों की पहचान कर उन्हें ट्रेन से उतारकर हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से कई आधार कार्ड और पैन कार्ड बरामद हुए। इसके अलावा मलेशिया की मुद्रा और मोबाइल फोन भी मिले है। जब आधार कार्ड के नंबरों की जांच की गई तो वे फर्जी पाए गए। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि सभी आरोपित बांग्लादेश के अलग-अलग जिलों के रहने वाले है। वे अवैध रूप से सीमा पार कर उत्तर-पूर्व भारत में दाखिल हुए थे और कामाख्या से दिल्ली जाने वाली नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में सवार हुए थे। जानकारी के अनुसार, दिल्ली पहुंचने के बाद उनका जम्मू-कश्मीर जाने का भी प्लान था। आरपीएफ आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मणिपुर के थौबल जिले में ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद

इंफाल। सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना के आधार पर मणिपुर के थौबल जिले में हेइरोक पुलिस थानांतर्गत हेइरोक पार्ट-क्क में एक तलाशी अभियान के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया। फिलहाल, इस मामले में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह बरामदगी बुधवार को खांगाबोक महादेव चिंग इलाके से की गई, जहां सुरक्षाकर्मियों ने दो हैंड ग्रेनेड, अलग-अलग हथियारों की पांच मैगजीन और अलग-अलग कैलिबर के 2,388 राउंड गोला-बारूद जब्त किया।

हजारीबाग के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र की नाबालिग लड़की हत्याकांड की पुलिस ने बताई पूरी कहानी

'बेटा बीमार था, सलामती के लिए मां ने दे दी बेटी की नरबलि'!

नव प्रदेश संवाददाता

हजारीबाग: झारखंड के हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में 24 मार्च की रात मंगला जुलूस की रात एक नाबालिग बच्ची की निर्मम तरीके से हत्या दी गई थी। इस मामले में पुलिस की ओर से चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। बच्ची की हत्या के आरोप में उसकी मां समेत तीन आरोपियों के गिरफ्तार किया गया है।

हजारीबाग के एसपी ने बताया कि बेटे के लिए मां ने ही अपनी बच्ची की नरबलि दी। इस मामले में गहन छानबीन के लिए एसआईटी का गठन किया गया। पुलिस ने हत्या में शामिल सभी अपराधकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना के खिलाफ भाजपा और अन्य संगठनों की ओर से 30 मार्च को हजारीबाग बंद का आहूत किया गया था, जिसका खासा असर देखने के मिला। वहीं हाईकोर्ट की ओर से भी मामले में संज्ञान लिया गया था। इसके अलावा बीजेपी की ओर के 3 मार्च के झारखंड बंद का भी आह्वान किया गया था।

मंगला जुलूस से गायब हो गई थी बच्ची

एसपी ने बताया कि 25 मार्च को समय सुबह 08.30 बजे विष्णुगढ़ थाना को सूचना प्राप्त हुई कि कुसुम्बा ग्राम के मिडिल स्कूल के पीछे मैदान में बांस झाड़ी के पास एक बच्ची का शव पड़ा हुआ है। बच्ची मंगला जुलूस से गायब थी। इस मामले में बच्ची की मां रेशमी देवी (उम्र करीब 35 वर्ष) ने एफआईआर दर्ज कराई थी। इस संबंध में वादिनी रेशमी देवी (उम्र करीब 35 वर्ष) की ओर से नाबालिग बेटी (उम्र 13 वर्ष) की बलात्कार कर हत्या करने के संबंध में काण्ड दर्ज कराया गया था। रेशमी देवी के पति बिनोद सिंह महाराष्ट्र में नौकरी करते हैं।

आईपीएस नागरगोजे शुभम भाउसाहेब के नेतृत्व में एसआईटी

काण्ड की गंभीरता को देखते हुए डीजीपी की ओर से 26 मार्च को ही आईपीएस नागरगोजे शुभम भाउसाहेब के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया।

बेटे को शारीरिक और मानसिक परेशानी से महिला बेचैन

एसआईटी ने अनुसंधान के क्रम में तकनीकी साक्ष्य और सूचना संकलन कर संदेह के आधार पर भीम राम, बच्ची के परिजनों और कुसुम्बा गांव की शान्ति देवी उर्फ भगतिनी (उम्र करीब 55 वर्ष) से पूछताछ की। शान्ति देवी उर्फ भगतिनी की ओर से बताया गया कि बच्ची की मां पिछले एक वर्ष से अपने बेटा सुधीर कुमार सिंह के शारीरिक और मानसिक परेशानी को लेकर बेचैन रहती थी। वो कई बार इनके पास आते रहती थी और अन्य व्यक्तिगत समस्याओं जैसे की भूमि विवाद के लिए भी भगतिनी के पास जाती थी।

बेटा के लिए कुंवारी लड़की की बलि देने के लिए मनाया

पुलिस को पूछताछ में जानकारी मिली कि पूर्व में भगतिनी की ओर से इनके घर को तंत्र मंत्र से बांधा भी गया था। भगतिनी ने बच्ची की मां को बताया गया कि बेटा की शारीरिक और मानसिक परेशानी को हमेशा के लिए दूर करने के लिए किसी कुंवारी लड़की की बलि देनी होगी। भगतिनी ने रेशमी देवी को अपनी छोटी बेटी की बलि देने का सुझाव दिया।

रामनवमी पर्व के अष्टमी के दिन बलि देने की योजना

पुलिस के अनुसार रेशमी देवी पिछले तीन महीनों से कई बार भगतिनी के पासआयी थी, लेकिन भगतिनी इसके लिए इस बार रामनवमी पर्व के अष्टमी के दिन अपनी कुंवारी लड़की को पूजा के लिए साथ लाने के लिए बोली थी। पुलिस को भगतिनी की ओर बताया गया की मंगला जुलूस (अष्टमी) के दिन 24 मार्च को शाम करीब 07.00 बजे रेशमी देवी अपने तीनों बच्चों को लेकर मंगला जुलूस में शामिल हुई थी। लेकिन करीब 7-8 बजे रेशमी देवी अपनी छोटी बेटी को साथ लेकर पूजा कराने के लिए भगतिनी के घर आयी थी।

बच्ची को सिंदूर का टीका और काजल लगाया

लेकिन भगतिनी की ओर से बताया गया कि रात्रि 09.00 बजे के बाद अच्छा नक्षत्र में देवास आयेगा। उसने उसी समय एक अन्य पुरूष के साथ छोटी बेटी को लाने की सलाह ली। उसने यह भी कहा कि चूंकि बलि देने के समय धर-पकड़ करने करने लिए आदमी की जरूरत होती है। इसके बाद भगतिनी की ओर से बताये गये तय समय करीब 09.30 बजे रेशमी देवी गांव के भीम राम के साथ बच्ची को लेकर भगतिनी के घर आयी। उसे पूजा के लिए 251 रुपए देना था लेकिन रेशमी देवी ने भगतिनी को मात्र 20 रुपए ही दिया। उसके बाद भगतिनी के घर में स्थित मनसा मंदिर में विधिवत तंत्र मंत्र से बच्ची को बैठकर पूजा प्रारंभ की। बच्ची को सिंदूर का टीका और काजल वैगरह लगाया गया तथा प्रसाद के रूप में ईलायचीदाना खिलाया गया।

नरबलि के पहले किया गया कर्म कांड

इसके बाद भगतिनी भूत बांधने का स्थान बांसवाड़ी में भीम राम, रेशमी देवी और बच्ची को साथ लेकर गई, जहां पर बच्ची को बैठाया गया। फिर उसे जमीन पर सोने के लिए बोला गया। कर्म कांड प्रारम्भ करने से पहले भीम राम और रेशमी देवी की ओर से पूर्व से लाये एक बोरा और प्लास्टिक को नीचे जमीन पर बिछा दिया गया। उसी पर बच्ची को सुला दिया गया। भगतिनी के हाथ में बांस का कॉलिंग स्टीक था, जिसे उसने बच्ची के शरीर पर लेटी अवस्था में चोरों तरफ घुमाया गया। फिर उसकी ओर से बोला गया कि उसपर देवास आ गया है। इस कुंवारी लड़की का खून चाहिए।

पत्थर से सिर पर बच्ची के सिर पर वार किया गया

इसी पर भीम राम की ओर से बच्ची का गला घोंट दिया गया और छटपटाने पर बच्ची की मां ने ही उसके दोनों पैर को पकड़ रखा था। जब उन्हे लगा की बच्ची का मृत्यु हो गयी है तब भगतिनी की ओर से कॉलिंग स्टीक उसके शरीर पर चारों तरफ घुमाया गया। भगतिनी के इशारे पर मां रेशमी देवी की ओर से ही बच्ची के पैंट को कमर से नीचे जांघ तक घिसका दिया गया। भगतिनी की ओर से मंत्र पढ़ते हुए कॉलिंग स्टीक को उसके प्राइवेट पार्ट में जबरदस्ती प्रवेश करा दिया गया।

साथ ही भगतिनी के बोलने पर भीम राम ने पूजा के लिए खून के लिए अपने साथ लाये पत्थर से सिर पर बच्ची के सिर पर वार किया गया। जिससे बच्ची का सिर फट गया और चेहरा खून से लथपथ हो गया। उसी खून से भगतिनी की ओर से मृत शरीर पर खून से पुताई करते हुए पूजा किया गया और खून को अंजुली में लेकर मनसा मंदिर के पूजा स्थल पर छिड़का गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी भीम राम, रेशमी देवी और शान्ति देवी उर्फ भगतिनी के गिरफ्तार कर लिया गया है।

होर्मुज स्ट्रेट में रुकावटों से गंभीर आर्थिक व ऊर्जा अस्थिरता पैदा हुई : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर चिंता जताते हुए माना है कि होर्मुज स्ट्रेट में रुकावटों से गंभीर आर्थिक और ऊर्जा अस्थिरता पैदा हुई है। साथ ही समुद्र में अब सिर्फ तेल और एनर्जी तक ही प्रतिस्पर्धा सीमित नहीं रही, बल्कि अब उन संसाधनों की ओर बढ़ रही है, जो भविष्य की ग्रोथ को आकार देगी। उन्होंने कहा कि समुद्री डकैतों तक आधुनिक तकनीक बिना रोक-टोक पहुंचने से नार्को तस्करी जैसे खतरे भी ज्यादा मुश्किल हो गए हैं। मुंबई में आईओएस सागर के दूसरे एडिशन के फ्लैग ऑफ सेरेमनी में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में अलग-अलग तरह की 3,700 से ज्यादा समुद्री घटनाएं हुईं हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में 2025 के दौरान एक बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा कीमत के मादक पदार्थों की

जब्ती हुई है। इतने मुश्किल समुद्री माहौल में बहुत ज्यादा मुकाबला करने की बात कही गई है। आईओएस सागर के जरिए एक जैसे मकसद और मिलकर काम करने के लिए 16 एक जैसी सोच वाले समुद्री देशों का एक साथ आना बहुत कम और अहम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष पांचवें हफ्ते में है। समुद्री जलमार्ग होर्मुज में रुकावटों से इस इलाके में गंभीर आर्थिक स्थितियां और ऊर्जा अस्थिरता हुई है। साथ ही समुद्र में प्रतिस्पर्धा अब सिर्फ तेल और ऊर्जा तक ही सीमित नहीं रही है। यह अब उन संसाधनों की ओर बढ़ रहा है, जो भविष्य की ग्रोथ को आकार देंगे, जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स, जरूरी मिनरल्स, मछली पकड़ने के नए मैदान और यहां तक कि डेटा भी। नतीजतन समुद्री सर्वेक्षण, गहरे समुद्र में अनुसंधान गतिविधि और अवैध, अप्रतिबंधित और अनियमित मछली पकड़ने में काफी बढ़ोतरी हुई है, जो अक्सर समुद्र के किनारे बसे देशों के अधिकारों का अतिक्रमण करती है और निगरानी और प्रवर्तन में कमियों का फायदा उठाती है। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि आईओएस सागर जैसी पहल समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए समुद्री देशों को एक साथ लाएगी, जो न सिर्फ हिंद महासागर क्षेत्र के लिए, बल्कि पूरी दुनिया की समुद्री समुदाय के लिए मजबूत मिसाल है। आईओएस सागर अगले 50 दिनों में दक्षिण पूर्वी हिंद महासागर क्षेत्र से गुजरेगा।

संसद की कार्यवाही 13 दिनों के लिए स्थगित, 16 से 18 अप्रैल तक महिला आरक्षण पर चर्चा

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई। 13 दिनों के अंतराल के बाद संसद के बजट सत्र की कार्यवाही 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर शुरू होगी। यह बैठक 18 अप्रैल तक चलेगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में महिला आरक्षण को लागू कराने के लिए विधेयक लाया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि उन्हें संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू की ओर से अनुरोध प्राप्त हुआ है। उसके अनुसार सरकारी कार्य से 16 अप्रैल को फिर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल और प्राइवेट मेंबर टाइम नहीं होगा। स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए

स्थगित करने की घोषणा की।

इससे पहले, राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करते हुए उपसभापति हरिवंश ने कहा कि कार्यवाही 16 अप्रैल को 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है। उल्लेखनीय है कि इस साल 28 जनवरी को शुरू हुआ बजट सत्र 02 अप्रैल को समाप्त होना था। लेकिन सरकार महत्वपूर्ण विधेयक लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार का पूरा फोकस अब 'महिला आरक्षण कानून' को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है। दरअसल, वर्ष 2023 में संसद ने भारी बहुमत से महिला आरक्षण बिल को पास किया था लेकिन उस कानून में एक पेंच फंसा था। नियम के मुताबिक, देश में अगली जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू हो सकता था। इस प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है। अब सरकार इसी अड़चन को दूर करना चाहती है। इस संशोधन विधेयक से नई जनगणना का इंतजार किए बिना, साल 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। सरकार चाहती है कि महिलाओं को जल्द उनका हक मिले। इस संशोधन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किया जा सकता है। यानी सीटों की संख्या में सीधे 50 फीसदी की बढ़ोतरी। अगर ऐसा होता है तो बढ़ी हुई सीटों में से एक-तिहाई यानी लगभग 273 सीटें सीधे महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी।

भीषण युद्ध इजराइल, ईरान, कुवैत और लेबनान में घमासान

आसमान से बरसाए जा रहे आग के गोले, तेहरान में ताबड़तोड़ हमला

तेहरान/तेल अवीव/दुबई। अमेरिका और इजराइल का ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को शुरू किया गया एकीकृत सैन्य अभियान खाड़ी के करीब करीब सभी देशों तक फैल चुका है। अमेरिकी-इजराइली हमलों के जवाब में ईरान ने इजराइल एवं खाड़ी में उसके मित्र देशों में स्थित सैन्य, नागरिक एवं व्यावसायिक ठिकानों पर हमले बढ़ा दिये हैं।

विश्वसमुदाय के चौतरफा दबाव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लड़ाई समाप्त करने की परोक्ष कोशिशों को ईरानी नेतृत्व ने अविश्वास जता कर खारिज कर दिया है। हर पल बिगड़ते हालात के बीच अमेरिका ने अरब देशों से अपने नागरिकों को निकालने के लिए परामर्श जारी किया है।

पश्चिमी एवं खाड़ी देशों में ताजा मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इजराइल, ईरान, कुवैत और लेबनान में घमासान मचा हुआ है। ईरान हर उस

अरब देश पर हमला कर रहा है जो अमेरिकी सेना की मेजबानी करता है या उसका सहयोगी है। अमेरिका ने अपने नागरिकों से फौरन इराक छोड़ने को कहा है। चारों ओर रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन के हमलों में आसमान से धरती पर लगातार आग के गोले गिराए जा रहे हैं।

अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सेना (आईडीएफ) ने कहा है कि आज तेहरान में ताबड़तोड़ हमला किया गया है। आईडीएफ का दावा है कि कल ईरान की राजधानी तेहरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के एक बड़े बुनियादी ढांचे को जमींदोज कर दिया गया। आईडीएफ ने टेलीग्राम चैनल बयान जारी कर लिखा, तेहरान में जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें आईआरजीसी का एक महत्वपूर्ण जमीनी सैन्य अड्डा भी शामिल था। एक अन्य सैन्य मुख्यालय पर भी हमला किया। वहां कमांडर मौजूद थे। तबरीज में एक बैलिस्टिक मिसाइल भंडारण केंद्र को उड़ा दिया गया। बयान में दावा किया गया है कि युद्ध की शुरूआत से अब तक इजराइल ने पूरे ईरान में आईआरजीसी और ईरान की सेना के सैकड़ों ठिकानों को निशाना बनाया है।

ईरान को ट्रंप का दुष्चक्र बर्दाश्त नहीं

इस बीच ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन पर आज तीखी प्रतिक्रिया दी। बगाई ने कहा, "हम युद्ध, बातचीत, संघर्ष-विराम और फिर उसी पैटर्न को दोहराने के इस दुष्चक्र को बर्दाश्त नहीं करेंगे।" उन्होंने इस संघर्ष को न सिर्फ ईरान बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए विनाशकारी बताया। बगाई ने कहा कि हमारी सेना हर हमले का मुकाबला करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध ईरान पर थोपा गया है। ईरान के पास मुकाबला करने के अलावा कोई और चारा नहीं है।

तेहरान में 33 हजार घरों को नुकसान

तेहरान पर जारी हमलों के बीच तेहरान के मेयर के प्रवक्ता अब्दोलमोहर मोहम्मदखानी ने कहा कि अमेरिका-इजराइली हमलों से अब तक राजधानी में 33,000 घरों को नुकसान पहुंचा है। इस नुकसान में कांच, दरवाजे और खिड़कियों जैसी छोटी-मोटी मरम्मत से लेकर बड़े पैमाने पर दोबारा निर्माण या पूरी तरह से नवीनीकरण तक शामिल है। उन्होंने बताया कि 1,869 परिवारों को रहने की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। 1,245 परिवारों को 23 अलग-अलग आवासीय परिसरों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

अंतिम सांस तक लड़ेंगे

खतम-अल अंबिया सैन्य कमांड मुख्यालय का कहना है कि अमेरिका और इजराइल को ईरान की सैन्य शक्ति का अंदाजा नहीं है। ईरान की सेना दुश्मन से अंतिम सांस तक लड़ेगी। कमांड के प्रवक्ता ने कहा, "हमारी सैन्य शक्ति और उपकरणों के बारे में अमेरिका और इजराइल की जानकारी अधूरी है। हमारे रणनीतिक मिसाइल उत्पादन केंद्र, लंबी दूरी के हमलावर और सटीक निशाना लगाने वाले ड्रोन, आधुनिक हवाई सुरक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और विशेष उपकरणों का भंडार है। यह हमलों में नष्ट नहीं हुए हैं। जिन केंद्रों को निशाना बनाया गया वह मामूली थे।"

उत्तरी इजराइल पर हमला

ईरान ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद हमले तेज कर दिए हैं। उत्तरी इजराइल में रॉकेट दागे गए। इससे ऊपरी गैलिली के हत्जोर, हाग्लिलिट और अमुका इलाकों में कोहराम मच गया। लोग घरों को छोड़कर सुरक्षित आश्रय की तलाश में इधर-उधर भागने लगे। किरयात शमोना में हुए रॉकेट हमले के बाद 85 और 34 साल के दो लोग घायल हो गए। इस हमले में एक घर दीवारें उड़ गईं।

अंतारा में मारकाट

इजराइल ने ईरान के अलावा लेबनान पर ताजा हमले किए हैं। आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान के पूरे इलाके में हवाई हमले किए हैं। इजराइल यहीं से जमीनी हमले की शुरूआत करेगा। बताया गया कि लेबनान में बुधवार तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,318 हो गई। इस चार हफ्ते के युद्ध में करीब 4,000 लोग घायल हैं। बुधवार को नबातीयेह जिले में इजराइल के हमले में पूरा परिवार (पति, पत्नी और उनकी दो बेटियां) मारे गए। इस बीच, हिजबुल्लाह ने इजराइल के खिलाफ अभियान जारी रखने का दावा किया है। आतंकी समूह ने कहा कि उसके लड़ाके लेबनान के अंदर मौजूद इजराइली सैनिकों को निशाना बना रहे हैं। यह लड़ाई जारी है। इसका मुख्य केंद्र अंतारा है। यहीं से लड़ाके रॉकेटों के जरिए इजराइली सैनिकों को निशाना बना रहा है। आतंकी संगठन का दावा है कि सीमा पार इजराइली सैनिकों, ठिकानों और बैरकों को भी निशाना बनाया गया है।

हिजबुल्लाह ने इजराइली सैनिकों पर दागे रॉकेट

हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि लड़ाकों ने स्थानीय समय के अनुसार सुबह 6:10 बजे अल-मलिकिया और येरून की बस्तियों में मौजूद इजराइली सैनिकों पर रॉकेट दागे। लड़ाकों ने सुबह 6 बजे हमलावर ड्रोनों के एक झुंड से एवेन मेनाकेम बस्ती को निशाना बनाया। इजराइल के चैनल 12 ब्रॉडकास्टर ने कहा है कि लेबनान से दागे गए रॉकेटों की बौछार के बाद गैलिली क्षेत्र की एक बस्ती में आग लग गई।

संक्षिप्त

जारी रहेगा मौसम में उतार-चढ़ाव, छह तक येलो अलर्ट

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में फिलहाल मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। मौसम विभाग की ओर से छह अप्रैल तक राज्य की विभिन्न जिलों में बादल के साथ हल्की बारिश और वज्रपात होने की संभावना व्यक्त की गई है। साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी संभावना जताई गई है। विभाग के अनुसार एक तरफ पूर्वी बिहार से उत्तरी मध्य प्रदेश होते हुए झारखंड चुका है। इसके प्रभाव के चलते राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम में परिवर्तन देखने को मिलेगा। नहीं पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य भर के एक दो स्थानों में बारिश दर्ज की गई है। सबसे अधिक बारिश रामगढ़ में 5 मिलीमीटर और पाकुड़ जिले के पाकुड़िया में चार मिलीमीटर शामिल है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 38 पॉइंट 8 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 19.5 डिग्री सेल्सियस रिपोर्ट किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा है लेकिन दोपहर बाद बादल छाए रहे। बदल छाने के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसी प्रकार जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.7 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम 36.8 और न्यूनतम 22.5 डिग्री, बोकारो में 34.5 और 21.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री और 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मना श्री हनुमान जन्मोत्सव

रांची। चैत्र पूर्णिमा को सेवा भारती, रांची महानगर के तत्वावधान में बिरसा चौक के प्रकाश नगर अवस्थित सेवा निकेतन प्रांगण में श्री हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास एवं धूमधाम से गुरुवार को आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर ढोल,मंजीरा,हारमुनियम के साथ सस्वर सुन्दर कांड,हनुमान चालीसा साथ ही विश्व शांति के लिए सामूहिक हवन किया गया। मौके जनजातीय बंधुओं की ओर से ढोल-नागरा,शहनाई वादन किया गया एवं भव्य आरती की गई। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर आसपास की बस्तियों के लगभग 800 श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद, प्रांतीय सह संघचालक अशोक श्रीवास्तव, प्रांतीय उपाध्यक्ष अखिलेश्वर नाथ मिश्र, प्रांतीय कोषाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल,न्यासी चंद्रकांत रायपत,नंदलाल साहू सहित नगर के श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

रांची। श्री महावीर मंडल बड़ा तालाब रांची के प्रांगण में गुरुवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्री महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा के नेतृत्व में श्री महावीर मंडल के अन्तर्गत पड़ने वाले सभी प्रमुख मंदिर एवं सभी अखाड़ो में दीप उत्सव के तहत दीप जलाकर महाबली श्री हनुमान की पूजा-अर्चना कर आरती की गई की गई। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया और दीपोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत झंडा पूजन कर की गई। बाद में श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रसाद वितरण किया गया।

एक हेबियस कॉर्पस मामले में उच्च न्यायालय ने जमशेदपुर एसएसपी से पूछा,

शिकायत के बाद भी क्यों नहीं दर्ज की प्राथमिकी

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। उच्च न्यायालय ने एक हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) की सुनवाई करते हुए जमशेदपुर के एसएसपी को गुरुवार को वर्चुअल तलब किया। उच्च न्यायालय ने उनसे पूछा कि जब कॉर्पस (पीड़ित युवती) ने अपने भाई की ओर से धमकी दिए जाने से संबंधित शिकायत उनके पास दर्ज कराई तो उन्होंने प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की।

गंभीर शिकायत आने पर प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। इस पर एसएसपी ने कहा कि युवती की शिकायत में कही गई बातों का वह अध्ययन कर रहे हैं और उचित निर्णय लेंगे।

उच्च न्यायालय ने मामले में युवती की मां के अधिवक्ता को निर्देश दिया कि वह युवती के भाई से सेटलमेंट के बिंदु पर बातचीत कर अगले सुनवाई में शपथ पत्र दाखिल करें। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाले खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता खुशबू कुमारी और अधिवक्ता शैलेश कुमार ने पक्ष रखा। अदालत ने मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स, भारत सरकार के सचिव को भी मामले में प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया था, ताकि युवती के भाई जो ऑस्ट्रेलिया में रहता है, उसके पते के संबंध में जानकारी मिल सके।

उल्लेखनीय है कि पिछले सुनवाई में खंडपीठ ने जमशेदपुर एसएसपी को निर्देश दिया था कि युवती और उसके माता-पिता की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने स्पष्ट किया था कि यदि उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी एसएसपी की होगी। पूर्व की सुनवाई के दौरान अदालत के आदेश पर युवती और उसकी मां को प्रस्तुत किया गया था। युवती ने अदालत को बताया था कि वह उच्च शिक्षित है और राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगी परीक्षाएं में भी भाग ले चुकी है। उसने कहा कि उसे किसी प्रकार की मानसिक बीमारी या असंतुलन नहीं है, लेकिन उसके भाई ने जबरन उसे कांके स्थित डेविस इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री में भर्ती कराया और बाद में उसे रांची के रिनपास भेज दिया। युवती ने आरोप लगाया था कि उसके भाई ने संपत्ति के लालच में ऐसा किया और बाद में दादा की संपत्ति को गिफ्ट डीड के जरिए अपने नाम कराकर बेच भी दिया। उसने बताया कि वर्तमान में वह जमशेदपुर के कदमा थाना क्षेत्र में किराये के मकान में अपने बीमार माता-पिता के साथ रह रही है और आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही है।

उच्च न्यायालय में हाजिर हुए पीसीसीएफ और पलामू टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में पलामू टाइगर रिजर्व के संरक्षण को लेकर दायर विकास महतो की जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश पर पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ और पलामू टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर कोर्ट में हाजिर हुए। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पलामू टाइगर रिजर्व का नक्शा अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया और इसके संरक्षण को लेकर उठाए गए कदमों पर जानकारी कोर्ट को दी। उन्होंने अदालत को बताया कि पलामू टाइगर रिजर्व के रास्ते में आने वाले रेलवे लाइन और सड़क को हटाने का प्रयास किया जा रहा है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने अगली सुनवाई में पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ और फील्ड डायरेक्टर पलामू टाइगर रिजर्व को सशरीर उपस्थिति से छूट प्रदान की। खंडपीठ ने मामले में लातेहार और गढ़वा डीसी को प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में अदालत ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ), वाइड लाइफ की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई थी और उन्हें सशरीर अदालत में हाजिर रहने का निर्देश दिया था।

एक नजर

श्याम मंदिर में भक्तिभाव और श्रद्धा से मनी हनुमान जयंती

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में गुरुवार को हनुमान जयंती अत्यंत भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने प्रातः काल से ही वीर हनुमान के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। प्रातः काल में हनुमान जी को नवीन वस्त्र पहनाकर आभूषणों से अलंकृत कर विभिन्न प्रकार के फूलों जैसे गुलाब, जूही, बेला, मोगरा, गेंदा से मनभावन श्रृंगार किया गया। साथ ही मन्दिर में विराजमान शिव परिवार और श्री श्याम प्रभु का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया। वहीं रात्रि वीर हनुमान के जयकारों के बीच भक्त कतारबद्ध होकर वीर बजरंगबली का दर्शन कर मंगलमय जीवन की कामना कर रहे थे। श्री श्याम मंडल के सदस्यों की ओर से संगीतमय संकीर्तन शुरू कर छम छम नाचे देखो वीर हनुमान, अंजनी को लाल निरालो रे और श्री राम नाम मतवाला है जैसे कई भजनों की लय पर भक्त भाव विभोर हुए। इस अवसर पर वीर बजरंगबली को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल और मेवा का भोग अर्पित किया गया। वहीं रात्रि में महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश सारस्वत, ओम जोशी, चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, विवेक ढांढनीयां, विकाश पाडिया, ज्ञानप्रकाश बगला सहित अन्य का विशेष सहयोग रहा।

कुएं में गिरे हाथी को सुरक्षित बाहर निकाला गया

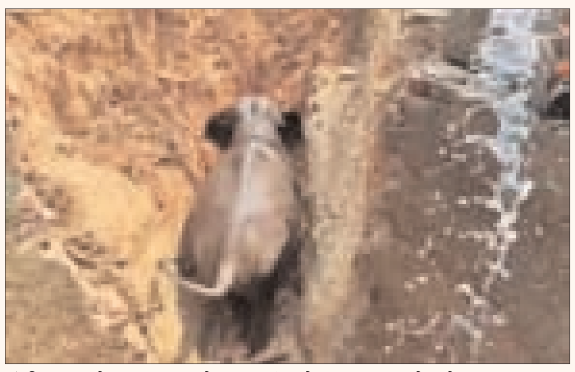

रांची। रांची के बुंडू वन प्रक्षेत्र अंतर्गत सोनाहातू थाना क्षेत्र के सारयाद गांव में एक जंगली हाथी खुले कुएं में गिर गया। ग्रामीणों ने वन विभाग को मामले की सूचना दी। वन विभाग के अधिकारियों ने घंटों की मशक्कत के बाद हाथी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हाथी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन, रस्सियों और अन्य तकनीकी संसाधनों का सहारा लिया गया। रेस्क्यू टीम ने कुएं के एक हिस्से को काटकर ढलाननुमा रास्ता तैयार किया, ताकि हाथी खुद बाहर निकल सके। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मोटर पंप की व्यवस्था कर कुएं में पानी भरा, जिससे जलस्तर बढ़ने पर हाथी ऊपर की ओर आ सके। कई घंटों की कड़ी मशक्कत और समन्वय के बाद आखिरकार हाथी तैयार किए गए रास्ते से बाहर निकलने में सफल रहा। कुएं से बाहर निकलते ही हाथी तेजी से जंगल की ओर भाग गया। वन विभाग के पदाधिकारी सुप्रियन टूटी ने बताया कि हाथी पूरी तरह सुरक्षित है और रेस्क्यू ऑपरेशन सफल रहा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि मौके पर भारी भीड़ जमा होने के कारण अभियान में कुछ दिक्कतें आईं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाथी भोजन की तलाश में जंगल से भटककर गांव की ओर आ गया था। इसी दौरान वह खुले कुएं में गिर गया।

लूट और डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

रांची। रांची में लूट और डकैती की वारदातों को अंजाम देकर दहशत फैलाने वाले गिरोह के सरगना मोहम्मद तल्हा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले रांची पुलिस ने गिरोह के दस अपराधियों को एक साथ गिरफ्तार किया था। तल्हा उस गिरोह का सरगना है जिसने हाल के दिनों में रांची के कई पेट्रोल पंप सहित कई दूसरी जगह डकैती और लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि तल्हा गिरोह के दस अपराधियों को कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन तल्हा फरार चल रहा था। इसी बीच सूचना मिली कि तल्हा रांची छोड़ कर फरार होने की जुगत में लगा हुआ है। सटीक सूचना के आधार पर रांची के नेवरी इलाके से उस समय तल्हा को गिरफ्तार किया गया जब वो रांची से फरार होने की कोशिश में था। पुलिस ने तल्हा गिरोह के 10 लोगों को 29 मार्च को ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। रांची के डोरंडा में अपना मार्ट में लूट, पुंदाग में पेट्रोल पंप में डकैती, उसके बाद रांची के बीआईटी में दो पेट्रोल पंप, टाटीसिलवे स्थित पेट्रोल पंप में डैकती के बाद ओरमांझी में एक दुकानदार को लूट के क्रम में चाकू मार कर इस गिरोह ने रांची में दहशत फैला दी थी।

इन बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। एसआईटी ने रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर और सिटी एसपी के सहयोग से काम करते हुए इन सभी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तल्हा ने पुंदाग पेट्रोल पंप, बीआईटी ओपी क्षेत्र के दो पेट्रोल पंप, टाटीसिलवे गेल सीएनजी पंप पर लूटपाट, डोरंडा थाना क्षेत्र के एक दुकान में लूटपाट तथा ओरमांझी थाना क्षेत्र के मेहता होटल के पास के दुकान में लूटपाट एवं दुकानदार को चाकू मारने की बात स्वीकार की है।

दो महिलाओं के चेहरे पर कालिख पोतने के मामले में आरोपित के घर पर भीड़ का हमला

रांची। रांची के सदर थाना क्षेत्र में 29 मार्च को दो महिलाओं के चेहरे पर कालिख पोतकर मोहल्ले में घुमाने की घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। गुरुवार को भीड़ ने आरोपित के घर पर हमला कर दिया। आरोपित के घर में जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

भीड़ में शामिल लोगों ने कहा कि दो आदिवासी महिलाओं के साथ अन्याय हुआ है। ऐसे में इस मामले में बड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

मौके पर पहुंचे सदर थाना प्रभारी कुलदीप ने भीड़ में शामिल लोगों को समझाया कि इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। भीड़ में कई संगठनों के लोग शामिल थे। उनका कहना था कि इस मामले में जितने लोग शामिल थे सभी की गिरफ्तारी सुनिश्चित हो।

सदर डीएसपी संजीव बेसरा ने कहा कि भीड़ में शामिल लोगों को यह बताया गया कि इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही आगे की जांच की जा रही है। जांच में जैसे-जैसे नए तथ्य आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत करा दिया है।

यह मामला 29 मार्च का है। सदर थाना क्षेत्र की रहने वाली दो महिलाओं के साथ मारपीट और सार्वजनिक अपमान का मामला सामने आया था। दोनों पीड़िता सदर थाना क्षेत्र में एक किराए के मकान में रहती हैं। दोनों महिलाओं ने आरोप लगाया था कि 29 मार्च को पंकज कुमार नामक व्यक्ति उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जबरन उन्हें बाहर खींच लिया। आरोपितों ने दोनों महिलाओं को न सिर्फ चप्पल की माला पहनायी, बल्कि उनके चेहरे में कालिख पोतकर मोहल्ले में घुमाया।

एचईएम 2.0 पोर्टल पर अस्पतालों का माइग्रेशन संतोषजनक नहीं, विभाग सख्त

रांची। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एचईएम 2.0 पोर्टल पर अस्पतालों के माइग्रेशन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि राज्य में अस्पतालों का माइग्रेशन अब तक संतोषजनक नहीं है, विशेषकर निजी अस्पतालों की स्थिति काफी कमजोर है। अधिकारियों ने बताया कि कई अस्पतालों में फायर सेफ्टी एनओसी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्वीकृति, बायो-मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट और बिल्डिंग प्लान अप्रूवल नहीं होने के कारण प्रक्रिया बाधित हो रही है। अपर मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को आवश्यक लाइसेंस और स्वीकृतियों की प्रक्रिया में तेजी लाने और लंबित मामलों का जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर माइग्रेशन कार्य को जल्द पूरा करने पर जोर दिया। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जब तक सूचीबद्ध अस्पताल एचईएम 2.0 पर माइग्रेट नहीं करते, तब तक उन्हें मिलने वाला इंसेंटिव बंद रहेगा। साथ ही भविष्य में प्री-ऑथराइजेशन भी एनएचए के निदेर्शानुसार समाप्त किया जाएगा और नए स्पेशलिटी जोड़ने पर फिलहाल रोक रहेगी। बैठक में सोसाइटी के कार्यकारी निदेशक छवि रंजन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में पूर्वी सिंहभूम ने मारी बाजी

रांची। जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में गुरुनानक स्कूल, पीपी कंपाउंड में आयोजित दो दिवसीय 18 वीं राज्यस्तरीय जूनियर और यूथ बॉक्सिंग प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। आयोजन में राज्यभर के खिलाड़ियों ने भाग लिया और विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में यूथ पुरुष वर्ग में आदित्य सिंह (पूर्वी सिंहभूम) और यूथ महिला वर्ग में जेसिका खेस (रांची) चैंपियन बने। जूनियर बालक वर्ग में आर्यन मुखी (रांची) और जूनियर बालिका वर्ग में रचना कुमारी (पूर्वी सिंहभूम) ने खिताब जीता। यह जानकारी रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

उन्होंने बताया कि टीम चैंपियनशिप में जूनियर बालक, बालिका और यूथ पुरुष वर्ग में पूर्वी सिंहभूम का दबदबा रहा, जबकि यूथ महिला वर्ग में रांची टीम विजेता बनी। आयोजकों ने बताया कि विजेता खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन में 47 रेफरी और जजों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन के वरीय उपाध्यक्ष बलजीत सिंह बेदी, विशिष्ट अतिथि विनय सिन्हा (अध्यक्ष, रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन) और कार्यकारी अध्यक्ष परमजीत सिंह मौजूद थे।

मेगा ट्रेड फेयर | **विदेशी परफ्यूम और दुबई की मिठाइयों की खुशबू से महक रहा मेगा ट्रेड फेयर**

अफगानिस्तान के फाउंटेन, फ्लावर पॉट, चेस बोर्ड का आकर्षण

रांची। मोरहाबादी मैदान में चल रहे 17 वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में अब खरीदारी ने जोर पकड़ लिया है। शाम ढलते ही मेले में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ रहा है और हर स्टॉल पर खरीदारों की भीड़ साफ देखी जा रही है। गुरुवार को भी रांची सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे।

बढ़ती भीड़ को देखकर स्टॉल धारक भी खासे उत्साहित नजर आए। झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड जीएस मार्केटिंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ट्रेड फेयर का बेहतर रिस्पॉन्स मिल रहा है।

ट्रेड फेयर के इंटरनेशनल स्टॉल खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यहां इत्र और परफ्यूम की खुशबू लोगों को अपनी ओर खींच रही है। इत्र 200 रुपये और परफ्यूम 500 रुपये से शुरू होकर अलग-अलग रंगों और खुशबू में उपलब्ध हैं। खास बात यह है कि ग्राहकों की पसंद के अनुसार इत्र और परफ्यूम को कस्टमाइज भी किया जा रहा है। वहीं, अफगानिस्तान से आए स्टॉल पर फाउंटेन, फ्लावर पॉट, चेस बोर्ड और शिप वॉच जैसे डेकोरेशन आइटम लोगों को खूब भा रहे हैं। इनकी कीमतें भी आकर्षण का विषय बनी हुई हैं। फाउंटेन करीब दो लाख रुपये, बड़ा फ्लावर पॉट तीन लाख रुपये और छोटा फ्लावर पॉट 80 हजार रुपये में उपलब्ध है, जबकि चेस बोर्ड दो लाख रुपये में मिल रहा है।

तजाकिस्तान के जेम्स और ज्वेलरी को पसंद कर रहे लोग

तजाकिस्तान के स्टॉल पर जेम्स, ज्वेलरी, सिल्वर आइटम, ब्रेसलेट, ईयररिंग और चेन लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। यहां जेम्स की कीमत 2500 रुपये से शुरू हो रही है, जिससे खरीदारों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इसके अलावा दुबई से आए स्टॉल पर कुनाफा, बकलावा और चॉकलेट जैसी मिठाइयां लोगों की जुबान को मीठा बना रही हैं, जिससे फेयर का स्वाद और भी खास हो गया है। चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि इस बार का ट्रेड फेयर सिर्फ खरीदारी का मंच नहीं, बल्कि ग्लोबल एक्सपीरियंस बनकर उभरा है। यहां स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय उत्पाद एक साथ उपलब्ध हैं, जिससे रांची के लोगों को बिना बड़े शहरों में जाए विश्वस्तरीय बाजार का अनुभव मिल रहा है। खास तौर पर युवाओं और परिवारों की बढ़ती भागीदारी इस आयोजन की सफलता का संकेत है। आने वाले दिनों में और नए ऑफर, लाइव डेमो और इंटरैक्टिव स्टॉल्स के जरिए लोगों के अनुभव को और बेहतर बनाया जाएगा।

मेरी आवाज मेरी पहचान ने सजाई संगीतमय शाम

ट्रेड फेयर में गुरुवार की शाम संगीत के सुरों से सराबोर हो उठी। मेरी आवाज मेरी पहचान संस्था ने संगीतमय संध्या आयोजित कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिभाओं ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी, जिसमें पुराने सदाबहार गीतों से लेकर नए बॉलीवुड गानों तक का शानदार संगम देखने को मिला। दर्शकों ने भी तालियों और झूमकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, उपसचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कार्यकारणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, आनंद जालान, किशन अग्रवाल, राजीव चौधरी, जसविंदर सिंह, अनीश सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

जेवीएम श्यामली में 11वीं की प्रवेश परीक्षा संपन्न

रांची। जवाहर विद्या मंदिर (जेवीएम) श्यामली में शैक्षणिक सत्र 2026-28 के लिए कक्षा 11 वीं में नामांकन के लिए गुरुवार को द्वितीय चरण (फेज-2) की प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई।

विद्यालय प्रबंधन ने जारी प्रेस विज्ञप्ति करते हुए बताया कि परीक्षा परिणाम 04 अप्रैल को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। इसके पूर्व 16 मार्च को आयोजित प्रथम चरण (फेज-1) की परीक्षा में भी सीबीएसई बोर्ड के करीब 2000 विद्यार्थियों ने भाग लिया था, जो विद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को दर्शाता है। प्रभारी प्राचार्य बीएन झा ने परीक्षा के सफल संचालन पर संतोष जताते हुए कहा कि जेवीएम केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को निखारने का मंच है। वहीं उप-प्राचार्या अनुपमा श्रीवास्तव ने इसे विद्यार्थियों के सपनों की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम बताया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से आयोजित इस परीक्षा में विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के लिए आईसीएसई, झारखंड बोर्ड सहित देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 1500 छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

संक्षिप्त

गेतलसूद में श्रद्धा सरना समिति का 24वां वार्षिकोत्सव

अनगड़ा। गेतलसूद बजरंग चौक स्थित सरना स्थल पर गुरुवार को५ श्रद्धा सरना समिति का 24वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सरना झंडा बदली का कार्यक्रम हुआ और सामूहिक प्रार्थना कर झारखंड की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव और विशिष्ट अतिथि ओरमांझी जिप सदस्य कमिश्नर मुण्डा ने कहा कि ऐसी प्रार्थना सभाओं से आदिवासी समाज तेजी से प्रगति कर रहा है और नशामुक्ति जैसी कुरीतियों को त्याग कर संस्कारवान बन रहा है। मौके पर समिति के अध्यक्ष अजय उरांव, सचिव दशरत मुण्डा, कोषाध्यक्ष नीरज मुण्डा, उपसचिव बिट्टू उरांव, मुख्य पाहन राजदेव पाहन, ग्राम प्रधान जितेन्द्र उरांव सहित धर्म अगुवा कौशल्या उरांव, ऊषा मुण्डा व अन्य श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

टेलर के धक्के से बिजली का पोल खड़े ऑटो पर गिरा

अनगड़ा। प्रखंड के कुच्चू गांव में बुधवार की रात टेलर के धक्के से बिजली के दो पोल क्षतिग्रस्त हो गये। एक पोल गांव में खड़ी ऑटो के उपर गिर गई। रात होने के कारण ऑटो में कोई नहीं था। पोल के गिरने से पूरा गांव रात भर अंधेरे में डूबा रहा। बताया जाता हैं कि पोकलेन मशीन से लदा टेलर एक क्रशर प्लांट ले जाया जा रहा था। ऑटो के मालिक संजय महली ने बताया कि अक्सर टेलर और बड़े वाहन इधर के क्रशर प्लांट की ओर आवागमन करते हैं। इस दौरान बिजली काट दी जाती हैं जिससे गांव वालों को परेशानी होती हैं। गुरुवार को बिजलीम्पोल को दुरूस्त करने के बाद गांव में बिजली बहाल की गई।

सिल्ली अंचल में 64 आवेदनों का निष्पादन

सिल्ली। मिली जानकारी के मुताबिक सिल्ली अंचल में बुधवार को अंचलाधिकारी श्रीमती अरूणिमा एक्का की उपस्थिति में आयोजित जनता दरबार में कुल 64 आवेदनों का निष्पादन किया गया । इसमें 15 आय प्रमाण पत्र ,12 पारिवारिक सदस्यता , 09 आवासीय प्रमाण पत्र , 08 जाति प्रमाण पत्र , 08 तत्काल प्रमाण पत्र , 04 पंजी सुधार , 04 दाखिल खारिज , 02 नकल एवं 02 आचरण प्रमाण पत्र शामिल हैं।

चोकेसेरेंग में छऊ नृत्य एवं मुर्गा लड़ाई 11 को

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत ग्राम चोकेसेरेंग में ग्राम वासियों की ओर से आगामी शनिवार दिनांक 11 अप्रैल 2026 को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी छौऊ नृत्य एवं मुर्गा लड़ाई का आयोजन किया गया है । जिसमें छौऊ नृत्य के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त छौऊ नृत्य दल युवा संघ ग्राम जामडीह , जिला सराइकेला खरसावां झारखंड एवं सुप्रसिद्ध उस्ताद सुरेन कालिंदी एवं दल ग्राम रानीडीह, जिला पुरूलिया पं बं को आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी ग्रामीणों की ओर से दी गई।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त छह ऑपरेशन थिएटर शुरू

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला अस्पताल प्रबंधन समिति (शासी निकाय) की बैठक हुई। बैठक सदर अस्पताल के सभागार में आयोजित की गई। इसमें सदर अस्पताल को और अधिक आधुनिक, सुविधायुक्त और रोगियों के अनुकूल बनाने के लिए कई निर्णय लिया गया। सदर अस्पताल में पीईटी स्कैन सुविधा शुरू करने के लिए उपयुक्त स्थान का चयन कर लिया गया। साथ ही 24 घंटे सातों दिन रेडियोलॉजी सेवाओं को मंजूरी दी गई। इससे गंभीर रोगियों को अब जिला स्तर पर ही उच्च स्तरीय जांच सुविधा उपलब्ध हो सकेगी और उन्हें बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ब्लॉक स्तरीय जांच व्यवस्था को मजबूती

बैठक में प्रखंडों से रक्त नमूना संग्रहण और उसे सदर अस्पताल तक सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था को स्वीकृति दी गई। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर और समयबद्ध जांच रिपोर्ट मिल सकेगी। मुख्यमंत्री रख-रखाव योजना के अंतर्गत अस्पताल के भवनों और संरचना के रखरखाव को प्राथमिकता से लागू करने का निर्णय लिया गया।

सुबह 09 बजे से शाम 07 बजे तक होगा अल्ट्रासाउंड

बैठक उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को सभी स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर उच्च गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल पूरे जिले के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा केंद्र है। यहां दी जाने वाली सेवाओं में निरंतर सुधार लाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही पीईटी स्कैन और 24 घंटे सातों दिन रेडियोलॉजी की सुविधा, बेहतर ब्लॉक-लेवल कनेक्टिविटी और रखरखाव व्यवस्था से आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ होंगी।

सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और विस्तार

सदर अस्पताल में अब अल्ट्रासाउंड जांच की सुविधा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए दो पालियों में शुरू कर दिया गया है। अब मरीज सुबह 09 बजे से शाम 07 बजे तक अल्ट्रासाउंड जांच करा सकते हैं। इससे मरीजों को लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा और समय पर जांच हो सकेगी।

अब मेमोग्राफी जांच की भी सुविधा

सदर अस्पताल में अब मेमोग्राफी जांच भी उपलब्ध हो गई है। सरकार की ओर से अनुमोदित दर पर यह जांच शुरू कर दी गई है, जिससे महिलाओं को स्तन संबंधी बीमारियों की समय पर और सस्ती जांच की सुविधा मिल सकेगी। इसके अलावा, सदर अस्पताल में बने आधुनिक ऑडिटोरियम का किराया निर्धारित कर दिया गया है। इसके अलावा अस्पताल में 06 ऑपरेशन थिएटर (ओटी) शुरू कर दिए गए हैं। ये सभी ओटी दो पालियों में कार्यरत हैं, जिससे अधिक से अधिक ऑपरेशन समय पर किए जा सकें। इससे आपातकालीन और नियमित सर्जरी दोनों में तेजी आएगी और मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। इन सभी सुविधाओं के साथ सदर अस्पताल को अब पूर्ण वाई-फाई जोन बना दिया गया है। पूरे अस्पताल परिसर में अब तेज और निर्बाध इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। इससे डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को मेडिकल रिकॉर्ड्स अपडेट करने, ऑनलाइन रिपोर्ट्स देखने और बेहतर समन्वय बनाने में काफी आसानी होगी। मौके पर उपायुक्त ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर, ओपीडी सहित अन्य विभागों का विस्तृत जायजा लिया। साथ ही उन्होंने दवाओं की उपलब्धता, मरीजों को मिल रही सुविधाओं, डॉक्टर और स्टाफ की उपस्थिति और मेडिकल उपकरणों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की।

एक नजर

स्व. विजय कुमार सिन्हा की पुण्यतिथि मनायी

पिस्का नगड़ी। प्रखंड के प्रेम नगर स्थित श्री राम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में संस्थापक अध्यक्ष स्व. विजय कुमार सिन्हा की पुण्यतिथि मनाई गई। संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय बिजय कुमार सिन्हा की पुण्य तिथि पर उपलक्ष्य महाविद्यालय में श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। कॉलेज के अध्यक्ष, निदेशक, सचिव, प्रिंसिपल, सभी शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारी, छात्रों की उपस्तिथि में श्रद्धांजली सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत स्वर्गीय बिजय कुमार सिन्हा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय योगदान को याद किया। सचिव विकास सिन्हा ने संस्थापक अध्यक्ष के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ₹स्वर्गीय विजय कुमार सिन्हा जी एक दूरदर्शी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने इस महाविद्यालय की स्थापना समाज के अंतिम व्यक्ति तक उच्च शिक्षा पहुँचाने के पवित्र उद्देश्य से की थी। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थापक महोदय के अनुशासन और मूल्यों को अपनाकर ही संस्थान प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है। सभा में मौजूद निर्देशकों और अन्य वक्ताओं ने भी उनके जीवन संघर्षों और उनकी विनम्रता के संस्मरण साझा किए।

नशा करनेवाला अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित होते है : प्रवीण कुमार श्रीवास्तव

रांची। झालसा के दिशा-निर्देश पर गुरुवार को रातू प्रखंड के पश्चिमी तारूप पंचायत सचिवालय भवन में विधिक सेवा आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार लाना ही राज्य का कर्त्तव्य है एवं विशेषता चिकित्सीय प्रयोजनों को छोड़कर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीले पदार्थों और पेयों के प्रयोग पर प्रतिबंध करेंगा। उन्होंने नशा के प्रभाव लोक स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे बिंदुओ पर प्रकाश डाल कर बच्चों को नशे से दूर करने के उपाय की भी जानकारी दी। नौ मई को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में डालसा टीम के द्वारा जानकारी दी गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक सुलहनीय मामले, दीवानी से संबंधित मामले, श्रम से संबंधित वाद, वैवाहिक वाद, पारिवारिक वाद, उत्पाद से संबंधित मामले, चेक बाउंस के मामले, वन विभाग के मामले, बिजली से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान से संबंधित मामले साथ ही साथ भूमि अधिग्रहण, मोटरयान, माप-तौल से संबंधित वाद एवं वैवाहिक से संबंधित मामलों को चिन्हित करके पक्षकारों को नोटिस भेजा जा रहा है। कार्यक्रम में डालसा सचिव राकेश रौशन,पीएलवी विनिता कुमारी, सुनीता देवी, अफरोज अंसारी, पुनम देवी, सुजीता देवी, प्रीतम सक्सेना सहित अन्य उपस्थित थे।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

नव प्रदेश संवाददाता

चान्हो। एन एच 75 पर झिबरी मोड़ के पास गुरुवार दोपहर हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे एक ही बाइक पर सवार तीन दोस्तों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

जानकारी के अनुसार रघुनाथपुर पंचायत के नावाडीह गांव निवासी 14 वर्षीय आशीष उरांव (पिता स्व. विष्णु दयाल उरांव), 18 वर्षीय आशीष उरांव (पिता सुरेश उरांव) और 17 वर्षीय आशीष उरांव (पिता पंचू उरांव) एक ही बाइक पर सवार होकर घूमने निकले थे। वापसी के दौरान झिबरी मोड़ के समीप बाइक तेज रफ्तार में असंतुलित हो गई और तीनों सड़क पर गिर पड़े।

हादसा इतना भीषण था कि 14 वर्षीय और 18 वर्षीय आशीष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 17 वर्षीय आशीष गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही चान्हो पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसरा हुआ है।

समग्र शिक्षा के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना हमारा प्रयास : शालिनी विजय

गुरू गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल व फेटा गांव के बीच प्रोजेक्ट मैत्री का शुभारंभ

रातू। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल कमडे रांची की टीम गुरूवार को प्रधानाचार्या शालिनी विजय के नेतृत्व में फेटा गांव का दौरा किया। इस दौरान प्राचार्या सहित स्कूल के बच्चो ने ग्रामीणो से मिलकर ग्रामीण परिवेश की जानकारी प्राप्त किया। प्राचार्या ने गांव के मुखिया, पंचायत सचिव और ग्रामसभा से मिलकर स्कूल के आपसी सहयोग पर आधारित प्रोजेक्ट मैत्री के औपचारिक शुभारंभ की घोषणा की ' इस मौके पर प्राचार्या शालिनी विजय ने कहा कि प्रोजेक्ट मैत्री का मुख्य उदेश्य शिक्षा में रूरल एवं अर्बन के भेद को कम कर समग्र शिक्षा के लक्ष्य की ओर बढ़ना है ' उन्होने गांव के लोगो को शहर से जोडने के लिए बेहतर वातावरण बनाकर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। उन्होने कहा कि भविष्य में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न हैंड्स-ऑन गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जहाँ वे अपने शिक्षकों के साथ मिलकर ग्रामीणो से मिले सीख के अनुभवों को साझा करेंगे।

मांडर-बेड़ो मार्ग पर लोयो बांध के निकट ऑटो पलटा, पांच गंभीर रूप से घायल

मांडर : मांडर-बेड़ो मार्ग पर लोयो बांध के निकट गुरुवार की शाम लगभग 3:30 बजे हुए सड़क दुर्घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में बाजरा ग्राम निवासी 55 वर्षीय सिकंदर खान, तेतर टोली की 40 वर्षीय परदेशिया उराइन, हेसमी ग्राम की 30 वर्षीय सुमित्रा देवी एवं 28 वर्षीय बिना देवी तथा सोसई ग्राम के 24 वर्षीय अंकित भगत शामिल हैं।जिसमे सिकंदर खान, परदेशिया उराव, सुमित्रा देवी, व अंकित भगत की हालत गंभीर थी जिन्हे प्राथमिक उपचार के पश्चात रिम्स रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी लोग एक ही ऑटो में सवार होकर बेड़ो से मांडर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान लोयो बांध के समीप ऑटो असंतुलित होकर पलट गई , जिससे उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के पश्चात स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तत्काल मांडर स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया।

कुएं मे गिरा हाथी, 6 घंटे तक चला रेस्क्यू, काफी मशक्कत के बाद निकाला गया बाहर

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के बुंडू वन रेंज के सारेयाद गांव के एक कुएं में गुरुवार सुबह हाथी गिरने की जानकारी ग्रामीणों को मिली। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग ओर स्थानीय प्रशासन को दिया। वन विभाग के द्वारा जेसीबी मशीन से कुआं को खोद रास्ता बनाया गया।6 घंटे के रेस्क्यू के बाद सुरक्षित हाथी को कुआं से बाहर निकाला गया। गुरुवार सुबह घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों के बीच हलचल मची। काफी संख्या में ग्रामीण कुआं के समीप जमा हुए। वन विभाग की टीम पहुंची और तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अधिकारियों ने जेसीबी मंगवाए और जेसीबी की मदद से खुले कुएं के समानांतर एक रास्ता बनाया गया।कुएं में काफी देर तक फंसे रहे हाथी को जैसे ही कुएं से बाहर निकलने का रास्ता दिखा वह उछलता-कूदता हुआ खुद बाहर निकल आया।इस संबंध में प्रभारी वनपाल सिप्रियन टुटी ने बताया कि कुआं में हाथी गिरने की सूचना मिलते ही तत्काल रेस्क्यू प्रारंभ किया। कुआं मालिक को मुआवजा राशि देकर कुआं से समानांतर रास्ता बनाकर हाथी को सुरक्षित निकाला गया इस दौरान ग्रामीणों के भीड़ के कारण कुछ सुविधा भी हुई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, खूँटी

निविदा रद्द सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस प्रमंडल द्वारा आमंत्रित ई0 निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – RDD/ SD/KHUNTI/05/2024-25 4th Call जिसका पी0आर0 संख्या 358688 RURAL DEVELOPMENT (2024-25) D अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू समझा जाय।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,खूँटी

PR 376580 Rural Development(26-27).D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, कोडरमा।

अज्ञात बरामद शव
आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कोडरमा थानान्तर्गत कोडरमा घाटी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उक्त मृतक महिला का शव का हुलिया इस प्रकार है। उम्र–लगभग 30 वर्ष, लम्बाई करीब 05 फीट, रंग–काला, बाल–काला, मुंह बंद, चेहरा फूला हुआ, पहनावा–लाल रंग का छींटेदार नाईटी, तथा गले में मंगलसूत्र टूटा हुआ पहने हुए है। इस संबंध में कोडरमा थाना कांड सं0–55/26, दिनांक–31.03.2026, धारा–103(3)/238 बीएनएस दर्ज किया गया है। यदि किसी को उक्त अज्ञात बरामद महिला का शव के बारे में जानकारी मिले तो, इसकी सूचना निम्नलिखित पता/मोबाईल नंबर पर दें।

पुलिस अधीक्षक, कोडरमा :– 9431706350,
अनुमंडल पुलिस पदा0, कोडरमा :– 9939270239,
पु0नि0 सह थाना प्रभारी, कोडरमा :–7717781981,

पुलिस अधीक्षक,
कोडरमा

PR 376434 Police(26-27)D

स्वास्थ्य शिविर

स्व. युवराज गोपाल शरण नाथ शाहदेव की जयंती मनायी गयी

स्वास्थ्य शिविर व ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन

नव प्रदेश संवाददाता

रातू। छोटानागपुर के युवराज सह हटिया विधानसभा के पूर्व विधायक स्वः गोपाल शरण नाथ शाहदेव के जयंती पर गुरूवार को छोटानागपुर युवा शक्ति के द्वारा रॉयल बैंक्वेट (छोटानागपुर फन कैसल पार्क) में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। मेडिकल कैंप में सैनफोर्ड अस्पताल के प्रसिद्ध चिकित्सको ने 148 लोगो के स्वास्थ्य जांच कर जरूरी जानकारी के साथ दवा उपलब्ध कराई। वही क्षेत्र के 28 लोगो द्वारा ब्लड डोनेट किया गया। मौके पर जेसीआई अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि आज अगर युवराज साहब हमारे बीच होते तो क्षेत्र के स्थिति ही बदल जाती। उनके अधुरे कामो को पुरा करना हमारा कर्तव्य है। मौके पर नीतेश नाथ शाहदेव, अतुल ठाकुर, राहुल दयाल, संजय साहु, सिंदबाज खान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

युवराज की 57वीं जयंती मनायी गयी

रातू : चैंबर आफ कामर्स रातू के तत्वावधान में गुरुवार को युवराज चौक काठीटांड़ में युवराज गोपाल शरण नाथ शाहदेव का 57वीं जयंती धुमधाम के साथ मनाया। युवराज चौक में उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धसुमन अर्पित कर महाराजा पुत्री माधुरी मंजरी देवी ने केक काटकर लोगो के बीच बांटा गया। वहीं छोटानागपुर युवा शक्ति के द्वारा छोटानगपुर फन कैसल पार्क में स्वास्थय जांव सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैनफोर्ड अस्पताल से आए डॉ रोहित लाल (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ नगमा (बच्चा रोग विशेषज्ञ), डॉ रजनीश (सामान्य चिकित्सक) ने 100 लोगो की स्वास्थ्य जांच की तथा रक्तदान शिविर में 22 लोगो ने रक्तदान किया। इससे पूर्व जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, पार्क निदेशक नितेश नाथ शाहदेव, पृथ्वी नाथ शाहदेव, गोपाल नाथ शाहदेव, स्नेहल शाहदेव, कमरुल हक, मो. हबीव ने युवराज के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।मौके पर चंद्रशेखर चौरसिया, प्रदीप कुमार प्रकाश, पृथ्वी नाथ शाहदेव, विजय सिंह, अरविंद पांडेय, जितेश्वर मुंडा, कृष्णा गोप, रियाजुल अंसारी, सुषमा तिर्की, जयगोविंद नाथ मुंडा, महावीर विश्वकर्मा, पावईरुष तिर्की, बेलाल अंसारी, शिवपूजन साहु, कृष्णा रजक, प्रदीप सिंह, पंकज दयाल सिंह, विजय सिंह, अतुल राज, अंजुम खान, जगदीश साहु, नवीन सिंहा, कैलाश बैठा, सुबोध साहु, संजय साहु, शमीम मंसूरी सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अल्पकालिन निविदा /कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या–1/2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता: कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 16.04.2026 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 17.04.2026 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.04.2026 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Renovation of Block "A" of 300 Bedded Nurses Hostel G+2 attached to RIMS, Ranchi.	38,60,000.00	5000.00	77500.00	4 Months
2	Renovation of Main Building F-47 at HEC, Sector-3, Dhurwa, Ranchi.	45,50,300.00	5000.00	91200.00	2 Months
3	Renovation of Police Barrack in the Campus of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi.	21,92,800.00	5000.00	44000.00	1 Month

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 376582 (Building)26-27*D

बोकारो पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अमन साहू गिरोह से जुड़े 7 अपराधी गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो: जिले में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों और रंगदारी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए बोकारो पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अमन साहू गिरोह से जुड़े 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि यह कार्रवाई नगर डीएसपी के नेतृत्व में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की गई।
पुलिस के अनुसार, अमन साहू, राहुल दुबे और मयंक सिंह गिरोह का नाम सामने आ रहा था, जो प्रकाश शुक्ला के माध्यम से बोकारो के व्यवसायियों और ठेकेदारों से मोबाइल फोन के जरिए रंगदारी की मांग कर रहे थे। इस मामले में बालीडीह थाना और बीएस सिटी थाना में अलग-अलग कांड दर्ज किए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया।
तकनीकी और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए पुलिस ने 7 अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रिंस कुमार गुप्ता उर्फ भाटिया, श्याम कुमार सिंह, अजय सिंह, ओम प्रकाश पॉल, जैनेन्द्र शुक्ला, गोलू कुमार और भूपेंद्र सिंह शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 01 देसी कट्टा, 01 पिस्टल (7.65 एमएम), 10 जिंदा कारतूस, 01 मैगजीन, 02 चाकू, 8 मोबाइल फोन, 01 स्कूटी, 02 एटीएम कार्ड और 600 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन का इस्तेमाल रंगदारी मांगने में किया जा रहा था।
पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी प्रिंस कुमार गुप्ता ने हथियार बरामदगी के समय पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें वह खुद घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस कार्रवाई में जिले के कई थाना क्षेत्रों की पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस ने कहा कि आगे भी संगठित अपराध के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

बालीडीह में सख्त वाहन जांच अभियान, 60 चालकों पर कार्रवाई

नवप्रदेश/बोकारो: बालीडीह थाना क्षेत्र में गुरुवार को जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) मारुति मिंज के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान खासतौर पर दोपहिया वाहन चालकों की जांच की गई, जिसमें हेलमेट पहनने को लेकर सख्ती बरती गई।
जांच के क्रम में कुल 60 ऐसे दोपहिया वाहन चालक पकड़े गए, जो बिना हेलमेट वाहन चला रहे थे। सभी के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की प्रासंगिक धाराओं के तहत जुमार्ना लगाया गया। अधिकारियों ने कहा कि हेलमेट नहीं पहनना सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर चोट और मौत का बड़ा कारण बनता है, इसलिए नियमों का पालन बेहद जरूरी है।
कार्रवाई के बाद सभी चालकों को बालीडीह थाना में बैठाकर सड़क सुरक्षा को लेकर काउंसलिंग भी दी गई। इस दौरान उन्हें हेलमेट के उपयोग, यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित ड्राइविंग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों को सख्त निर्देश दिया कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन न करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें।
डीटीओ ने बताया कि बालीडीह क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि लोगों में जागरूकता बढ़े और सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

श्रमिकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया

नवप्रदेश/नावाडीह। नावाडीह प्रखंड के सूरही पंचायत भवन में बुधवार को श्रमिकों के अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी अंकित कुमार शर्मा,पंचायत सेवक अखिलेश्वर महतो तथा श्रमिक मित्र लोकनाथ महतो ने श्रमिकों को जागरूक किया।अभियान के दौरान श्रमिकों को उनके वैधानिक अधिकारों, सुरक्षा प्रावधानों तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बहुत से श्रमिकों ने उपस्थित होकर आवश्यक जानकारी प्राप्त की।
कार्यक्रम के उपरांत सभी वर्गों के श्रमिकों के बीओसी (निर्माण श्रमिक) कार्ड तथा असंगठित श्रमिक कार्ड भी बनाए गए, जिससे उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सामाजिक सुरक्षा लाभों का समय पर लाभ मिल सकेगा । स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम श्रमिक वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होते हैं।

जीवन ज्योति बीमा के पाँच लाभुकों को दो - दो लाख मिलेंगे

नवप्रदेश/नावाडीह। नावाडीह प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत बैंक ऑफ इंडिया नावाडीह शाखा के दो लाभुकों - हरिलाल शर्मा व भिखनी देवी और भेंड़रा शाखा से तीन लाभुकों - ममता देवी, सावित्री देवी व देवनी देवी को दो - दो लाख रुपए की राशि संबंधितों के खाते में हस्तांतरित किया गया। इसके प्रतीक स्वरुप प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार हेंब्रम, जिला अग्रणी पदाधिकारी, बैंक आफ इंडिया के नावाडीह और भेंड़रा शाखा के प्रबंधक द्वारा सूचक के रूप में डमी चेक लाभुकों को वितरित किया गया।जेएसएलपीएस की बैंक सखी राधिका देवी और सरिता देवी के लगातार प्रयास से लाभुकों को यह राशि प्राप्त हो सकी। इससे मृतक के परिवार को आर्थिक सहयोग मिलेगा।

महुआडांड़ में पवित्र पास्का पर्व की शुरूआत पवित्र गुरुवार पर विशेष पूजा-अर्चना आयोजित

प्रभु यीशु के प्रेम, सेवा और त्याग का दिया गया संदेश माता पल्ली में विनीत पूजा, शिष्यों के पैर धोने की परंपरा निभाई गई

नवप्रदेश/महुआडांड़/लातेहार
महुआडांड़ क्षेत्र में ईसाई धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व पास्का तीन दिवसीय विशेष समारोह के साथ प्रारंभ हो गया। खजूर रविवार से शुरू हुए इस पर्व के तहत पवित्र गुरुवार के अवसर पर प्रभु यीशु मसीह के दुखभोग, मृत्यु और पुनरुत्थान की स्मृति में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।
माता पल्ली महुआडांड़ में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर पल्ली पुरोहित फादर सुरेश किंडो सहित अन्य फादरों–फादर एम.के. जोश, बरथोलोमी, पतरस और एडवर्ड–ने विशेष अनुष्ठान संपन्न कराया।
धार्मिक परंपरा के अनुसार, प्रभु यीशु द्वारा अपने शिष्यों के पैर धोने की परंपरा को दोहराते हुए 12 चयनित लोगों के पैर धोए गए और उन्हें अंगवस्त्र भेंट किया गया। यह परंपरा विनम्रता, सेवा और प्रेम का प्रतीक मानी जाती है।
अपने संदेश में फादर दिलीप ने कहा कि ह्लसबसे पहले ईश्वर से प्रेम करें और अपने आसपास के लोगों से भी प्रेम करें, यही सच्ची शिक्षा है।ह्व उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें त्याग, सेवा और आपसी प्रेम का संदेश देता है।
कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोगों ने भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में हेड प्रचारक आनंद, सिस्टर स्वाति, महिला संघ और युवा संघ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।
इधर, साले, गोटगांव, पकरिपाठ, तुंदटोली, चेतमा दोना और चोरपाठ के चर्चों में भी विशेष प्रार्थना और पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।
यह पर्व ईसाई समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, जो उन्हें प्रभु यीशु के जीवन और उनके बलिदान की याद दिलाता है तथा प्रेम, एकता और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

सीआई बजेंद्र उपाध्याय को भावभीनी विदाई, अंचल कार्यालय छतरपुर में समारोह आयोजित

नवप्रदेश/छतरपुर/ अंचल कार्यालय छतरपुर में कार्यरत सीआई बजेंद्र उपाध्याय के सेवा निवृत्त होने के उपलक्ष्य में दिनांक 31 मार्च 2026 को एक भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में सादगीपूर्ण लेकिन गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी एवं उउढड सहित प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने श्री उपाध्याय के लंबे और समर्पित सेवा काल की सराहना करते हुए उनके कार्यों और योगदान को याद किया। सहकर्मियों ने अपने संबोधन में कहा कि बजेंद्र उपाध्याय ने अपने कार्यकाल में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। समारोह के दौरान उन्हें सम्मानित किया गया और उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम का समापन भावुक माहौल में हुआ, जहां सहकर्मियों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी।

उपयुक्त के निर्देश पर अवैध बालू भण्डारण पर कार्रवाई

40,000 घनफीट बालू जब्त

नवप्रदेश/गुमला : उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर घाघरा थाना क्षेत्र अंतर्गत मौजा डुको में अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध जिला टास्कफोर्स (खनन) द्वारा औचक जाँच एवं छापेमारी की गई।यह कार्रवाई अनुमण्डल पदाधिकारी राजीव नीरज की अध्यक्षता में अंचल अधिकारी, खान निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं सशस्त्र बलों की उपस्थिति में की गई।जाँच के दौरान खाता संख्या-42, प्लॉट संख्या-687 में लगभग 30,000 घनफीट एवं खाता संख्या-108, प्लॉट संख्या-691 में लगभग 10,000 घनफीट, कुल लगभग 40,000 घनफीट अवैध बालू भण्डारित पाया गया, जिसे जब्त कर लिया गया।
उक्त कृत्य से सरकारी राजस्व की क्षति हो रही है तथा यह खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 एवं झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 सहित अन्य प्रावधानों का उल्लंघन है।इस संबंध में अज्ञात व्यक्तियों एवं संबंधित भूमि स्वामी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा

बोकारो पहुंचे राजद के झारखंड महासचिव कैलाश यादव, भाजपा पर साधा निशाना

नवप्रदेश/बोकारो: गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के झारखंड महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव बोकारो पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया।
अपने प्रवास के दौरान कैलाश यादव सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने स्वामी सत्य कृष्णा महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे बोकारो पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर कैप्टन रामचंद्र यादव के निधन की खबर से मर्माहत दिखे। उन्होंने दिवंगत के आवास पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। साथ ही उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।
सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कैलाश यादव ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से आम जनता परेशान है और राज्य में कानून-व्यवस्था सहित कई मोर्चों पर सरकार विफल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राजद लगातार जनता के मुद्दों को उठा रही है और आने वाले समय में इसका व्यापक असर देखने को मिलेगा।
इस अवसर पर नव प्रदेश अखबार के बोकारो जिला ब्यूरो देवेंद्र कुमार, राजद नेता अवधेश यादव समेत कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक नजर

कड़ाई के बाद रसोई गैस की होम डिलीवरी व्यवस्था हुई सुचारू

नवप्रदेश/गुमला : उपायुक्त के निर्देश के आलोक में रसोई गैस की कालाबाजारी पर की जा रही सख्त कार्रवाई एवं निरंतर निरीक्षण अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। प्रशासन की कड़ाई के कारण अब जिले में घरेलू रसोई गैस की होम डिलीवरी व्यवस्था सुचारू रूप से प्रारंभ हो चुकी है। प्रशासन द्वारा की गई सघन छापेमारी एवं निगरानी के फलस्वरूप गैस वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आई है तथा आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके

रसोई गैस की कालाबाजारी रोकने हेतु सघन छापेमारी

कई स्थानों से घरेलू सिलेंडर जब्त

नवप्रदेश/गुमला : उपायुक्त के निर्देश के आलोक में रसोई गैस की कालाबाजारी एवं उसके व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, गुमला सदर संगीता केरकेट्टा के नेतृत्व में एक विशेष टीम द्वारा सड़क किनारे स्थित ठेलों, ढाबों एवं होटलों में औचक छापेमारी एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया।विगत दिनों नियमित निरीक्षण के बावजूद बड़े प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर की बरामदगी नहीं हो रही थी। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि अधिकांश होटल एवं प्रतिष्ठान लकड़ी एवं कोयले के चूल्हों का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कुछ छोटे प्रतिष्ठानों द्वारा इंडक्शन चूल्हों का भी उपयोग किया जा रहा है। इसी बीच स्थानीय स्तर पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर सड़क किनारे संचालित ठेलों एवं छोटे होटलों में विशेष जांच की गई।निरीक्षण के क्रम में एक्का फैमिली रेस्टॉरेंट एवं टी एंड स्नैक्स प्रतिष्ठान में किसी भी प्रकार का घरेलू गैस सिलेंडर नहीं पाया गया तथा वहां नियमानुसार कोयला चूल्हा एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा था, जिन्हें क्लीन चिट प्रदान की गई। वहीं, अज्ञात नामक एक प्रतिष्ठान (संचालक प्रकाश कुमार), अनिल चाट (संचालक अनिल) तथा दीपिका नाश्ता भंडार (संचालक बसंती देवी) में घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) का व्यावसायिक उपयोग करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। इन सभी मामलों में संबंधित सिलेंडरों को तत्काल जब्त कर लिया गया।जब्त किए गए सभी सिलेंडरों को प्रखंड कार्यालय के सुरक्षित कक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी के संरक्षण में रखा गया है तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है तथा इस प्रकार की अनियमितताओं के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बिशुनपुर के प्लेस्मार्ट एवं उत्पादन केंद्र का जेएसएलपीएस का सीईओ ने किया दौरा

समूह के कार्यो का किया प्रशंसा

नवप्रदेश/गुमला : झारखंड में ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के सीईओ अनन्या मित्तल गुरुवार को अपनी पूरी टीम के साथ गुमला जिले के बिशुनपुर स्थित पलाश मार्ट एवं उत्पादन केंद्र का दौरा करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वहां संचालित गतिविधियों का गहन निरीक्षण किया और स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वेश्वरी महिला समूह द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों, उनकी निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता और विपणन व्यवस्था को बारीकी से देखा। समूह की महिलाओं द्वारा सीमित संसाधनों में किए जा रहे कार्यों से वे काफी प्रभावित हुए। विशेष रूप से अनीता दीदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण ही इस पहल की असली ताकत है, जिसने इसे आज इस मुकाम तक पहुंचाया है। अनन्या मित्तल ने कहा कि पलाश मार्ट जैसे मंच ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने उत्पादों की पैकेजिंग, ब्रांडिंग और लेबलिंग को और बेहतर एवं आकर्षक बनाने पर जोर दिया, ताकि बाजार में इनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सके। इसके लिए उन्होंने जिला स्तरीय टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस मौके पर नीतिश सिन्हा, तापस बेहरा, प्रवीण, बिष्णु चरण परिदा, निशांत देव, शैलेन्द्र कुमार, बिरेन सहित बिशुनपुर जेएसएलपीएस की पूरी टीम मौजूद रही। सभी ने मिलकर इस पहल को और मजबूत करने तथा महिलाओं की आजीविका को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

डुमरी प्रखंड के औरापाट मॉडल गांव में मशरूम परियोजना बनी सफलता की मिसाल

लाभुकों ने बढ़ाया उत्पादन

नवप्रदेश/गुमला : आकांक्षी प्रखंड डुमरी अंतर्गत औरापाट मॉडल गांव में संचालित मशरूम आजीविका परियोजना अब एक सफल मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना ने न केवल ग्रामीणों को आय का सशक्त माध्यम उपलब्ध कराया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में भी अग्रसर किया है।
परियोजना के प्रथम चरण में औरापाट मॉडल गांव के 45 परिवारों को जोड़ते हुए मशरूम उत्पादन की शुरूआत की गई थी। इस चरण में अढढ एग्रीगेट के माध्यम से लगभग 6 से 7 लाख रुपये मूल्य के मशरूम का विपणन किया गया, जिसे लाभुकों से सीधे क्रय किया गया। इससे लाभुक परिवारों को तत्काल आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ तथा बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित हुई।इस पहल की सफलता का प्रमाण यह है कि अब दूसरे चरण में लाभुक स्वयं अपने संसाधनों से उत्पादन किट क्रय कर मशरूम की खेती कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि योजना के प्रति लाभुकों का विश्वास बढ़ा है तथा वे इसे स्थायी आजीविका के रूप में अपना रहे हैं। लाभुक परिवारों ने बताया कि कम लागत, सीमित स्थान एवं कम समय में बेहतर आय प्राप्त होने के कारण मशरूम उत्पादन उनके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। वर्तमान में कई परिवार लगातार दूसरे चरण का उत्पादन कर अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं।
जिला प्रशासन द्वारा संचालित इस योजना के अंतर्गत तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण एवं विपणन की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे ग्रामीणों को निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। यह पहल अब जिले में आजीविका संवर्धन का एक सफल मॉडल बन चुकी है, जिससे अन्य क्षेत्रों के लाभुक भी प्रेरित हो रहे हैं। प्रशासन द्वारा भविष्य में इस मॉडल का विस्तार करते हुए अधिक से अधिक परिवारों को जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

5 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, कामरेड गजेंद्र सिंह

नवप्रदेश/गुमला :भाकपा माले जिला कमेटी करमटोली गुमला कार्यालय में पार्टी के सचिव कामरेड गजेंद्र सिंह की अगुवाई में करम टोली मैं हुई उक्त बैठक में अल्मा खालको और महावीर मुंडा की महत्वपूर्ण उपस्थिति हुई जिसमें झामस को चलाने में आदिवासी संघर्ष मोर्चा को मजबूत करने के बारे में चर्चा हुई 1मई 2026 को मजदूर दिवस भी मानने के लिए चर्चा किया गया आदिवासी संघर्ष मोर्चा सदस्यताओं का पूरनवहान किया जाएगा जिसमें महिंद्रा जैक्सन उराव सुषमा देवी हुमायूं साहू विद्यासागर जगल मुंडा विरजानंद उरांव महावीर मुंडा सविता कुमारी ललित साहू रवि उरांव दर्शन उरांव अल्मा खालको विरसाई उरांव चेगडे उरांव वह सभी कॉमरेड शामिल थे,

2025-26 में दक्षिण पूर्व रेलवे का शानदार प्रदर्शन, माल लदान से लेकर यात्री सेवा तक कई रिकॉर्ड उपलब्धियाँ

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। कोलकाता/ वित्तीय वर्ष 2025-26 में दक्षिण पूर्व रेलवे ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। माल परिवहन, यात्री सुविधा, तकनीकी उन्नयन और राजस्व अर्जन के क्षेत्र में रेलवे का प्रदर्शन सराहनीय रहा है।

रेलवे द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष कुल 210.41 मिलियन टन माल लदान किया गया, जिससे 18,32.44 करोड़ की आय प्राप्त हुई। वहीं उद्गम यात्रियों से 2961.20 करोड़, टिकट जांच से 104.05 करोड़, गैर-भाड़ा राजस्व से 30.57 करोड़ तथा खानपान सेवाओं से 184 करोड़ की आय अर्जित की गई। पार्किंग से 13.75 करोड़ का राजस्व मिला।

यात्रियों की सुविधा के क्षेत्र में भी रेलवे ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। कुल 220.36 मिलियन उद्गम यात्रियों ने यात्रा की। 16 स्वचालित सीढ़ियाँ और 20 लिफ्ट विभिन्न स्टेशनों पर लगाए गए। कांड्रा और घाटशिला में दो नए विश्राम गृह शुरू किए गए।

तकनीकी सुधारों के तहत पहली बार मेधा रेखा परिवर्तक मॉड्यूल की विभागीय मरम्मत कर प्रति इकाई लगभग 9 लाख की बचत की गई। 41 इंजनों में चालक कक्ष में वातानुकूलन की व्यवस्था की गई, जबकि 23 इंजनों में बिना जल वाले मूत्रालय लगाए गए। 6 इंजनों में स्वदेशी टक्कर-निवारण प्रणाली स्थापित की गई।

रेलवे ने 101 नए विद्युत इंजन चालू किए, जिससे कुल विद्युत इंजन संख्या बढ़कर 1,566 हो गई, जो भारतीय रेल में सर्वाधिक है। इनमें 1,166 त्रि-चरणीय इंजन शामिल हैं।

बुनियादी ढांचे के विकास में 173 ट्रैक किलोमीटर पुराने विद्युत तार बदले गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। 99.205 ट्रैक किलोमीटर नई 25 केवी एसी विद्युत लाइन सक्रिय की गई। मनोहरपुर और भांजपुर में दो नए कर्षण विद्युत उपकेंद्र चालू किए गए।

ऊर्जा के क्षेत्र में 7.18 मेगावाट क्षमता की छत पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की गई। वहीं 156 मार्ग किलोमीटर में स्वचालित ब्लॉक संकेत प्रणाली लागू की गई और 14 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली शुरू की गई। 29 समपार फाटकों को इंटरलॉक किया गया तथा 115 समेकित विद्युत आपूर्ति प्रणालियाँ स्थापित की गईं।

रेलवे ने 738 पुराने प्वाइंट्स को नए यंत्रों से बदला। निष्प्रयोज्य डीजल इंजनों के निपटान से 49.74 करोड़ की आय प्राप्त हुई। यात्री सेवाओं में 1365 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। 9 ट्रेनों (16 रेक) को पारंपरिक डिब्बों से उन्नत डिब्बों में बदला गया तथा 4 ट्रेनों (9 रेक) का मानकीकरण किया गया। 39 डाक एवं एक्सप्रेस ट्रेनों की गति 110 से बढ़ाकर 130 किलोमीटर प्रति घंटा की गई। इसके अलावा 5 नई ट्रेनें शुरू की गईं।

डिब्बों की संख्या में वृद्धि करते हुए 2964 अस्थायी और 74 स्थायी डिब्बे जोड़े गए। रोजगार के क्षेत्र में भी रेलवे ने 3182 भर्तियाँ कीं, जो रेलवे भर्ती बोर्ड, रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ और अनुकंपा के आधार पर की गईं।

कुल मिलाकर, दक्षिण पूर्व रेलवे ने वर्ष 2025-26 में विकास, आधुनिकता और यात्री सुविधा के क्षेत्र में एक संतुलित और प्रभावी प्रदर्शन प्रस्तुत किया है।

डीएसओ डॉ राजशेखर ने किया चोपाबथान, असना एवं सरसाजोल लैम्प्स का निरीक्षण

नवप्रदेश/दुमका। जिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉ राजशेखर ने गुरुवार को विभागीय निदेर्शानुसार दुमका जिला के चोपाबथान, असना एवं सरसाजोल लैम्प्स का निरीक्षण कियाे इस दौरान उन्होंने किसानों से धान अधिप्राप्ति कर गोदाम में किए गए भंडारण का भौतिक जांच किया। मामले में जिला आपूर्ति पदाधिकारी डॉक्टर राजशेखर ने बताया कि उक्त तीनों लैम्प्सो में भंडारण सही पाया गया तथा भंडार पंजी के साथ मिलान किया गयो असना लैम्प्स में प्रबंधक ताजमहल अंसारी मौजूद थे। इसके साथ ही लैम्प्स प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि वह अपने संबंधित चावल मिलों में धान भेजकर प्राप्ति रसीद प्राप्त कर ले ताकि समय अनुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि जिला के सभी लैम्प्स के भंडारण का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है कहीं भी गड़बड़ी पाई गई तो उनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तीरंदाजी प्रतियोगिता में पदक जीत कर दुमका के साथ झारखण्ड का नाम रौशन किया

नवप्रदेश/दुमका। 25 मार्च से 04 अप्रैल 2026 तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित किये जा रहे तीरंदाजी प्रतियोगिता में एकलव्य तीरंदाजी केंद्र, (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) कमार दुधानी, दुमका के चार प्रतिभाशाली खिलाडी मेघा बेसरा, कृष्णा पिंगुआ, दिनेश मुर्मू, साइमन सोरेन ने भाग लिया है। इस प्रतियोगिता में मेघा बेसरा ने कम्पाउंड व्यक्तिगत स्पर्द्धा में रजत पदक, मिक्स टीम इवेंट में कांस्य पदक और टीम इवेंट में कांस्य पदक जीत कर दुमका के साथ झारखण्ड का नाम रौशन किया है, तथा कृष्णा पिंगवा ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए मिक्स टीम इवेंट स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहा, जिसमें उडए के प्रशिक्षक सुमित कुमार मिश्रा के मेहनत और प्रशिक्षण का अतुलनीय योगदान रहा। इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी तुफान कुमार पोद्दार झारखंड आर्चरी टीम के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए प्रतियोगिता स्थल पर मौजूद रहे, एवं सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कल के प्रतियोगिता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।

प्रमंडलीय आयुक्त ने किया बैठक

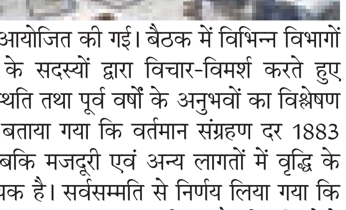

नवप्रदेश/दुमका। प्रमंडलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमंडल, दुमका संजय कुमार की अध्यक्षता में वर्ष 2026 केंदू पत्ती मौसम हेतु संग्रहण दर निर्धारण के लिए केंदू पत्ती सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों द्वारा विचार-विमर्श करते हुए वर्तमान मजदूरी दर, बाजार स्थिति तथा पूर्व वर्षों के अनुभवों का विश्लेषण किया गया। चर्चा के क्रम में बताया गया कि वर्तमान संग्रहण दर 1883 रुपये प्रति मानक बोरा है, जबकि मजदूरी एवं अन्य लागतों में वृद्धि के कारण दर में संशोधन आवश्यक है। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2026 के लिए केंदू पत्ती का संग्रहण दर सरकारी एवं रैयती भूमि दोनों के लिए 2014 रुपये प्रति मानक बोरा निर्धारित किया जाए। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि इस निर्णय से संग्रहकताओं की आय में वृद्धि होगी तथा क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर सुदृढ़ होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-1, विशेष शिविर - छठा दिवस सफलतापूर्वक संपन्न

नवप्रदेश/गिरिडीह,– राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई–1 द्वारा आयोजित विशेष शिविर के छठे दिन विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक सत्रों का सफल आयोजन किया गया। दिन के प्रथम सत्र की शुरूआत प्रात: योगाभ्यास के साथ हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझा। द्वितीय सत्र में पारंपरिक खेल का आयोजन किया गया, जिससे स्वयंसेवकों में टीम भावना, आपसी सहयोग एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी। तृतीय सत्र में विशेष शिविर फीडबैक सत्र एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपने अनुभव साझा किए तथा विभिन्न सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत के साथ किया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह एवं राष्ट्रसेवा की भावना का संचार हुआ। आज के मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. डी. के. वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह युवाओं के व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को समझने का एक सशक्त माध्यम है। ऐसे शिविरों के माध्यम से स्वयंसेवकों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना का विकास होता है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज के प्रति सजग एवं सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में सभी स्वयंसेवकों एवं आयोजकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

24 घंटे के अखंड रामचरितमानस पाठ का भव्य आयोजन

नवप्रदेश/दुमका। बरगंडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में नए सत्रारंभ के अवसर पर बुधवार को 24 घंटे के अखंड रामचरितमानस पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इससे पूर्व 31 मार्च 2026 को विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह करीब 10 बजे दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद अखंड पाठ प्रारंभ हुआ, जो लगातार 24 घंटे तक चलेगा। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य, दीदी जी एवं समस्त कर्मचारियों में विशेष उत्साह देखा गया।

प्रधानाचार्य आनंद कमल ने विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह परंपरा आध्यात्मिक वातावरण के साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। कार्यक्रम में सभी की सक्रिय भागीदारी रही।

कालीबाड़ी चौक गिरीडीह में भीषण आग, छत का स्टोर रूम जलकर खाक

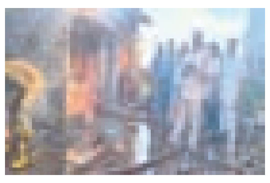

नवप्रदेश/गिरिडीह के कालीबाड़ी चौक स्थित एक चार मंजिला मकान की छत पर बने स्टोर रूम में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा–तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरा स्टोर रूम धुएं और लपटों से घिर गया। मकान मालिक पशुपतिनाथ टिबड़ेवाल के अनुसार, स्टोर रूम में घर और दुकान का कबाड़ सामान रखा हुआ था। पड़ोसियों की सूचना पर जब वे छत पर पहुंचे, तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी।

परिजनों ने पहले खुद आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहने पर अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन स्टोर में रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया।

अन्तराष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा शहर के श्याम भवन में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया

नवप्रदेश/गिरिडीह। मुख्य अतिथि के रूप में अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के प्रांत कार्यसमिति सदस्य अश्विनी भदानी, एडवोकेट फोरम के प्रांत उपाध्यक्ष नित्यानन्द प्रसाद जी, धनबाद विभागाध्यक्ष रविशंकर पांडेय जी, मंत्री उदय सिंह जी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामजन्मोत्सव में शौर्य का प्रदर्शन करने वाली ओजश्वीनी बहनो को पुरस्कृत भी किया गया। साथ ही सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। माँ भवानी अखाड़ा समिति झरियागादी की बहनो द्वारा शौर्य का प्रदर्शन भी किया गया।

चन्दन वर्मा को राष्ट्रीय बजरंग दल का सदर प्रखंड के अध्यक्ष पद पर, रोचित अग्रवाल को जिला एडवोकेट फोरम के सदस्य के रूप में वही कमल गिरी, पीयूष कुमार, शुभम जी को राष्ट्रीय बजरंग दल जिला कार्यसमिति सदस्य, नीतू शोला जी को राष्ट्रीय महिला परिषद के सदस्य के रूप में, पलक सिन्हा को ओजश्वीनी की जिला उपाध्यक्ष के रुप में घोषणा की गई।

मौके पर राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष गौरव कुमार अंशु, महामंत्री पंकज पांडेय जी, उपाध्यक्ष सुजीत सिंह, पंकज कंधवे, हिन्दू हेल्पलाइन के जिला अध्यक्ष राम गुप्ता, महामंत्री बसन्त सिंह, राष्ट्रीय मजदूर परिषद की अध्यक्ष अजय देव, महामंत्री डब्लू रवानी, मंत्री रपन गुप्ता, ॐ श्री परिवार के जिला अध्यक्ष रौनक मिश्रा, राष्ट्रीय महिला परिषद की जिला अध्यक्ष पूनम सिन्हा, ओजश्वीनी की जिला उपाध्यक्ष काजल सिन्हा, उदय चन्द्रवंशी, हर्ष झा, रुद्र, आदित्य सिंह, रोहित केशरी मोजूद थे। मंच संचालन शुभम झा द्वारा किया गया, अध्यक्षता महामंत्री पंकज पांडेय द्वारा किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव का 3 दिवसीय महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न

नवप्रदेश/गिरिडीह। श्री महावीर कुटिया मंदिर सेवा समिति द्वारा भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री महावीर कुटिया मंदिर सेवा समिति द्वारा पावन अवसर हनुमान जन्मोत्सव पर आयोजित 3 दिवसीय धार्मिक इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने भाग लेकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

महोत्सव के प्रथम दिवस पर 7 आचार्यों द्वारा 24 घंटे अखंड हनुमान चालीसा पाठ किया गया, जिससे मंदिर परिसर पूर्णतः भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात हवन का आयोजन किया गया तथा ब्राह्मण भोजन कराकर पुण्य लाभ प्राप्त किया गया। वंही द्वितीय दिवस पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

तथा कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रातः 31 किलो दूध से बालाजी महाराज का अभिषेक किया गया, जिसमें भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से भाग लिया। इसके पश्चात सुबह सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसका वाचन सुनील केडिया द्वारा किया गया तथा दीपक (पप्पू) झुनझुनवाला द्वारा ज्योत प्रज्वलित की गई। वंही मौके पर दोपहर में आयोजित बालाजी महाराज की रसोई (भंडारा) में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सैकड़ों भक्तों ने भंडारे का प्रसाद लिया और आयोजन की सराहना की। इसके साथ ही शाम 4:00 बजे से 7:00 बजे तक सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया, जिसमें भक्तों ने एक स्वर में हनुमान जी की स्तुति कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में फंटा जालान, मित्तू खंडेलवाल, कपु गोयनका, अमित अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल, मुस्कान बसाईवाला, प्रमोद बसाईवाला, बदामी झुनझुनवाला, पप्पू झुनझुनवाला, नीलकमल भरतिया सहित अनेक श्रद्धालु एवं सेवाभावी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

इस मौके पर समिति के पदाधिकारीयों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिकता, एकता एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश सिन्हा द्वारा जेएसएलपीएस अंतर्गत संचालित समाज लाहा फार्मर प्रोड्यूसर ग्रुप का उद्घाटन किया

नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के रानीश्वर में FPO का शुभारंभ। विकास पदाधिकारी राजेश सिन्हा द्वारा जेएसएलपीएस अंतर्गत संचालित 10' FPO (समाज लाहा फार्मर प्रोड्यूसर ग्रुप) का उद्घाटन फीता काट के किया गया ' इस फार्मर प्रोड्यूसर ग्रुप में अभी तक कुल 1500 किसान मेंबर जुड़ चुके हैं '

इसमें जुड़ने के लिए 100 सदस्यता शुल्क और व्यवसाय के लिए 1000 शेयर मनी का प्रावधान है ' प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा एफपीओ के बेहतर कार्य करने पर जोर दिया गया ' उनके द्वारा बताया गया की कैसे किसान इसके माध्यम से बिचौलिए से बचे और किसान को कैसे उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य मिल सके '

इसके पश्चात प्रखंड विकास पदाधिकारी महोदय के द्वारा कुमीदाहां पंचायत अंतर्गत संचालित इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के तहत लेयर बर्ड यूनिट का विजिट किया गया ' यहाँ इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर योजना के तहत कुल 100 पीस BV 300 ब्रीड का मुर्गी का चूजा अनहेला बागती नामक लाभूक को मिला है ' यह मुख्यत अंडा उत्पादन करने वाली प्रजाति है और प्रतिदिन एक मुर्गी एक अंडा देने की क्षमता रखती है '

प्रखंड विकास पदाधिकारी महोदय ने लाभूक को बेहतर रख रखाव करने और इससे मैक्सिमम लाभ लेने के बारे मे बताया ' इस अवसर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, जेएसएलपीएस के जिला आवजीविका प्रबंधक दिवाकर मण्डल, प्रणव प्रियदर्शी, भोलानाथ गुप्ता, कृपाल झा,सुरेंद्र हासदा, रविलाल, श्याम, चन्द्रवाती, गुलाब, मोहन,अमेली उत्तम, देबाशीष इत्यादि उपस्थित थे '

एक नजर

झारखंड विधानसभा की युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास समिति के सभापति बने सविता महतो

नवप्रदेश/ईचागढ़ – झारखंड विधानसभा सचिवालय द्वारा अधिसूचना जारी कर वर्ष 2026–27 के लिए युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास समिति का गठन कर दिया गया है। यह गठन विधानसभा के नियम–223(1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है। अधिसूचना के अनुसार, समिति की सभापति के रूप में श्रीमती सविता महतो को नियुक्त किया गया है। वहीं समिति के अन्य सदस्यों में कुमार जय मंगल (अनूप सिंह), प्रदीप प्रसाद, रागिनी सिंह तथा निसात आलम शामिल हैं। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि समिति का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से एक वर्ष तक या समिति के पुनर्गठन तक (जो भी पहले हो) प्रभावी रहेगा। मालूम हो कि 2025–26 में भी विधायक सविता महतो युवा कल्याण, संस्कृति एवं पर्यटन विकास समिति के सभापति थे। उक्त बात की जानकारी विधायक सविता महतो के आप्त सचिव काबलू महतो ने दी।

रघुनाथपुर वन विश्रामागार के समीप शराब दुकान खोलने का महिलाओं ने किया जोरदार विरोध

नवप्रदेश/चांडिल: नीमडीह थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर - नीमडीह सड़क पर वन विश्रामागार के पास अनुज्ञप्ति प्रदत्त शराब की कमपोजिट दुकान खोलने का स्थानीय महिलाओं ने जोरदार विरोध किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि शराब दुकान पर शराब खरीद कर बस्ती के आसपास पीने के बाद शराबियों द्वारा अश्लील भाषा का प्रयोग किया जाता है। जिससे बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। महिलाओं ने कहा कि तीन महीने पहले जनबहुल क्षेत्र से शराब दुकान को स्थानांतरण के लिए उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग सरायकेला-खरसावां ,नीमडीह के अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी को लिखित आवेदन दिया गया था। अंचल अधिकारी ने स्थल जांच के बाद आश्वासन दिया था कि तीन महीने के बाद शराब दुकान को अन्य जगह पर स्थानांतरण कराया जायेगा। लेकिन तीन महीने बाद फिर से दुकान खोला जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि अन्य दुकान खोला जाय हमें कोई विरोध नहीं है। इस मौके पर नीमडीह पुलिस आकर महिलाओं को समझाने का प्रयास किया। लेकिन वे लोग शराब दुकान खोलने के विरोध में डटे रहें।

विस्थापितों के पुनर्वास हक के लिए संघर्ष जारी रहेगा - विमुवा

नवप्रदेश/चांडिल: नौका विहार स्थल पर विस्थापित मुक्ति वाहिनी द्वारा आयोजित बैठक में सुवर्णरेखा परियोजना द्वारा पुनर्वास हक को शिथिल करने की मनोवृति का विरोध किया गया। ज्ञात हो कि गत दिनों चांडिल बांध में पर्यटन का अधिकार गैर विस्थापित एजेंसी को सौंप दिया गया है। भारत सरकार पर्यटन क्षेत्र को सरकारी खर्चे पर विकसित कर उसे कॉर्पोरेट - खासतौर पर गुजरात के कुछ चुनिंदे व्यापारियों के हवाले कर देने की योजना पर कार्यरत है।इसी उद्देश्य से 'स्वदेश दर्शन:2.0' नाम की एक एजेंसी पीपीपी मॉडल पर विस्तृत योजना बना रही है। मंगलवार की बैठक में पर्यटन को कॉरपोरेट परस्त बनाने के विरुद्ध संघर्ष का संकल्प लिया गया। 30 अप्रैल 2026 को जयदा शहादत दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के पश्चात एक जत्था पदयात्रा कर चांडिल बांध तक आएगी और अधिकारियों को अपनी लंबित मांगों और भविष्य के इरादों से अवगत कराएगी। कृतज्ञता पैकेज, लिफ्ट इरिगेशन एवं डीप बोरिंग की स्थापना, पुनर्वास स्थलों का सीमांकन और स्टेटस रिपोर्ट, विस्थापित परिवार के बच्चों के लिए मॉडल आवासीय विद्यालय, चांडिल पॉलिटेक्निक में विस्थापित बच्चों के लिए 50% स्थान सुरक्षित रखना, पालना जलाशय योजना को पूरा करना आदि शामिल है। विस्थापितों के पुनर्वास हक को कायम रखना और प्राप्त करने के उद्देश्य से बिरसा मुंडा शहादत दिवस के अवसर पर चांडिल स्थित स्वर्णरेखा परियोजना के कार्यालय के सामने धरना दिया जाएगा। विस्थापित मुक्ति वाहिनी के नेतृत्व में चले पुनर्वास आंदोलन का आगामी वर्ष 2027 में 40 वर्ष पूरा हो जाएगा। आज की बैठक में यह तय किया गया कि पुनर्वास आंदोलन की उपलब्धियां को यादगार बनाने और समाज में संघर्ष और निर्माण की प्रेरणा जगाने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में कहा गया कि जिन अधिकारों को हमने संघर्ष के बल पर हासिल किया है उसे संघर्ष के जरिए ही बचाए जा सकता है। कार्यक्रमों की योजना बनाने के लिए शीघ्र ही कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में श्यामल मार्डी, नारायण गोप, देवेंद्र महतो पंचानन महतो किरण बीर, डोमन बास्के, अकलू धीबर,कालू अंसारी, अरविंद अंजुम, विकास कुमार, पूर्ण चंद्र महतो, दुर्गा चरण रजवाड़, भागीरथ लायक,अंबिका महतो आदि बैठक में शामिल हुए।

चांडिल बस स्टैंड के समीप में गंदगी का अंबार लोगों ने सफाई करने कि किया मांग

नवप्रदेश/चांडिल: भारत को खुले में शौच मुक्त बनाने, हर घर में

शौचालय सुनिश्चित करने और सड़कों व बुनियादी ढांचे को साफ करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया था। भारत सरकार का एक प्रमुख राष्ट्रीय अभियान है, जो महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वहीं चांडिल में सरकार के इस महत्वाकांक्षी अभियान की पोल खुल रही है। प्रशासन इस महत्वाकांक्षी अभियान को धरातल पर किस प्रकार उतार रही है यह देखना है तो चांडिल बाजार का बस स्टैंड का क्षेत्र बेहतर साबित हो सकता है। चांडिल बस स्टैंड के पास सड़क किनारे इन दिनों गंदगी का अंबार लगा है।गंदगी के कारण न सिर्फ चांडिल वातावरण प्रदूषित हो रहा है बल्कि चांडिल की छवि भी धूमिल हो रही है। इस रास्ते गुजरने वाले राहगीर नाक में रूमाल लेकर गुजरने पर विवश हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण चांडिल बाजार में कचड़ा फेंकने के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं है और ना ही इसके लिए कोई सुविधा है। इसके साथ ही कचड़ा उठाव के लिए भी प्रशासन की ओर से किसी प्रकार का व्यवस्था नहीं है। इस कारण मजबूरी में लोग सड़क किनारे ही कचड़ा फेंकते हैं। जिसका नतीजा है कि कई स्थानों में सड़क किनारे कचड़े का अंबार लग गया है। गंदगी फैलने के कारण क्षेत्र में बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। चांडिल बाजार के प्रवेश द्वार पर ही कचड़े का अंबार सरकार लगा रहने से स्वच्छ भारत मिशन की मंशा पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने सरकार से चांडिल बाजार में कचड़ा निस्तारण की व्यवस्था करने की मांग की है। इसके लिए जगह-जगह डस्टबिन लगाने और नियमित रूप से कचड़ा संग्रह करने की मांग की है। वहीं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों ने लोगों से सड़क से दूर कचड़ा फेंकने की अपील किया हैख ताकि चांडिल क्षेत्र साफ-सुथरा और स्वस्थ बना रहे।

संपादकीय

गाने की भाषा पर सख्ती

हाल के वर्षों में मनोरंजन उद्योग, विशेषकर पॉप और रैप संगीत, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जिस तरह की भाषा और विषय-वस्तु को बढ़ावा दे रहा है, वह समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। इसी संदर्भ में दिल्ली हाइकोर्ट द्वारा एक विवादित गीत को सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश केवल एक कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि सामाजिक मर्यादाओं की पुनर्स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। यह मामला यो यो हनी सिंह और बादशाह से जुड़े एक पुराने गीत का है, जिसके बोल अत्यंत अश्लील और महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताए गए। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस प्रकार की सामग्री किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। न्यायालय की यह टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि कला और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूर्णतः निरंकुश नहीं हो सकती; इसके साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। यह पहला अवसर नहीं है जब गानों की भाषा को लेकर विवाद खड़ा हुआ हो। बीते दो दशकों में कई ऐसे गीत सामने आए हैं, जिनमें महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। समस्या केवल एक गीत या कलाकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक प्रवृत्ति बनती जा रही है, जहां लोकप्रियता और व्यावसायिक सफलता के लिए संवेदनशीलता की अनदेखी की जाती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है, क्योंकि अब ऐसे गीतों की पहुंच लाखों-करोड़ों लोगों तक तुरंत हो जाती है। अदालत द्वारा दिए गए आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि ऐसे गीतों में न तो कोई कलात्मक मूल्य है और न ही सामाजिक उपयोगिता। यह टिप्पणी संगीत उद्योग के लिए एक चेतावनी है कि मनोरंजन के नाम पर अश्लीलता और अपमानजनक भाषा को बढ़ावा देना अंततः समाज के नैतिक ढांचे को कमजोर करता है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है, जो इन गानों को न केवल सुनती है बल्कि उनके व्यवहार और सोच में भी इसका असर दिखाई देता है। सवाल यह भी उठता है कि आखिर ऐसे गीतों के निर्माण और प्रसार पर समय रहते नियंत्रण क्यों नहीं लगाया जाता। सेंसरशिप की बहस अपनी जगह है, लेकिन आत्मनियंत्रण और जिम्मेदारी की भावना कहीं अधिक प्रभावी उपाय हो सकती है। कलाकारों, गीतकारों और म्यूजिक कंपनियों को यह समझना होगा कि उनकी रचनाएं केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक प्रभाव का माध्यम भी हैं। अदालत का यह निर्णय एक सकारात्मक संकेत है कि संस्थाएं अब इस दिशा में गंभीर हैं। हालांकि, स्थायी समाधान केवल कानूनी आदेशों से संभव नहीं है। इसके लिए समाज, उद्योग और श्रोताओं–तीनों को मिलकर एक स्वस्थ और सम्मानजनक सांस्कृतिक वातावरण बनाने की दिशा में प्रयास करना होगा। अंततः, यह समय आत्ममंथन का है। कला की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन जब वह समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने लगे, तो सीमाएं तय करना आवश्यक हो जाता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह निर्णय संगीत जगत को अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मुद्दा

पेंशन फंड पर संकट : बैंककर्मियों से अन्याय

डॉ आशुतोष प्रसाद

भारत का बैंकिंग तंत्र केवल आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ ही नहीं, बल्कि लाखों कर्मचारियों और उनके परिवारों के जीवन की सुरक्षा का आधार भी है। ऐसे में यदि यही व्यवस्था अपने ही कर्मचारियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करती दिखाई दे, तो यह केवल चिंताजनक नहीं, बल्कि गहरी पीड़ा और आक्रोश का विषय बन जाता है। हाल के समय में सामने आए आरोपों ने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है—क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने अपने कर्मचारियों के पेंशन फंड का उपयोग एनपीए को छिपाने या संतुलित करने के लिए किया है? यदि यह सत्य है, तो यह न केवल वित्तीय अनियमितता है, बल्कि लाखों सेवानिवृत्त कर्मचारियों के विश्वास के साथ सीधा विश्वासघात भी है। पेंशन फंड किसी भी कर्मचारी के जीवन की उस पूंजी का प्रतिनिधित्व करता है, जो उसने अपने पूरे कार्यकाल में धीरे-धीरे संचित की होती है। यह फंड कर्मचारियों के वेतन से नियमित अंशदान द्वारा निर्मित होता है, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद उनका जीवन सम्मानपूर्वक चल सके, लेकिन यदि इसी फंड का उपयोग बैंकों के बढ़ते एनपीए को समायोजित करने में किया गया हो, तो यह एक गंभीर नैतिक और कानूनी प्रश्न खड़ा करता है। पेंशन फंड का उद्देश्य स्पष्ट है—सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा, न कि संस्थागत विफलताओं की भरपाई। **पेंशन अद्यतन: एक लंबित न्याय**–1997 से अब तक पांच बार वेतन संशोधन हो चुके हैं, लेकिन विडंबना यह है कि इन संशोधनों का लाभ आज तक पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं मिला। एक्चुरियल वेरिफिकेशन जैसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर पेंशन अद्यतन को टालना कहीं न कहीं इस आशंका को बल देता है कि वास्तविक समस्या कुछ और है। यदि फंड में पर्याप्त राशि है, तो अद्यतन में देरी क्यों? और यदि नहीं है, तो वह राशि गई कहाँ? इस पूरे प्रकरण में सबसे अधिक निराशाजनक पहलू है—कर्मचारी संगठनों की चुप्पी। वर्षों तक बैंक बोर्ड में प्रतिनिधित्व रखने वाले संगठनों से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेंगे। लेकिन आज जब पेंशनभोगियों का भविष्य दांव पर है, तब उनकी ओर से स्पष्ट और प्रभावी आवाज का अभाव गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह केवल प्रशासनिक विफलता है, या फिर कहीं गहरे स्तर पर समझौते हुए हैं? यह प्रश्न आज हर बैंक कर्मचारी और पेंशनभोगी के मन में उठ रहा है। जो लोग अपने जीवन के स्वर्णिम वर्ष देश की बैंकिंग सेवा को समर्पित कर चुके हैं, आज वही अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने को विवश हैं। यह केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और नैतिकता का भी प्रश्न है। एक सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने वरिष्ठ नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। यदि उनके अधिकारों की अनदेखी होती है, तो यह पूरे तंत्र की संवेदनहीनता को दर्शाता है। इस पूरे प्रकरण में सबसे पहली आवश्यकता है—स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच। पेंशन फंड के उपयोग की पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। यदि कोई अनियमितता हुई है, तो दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। साथ ही, पेंशन अद्यतन की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनका अधिकार दिया जाना चाहिए। कर्मचारी संगठनों को भी अपनी भूमिका स्पष्ट करनी होगी और अपने सदस्यों के प्रति जवाबदेही निभानी होगी। बैंकिंग प्रणाली विश्वास पर चलती है—ग्राहकों का भी और कर्मचारियों का भी। यदि यह विश्वास टूटता है, तो उसका असर केवल संस्थानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज पर पड़ता है। आज आवश्यकता है कि इस विश्वास को पुनः स्थापित किया जाए—पारदर्शिता, जवाबदेही और न्याय के माध्यम से। क्योंकि पेंशन केवल धन नहीं है—यह एक कर्मचारी के जीवनभर की मेहनत, आशा और सम्मान का प्रतीक है। इसे किसी भी कीमत पर आहत नहीं किया जाना चाहिए।

सर्वोच्च सदन में उठती समान शिक्षा की पुकार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

> समान शिक्षा की आवश्यकता को कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सामाजिक दृष्टि से यह जाति वर्ग और धर्म आधारित विभाजनों को कम कर सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह सभी को समान अवसर प्रदान कर प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है क्योंकि शिक्षित और जागरूक नागरिक ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकते हैं।

भारत का संविधान अपने मूल में एक ऐसे समाज की परिकल्पना करता है जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्राप्त हों और वह अपने सामर्थ्य के अनुरूप विकास कर सके। यह विचार कहना होगा कि एक संवैधानिक संकल्प है जिसे अनुच्छेद 14, 21क और अन्य प्रावधानों के माध्यम से स्थापित किया गया है, किंतु जब हम शिक्षा के क्षेत्र में इस समानता की वास्तविक स्थिति का आकलन करते हैं तब एक जटिल और विरोधाभासी परिदृश्य सामने उभरकर आता है।

वस्तुतः राज्यसभा में दिनेश शर्मा द्वारा उठाया गया प्रश्न इस विरोधाभास को और अधिक स्पष्ट करता है जिसमें उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त संरचनात्मक असमानता की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उनका यह तर्क कि ह्लसंविधान की समानता की भावना के बावजूद शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव मौजूद है !ह्व भले ही ये कहना किसी राजनेता का हो, किंतु यह वक्तव्य भारत की हकीकत है, जोकि आज एक गहन संवैधानिक विमर्श का विषय है।

शिक्षा का मौलिक अधिकार

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। इसके साथ ही अनुच्छेद 21क के अंतर्गत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित किया गया है जिसे 86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 के माध्यम से जोड़ा गया। यह संशोधन इस बात का प्रतीक था कि शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकार किया गया है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 29 और 30 सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की रक्षा करते हैं, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और संचालित करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं। यही वह बिंदु है जहाँ समानता और विशेषाधिकार के बीच संतुलन का प्रश्न उत्पन्न होता है।

राज्यसभा में प्रस्तुत विचारों के अनुसार अल्पसंख्यक संस्थानों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के कुछ प्रावधानों से छूट प्राप्त है जबकि अन्य संस्थानों को इन नियमों का पूर्णतः पालन करना होता है। दिनेश शर्मा ने इस स्थिति को अनुच्छेद 14 के साथ असंगत बताया और यह तर्क दिया कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रकार की संरचनात्मक असमानता उत्पन्न होती है। यहां समझ लें कि यह प्रश्न प्रशासनिक अथवा कानूनी नहीं है, यह उस मूलभूत विचार से जुड़ा है कि क्या राज्य सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखता है?

इस संदर्भ में अल्पसंख्यक संस्थानों को छूट प्रदान कर एक तरह से देश में शिक्षा के व्यावहारिक स्तर पर एक असमान ढाँचे को भी वैधता प्रदान कर दी गई है। देखा जाए तो शिक्षा व्यवस्था में यह असमानता कानूनी प्रावधानों तक सीमित नहीं है, यह संरचनात्मक और व्यावहारिक रूप में भी स्पष्ट दिखाई देती है। भारत में सरकारी विद्यालय, निजी विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और धार्मिक शिक्षण संस्थान इन सभी की गुणवत्ता संसाधन और अवसरों में भारी अंतर है। एक ओर महानगरों के निजी विद्यालय अत्याधुनिक सुविधाओं और वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करते हैं वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का अभाव देखा जा सकता है। इस असमानता का परिणाम यह है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्र एक ही प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेते हैं किंतु उनकी तैयारी और अवसर समान नहीं होते।

बाल अधिकारों की वास्तविक रक्षा

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी अपने विभिन्न प्रतिवेदनों में इस बात पर बल दिया है कि शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में समानता सुनिश्चित किए बिना बाल अधिकारों की वास्तविक रक्षा संभव नहीं है। आयोग की 2018 की एक रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि समान शिक्षा प्रणाली ही सामाजिक न्याय की आधारशिला बन सकती है। वस्तुतः यह कथन इस बात की पुष्टि करता है कि शिक्षा में असमानता सिर्फ शैक्षणिक समस्या तक सीमित नहीं है, यह सामाजिक न्याय का प्रश्न भी है।

भारतीय चिंतन परंपरा में भी शिक्षा को समानता का माध्यम माना गया है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपनी पुस्तक एजुकेशन पॉलिटिक्स एंड वॉर में लिखा है, शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञानार्जन नहीं है, इससे समाज में नैतिक और सामाजिक संतुलन स्थापित करना है। इसी प्रकार महात्मा गांधी ने हरिजन में यह विचार व्यक्त किया कि समान शिक्षा के बिना सच्चा लोकतंत्र संभव नहीं है। इन विचारों से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा को व्यक्तिगत विकास का साधन होने के साथ ही सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी माना गया है।

समान शिक्षा की आवश्यकता को कई स्तरों पर समझा जा सकता है। सामाजिक दृष्टि से यह जाति वर्ग और धर्म आधारित विभाजनों को कम कर सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह सभी को समान अवसर प्रदान कर प्रतिस्पर्धा को निष्पक्ष बना सकती है। राजनीतिक दृष्टि से यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है क्योंकि शिक्षित और जागरूक नागरिक ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ कर सकते हैं। वैचारिक दृष्टि से यह समाज में एकरूपता और समरसता को बढ़ावा दे सकती है। यह भी सच है कि समान शिक्षा लागू करने में अनेक चुनौतियाँ भी हैं। क्योंकि भारत की विशाल जनसंख्या भाषाई और सांस्कृतिक विविधता राज्यों के अधिकार और निजी क्षेत्र की भूमिका ये सभी कारक इस प्रक्रिया को जटिल बनाते हैं। अतः समाधान का मार्ग संतुलन में निहित है जहाँ समानता और विविधता दोनों का सम्मान किया जाए।

वर्तमान समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने का प्रयास किया है। इस नीति में समानता, समावेशन और गुणवत्ता पर विशेष बल दिया गया है। नीति के अंतर्गत स्कूल कॉम्प्लेक्स की अवधारणा बहुभाषी शिक्षा और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से शिक्षा के लोकतंत्रीकरण की बात की गई है, किंतु इन नीतिगत प्रयासों के बावजूद जमीनी स्तर पर असमानता अभी भी बनी हुई है जिसका मुख्य कारण क्रियान्वयन की चुनौतियाँ और संस्थागत विविधता है।

न्यूनतम गुणवत्ता मानक का निर्धारण

इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले सभी शिक्षण संस्थानों के लिए न्यूनतम गुणवत्ता मानक निर्धारित किए जाएँ जिनका पालन अनिवार्य हो। दूसरा शिक्षा का अधिकार अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर सभी संस्थानों के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। तीसरा शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया जाए ताकि संसाधनों का न्यायसंगत वितरण हो सके। चौथा संसद और नीति निमार्ताओं को इस विषय पर सर्वसम्मति से निर्णय लेना चाहिए ताकि शिक्षा को राजनीतिक विवादों से ऊपर उठाया जा सके।

अतः यहां कहने का तात्पर्य यही है क हम सभी यह स्वीकारें कि समान शिक्षा एक नीतिगत लक्ष्य न होकर देश हित में एक नैतिक आवश्यकता है। जब तक भारत के प्रत्येक बच्चे को समान गुणवत्ता की शिक्षा नहीं मिलेगी तब तक संविधान में निहित समानता का स्वप्न अधूरा ही रहेगा। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी है कि शिक्षा वह शस्त्र है जिससे हम समाज को बदल सकते हैं। कहना होगा क यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता के समय था, इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त असमानताओं को दूर करने के लिए गंभीर और समन्वित प्रयास किए जाएँ। राज्यसभा में उठी यह बहस एक अवसर है, एक ऐसे भारत के निर्माण का जहाँ शिक्षा वास्तव में समान हो और हर नागरिक को अपने सपनों को साकार करने का समान अवसर प्राप्त हो सके। हम उम्मीद करें कि केंद्र एवं राज्य सरकारें इस विषय पर गंभीरता से विचार करेंगी।

भक्त शिरोमणि रामदूत हनुमान

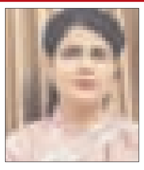

डॉ रीना रवि मालपानी

> भक्त शिरोमणि हनुमान भगवान और भक्ति सबकुछ प्रदान करने का सामर्थ्य रखते हैं। संसार के प्रत्येक दुर्गम कार्य को सुगमता से करने की क्षमता हनुमानजी में है। श्रीराम दूत के सम्बोधन से तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं और भक्त पर अपनी विशेष कृपा करते हैं।

राम नाम के अनन्य प्रेमी भक्त शिरोमणि अंजनीसुत हनुमानजी की महिमा से भला कौन परिचित नहीं है। रामायण की कल्पना रामदूत हनुमान के बिना नहीं की जा सकती। भक्त और भक्ति की उत्कृष्टता को सिद्ध करने वाले हनुमानजी की लीला न्यारी है। श्रीराम दूत हनुमान भक्ति की उच्च पराकाष्ठा को सिद्ध करते हैं, इसी कारण श्रीराम भी सदैव उनके साथ ही अपनी पूर्णता को प्रदर्शित करते हैं इसीलिए उन्हें भक्त शिरोमणि की भी संज्ञा दी गई है। रामायण में हनुमानजी का नहीं श्रीराम दूत के नवीन रूप का अवतरण हुआ, जो हमें यह सिखाता है कि हम अपनी सेवा, भक्ति, कर्मों एवं प्रयासों से नवीन स्वरूप में संसार के समक्ष प्रत्यक्ष हो सकते हैं। महादेव के अंश रुद्रावतार ने श्रीराम के प्रति अनन्य भक्ति एवं प्रेम को हृदय में विराजमान किया। महादेव को भोलेनाथ कहा जाता है, यही गुण उनके रुद्रावतार हनुमानजी के स्वभाव में परिलक्षित होता है। वे भी प्रभु श्रीराम की प्रसन्नता के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर धारण करते हैं।

जहाँ धन, पद और यश के लालच में व्यक्ति अपना सुख-चैन, सर्वस्व त्याग देता है, वहीं हनुमानजी ने प्रभु श्रीराम के आग्रह पर उनके चरणपद ही माँग लिए और बाकी सबका सहज त्याग कर दिया।

हनुमानजी की अनूठी विशेषता उनका अहंकार शून्य होना भी है। हनुमानजी की प्रतिभा संपन्नता तो हमें बाल्य रूप से ही दिखाई देने लगती है। भूख लगने पर सूर्य को फल समझ कर खा लेना, उनकी अद्भुत शक्ति संपन्नता को प्रदर्शित करता है परंतु अपने सम्बोधन में वे रामदूत के उच्चारण को ही प्राथमिकता देते हैं। हनुमानजी में यदि सेवाभाव एवं पूर्ण समर्पण था तो श्रीराम भी हनुमान के प्रति आदर और सम्मान का भाव रखते थे। ज्ञानियों में अग्रगण्य हनुमानजी की एक और विलक्षण विशेषता यह है कि वे अपना परिचय सदैव श्रीराम के दूत के रूप में देते हैं।

हनुमानजी इतने बुद्धिमान हैं कि उन्हें ज्ञात है कि कब उन्हें लघु रूप धारण करना है और कब वृहद रूप धारण करके श्रीराम के कार्यो को शीघ्रता से सम्पन्न करना है। हमें सदैव अपने कार्य के प्रति उत्साह का भाव दिखाना चाहिए। जब श्रीराम के कार्य को पूरा करने के लिए हनुमान समुद्र पार करने गए तो वे अत्यंत उत्साहित थे और लक्ष्य के प्रति दृढ़निष्ठ थे। जब मैनाक पर्वत ने उन्हें रुकने को कहा तो उन्होंने कहा मुझे शीघ्रता से माता सीता का पता लगाना है और तत्परता से श्रीराम का कार्य करना है। कार्यों को प्राथमिकता देना भी हमें हनुमानजी से सीखना चाहिए। श्रीराम दूत हनुमान के जीवन में भक्ति और शक्ति का अनूठा समन्वय दृष्टिगोचर होता है। रामायण का प्रत्येक चरित्र अद्भुत है परंतु रामायण के प्रत्येक महत्वपूर्ण कार्य को पूर्णता हनुमानजी ने दी। समुद्र लाँघना हो, माता सीता का पता लगाना हो, लंका दहन करना हो या लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा करनी हो, यह सभी कार्य हनुमानजी के द्वारा पूर्णता को प्राप्त हुए; फिर भी वे प्रत्येक कार्य की सफलता का श्रेय श्रीराम को देते हैं। हनुमानजी के गुण स्वरूप कार्यों एवं आदर्शों के अनुरूप ही उनके बारह नाम है, जो मनुष्य को अदम्य साहस और ऊर्जा प्रदान करते हैं। हनुमान, अंजनीसुत, वायुपुत्र, महाबल, रामेष्ठ, फाल्गुनसखा, पिङ्गाक्ष, अमितविक्रम, सीताशोकविनाशन, लक्ष्मण प्राणदाता, दशग्रीवदर्पहा इन सभी नामों को स्मरण करने से जीवन के पाप और संताप नष्ट होते हैं। कलयुग में हनुमान चालीसा और सुंदरकाण्ड तो हनुमानजी की कृपा प्राप्ति के लिए भक्तो के अमोघ शस्त्र है। हनुमान चालीसा की उत्कृष्टता तो इस बात में निहित है कि स्वयं गौरी के ईश महादेव उसके साक्षी बनते हैं। हनुमान चालीसा भी हममें अदम्य शक्ति, साहस, भक्ति एवं ऊर्जा का अंकुरण करती है। श्रीरामकथा श्रवण के प्रेमी हनुमानजी सदैव श्रीराम के नाम स्वरूप एवं गुणों का दर्शन करते हैं। यदि हम जीवन के उपवन में भक्ति एवं प्रसन्नता के प्रसून को पल्लवित और पुष्पित करना चाहते है तो असाध्य कार्य को भी साध्य करने वाले रामभक्त हनुमान की शरण ग्रहण कर लेना चाहिए। अद्वितीय भक्ति की प्रतीक माता सीता ने उन्हें अष्ट सिद्धि और नव निधि का आशीष दिया है। हनुमानजी की विलक्षण लीला हमें शिक्षा देती है कि व्यक्ति के जीवन में कर्म ही प्रधान होते हैं। उन्हीं कर्मो की वजह से हनुमानजी श्रीराम को भरत एवं लक्ष्मण के समान प्रिय हुए। हनुमानजी की आत्मा की सुंदरता तो माता जानकी और श्रीराम के उनके हृदय में विराजमान होने से है।

भक्त शिरोमणि हनुमान भगवान और भक्ति सबकुछ प्रदान करने का सामर्थ्य रखते हैं। संसार के प्रत्येक दुर्गम कार्य को सुगमता से करने की क्षमता हनुमानजी में है। श्रीराम दूत के सम्बोधन से तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं और भक्त पर अपनी विशेष कृपा करते हैं। स्वयं उत्तम चरित्र से शोभायमान हनुमानजी हमेशा श्रीराम के चरित्र को सुनने के लिए लालायित रहते हैं। समस्त सद्गुणों के स्वामी हनुमानजी संकट मोचक हैं। हनुमान जन्मोत्सव जैसे उत्सव हममें भक्ति की अनूठी ऊर्जा का संचार करते हैं। अक्सर सांसरिक मोहमाया से भगवान की स्मृति खो देते हैं, परंतु प्रत्येक उत्सव हममें भगवान की स्मृति को जीवंत करता है। महाभारत में जब कुंती ने श्रीकृष्ण से दु:ख मांगा तब श्रीकृष्ण ने कहा कि आपका पूरा जीवन अथक संघर्षों में व्यतीत हुआ इसके पश्चात भी आप दु:ख माँग रही है। तब उन्होंने गोविंद को उत्तर दिया कि दु:ख में सदैव आपकी स्मृति बनी रहती है। इसी प्रकार यह छोटे-छोटे उत्सव हमें भगवान के नाम रूपी बैंक में निवेश करने को प्रेरित करते है, जो मनुष्य योनि की सच्ची कमाई है। तो आइये उन्हीं श्रेष्ठ भक्त शिरोमणि हनुमानजी के जन्मोत्सव को पूर्ण हर्षोल्लास से मनाएं। भक्ति में भाव की प्रधानता होती है। प्रभु कभी भी पूजा के मापदंड एवं भक्ति के क्रियाकलाप नहीं देखते। राम कीर्तन भी हनुमानजी को अत्यंत प्रिय है। चारों युग में अपनी कीर्ति को प्रतिष्ठित करने वाले हनुमानजी कलयुग में रामकथा होने पर यत्र-तत्र विराजमान होते हैं, तो हम श्रीराम नाम के उद्घोष के साथ सहज ही रामभक्त हनुमान की कृपा को प्राप्त कर सकते हैं।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

धर्म, अंधविश्वास और अपराधः जिम्मेदारी तय करने का समय

डॉ. सत्यवान सौरभ

> धर्म का मूल उद्देश्य मानवता, नैतिकता और सदाचार को बढ़ावा देना है। यदि कोई व्यक्ति धर्म के नाम पर इन मूल्यों का उल्लंघन करता है तो वह न केवल कानून का अपराधी है बल्कि धर्म का भी अपमान करता है। ऐसे लोगों को पहचानना, उनके खिलाफ आवाज उठाना और उन्हें कानून के दायरे में लाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

भारतीय समाज में धर्म और आस्था की जड़ें अत्यंत गहरी हैं। सदियों से लोग अपने जीवन के सुख-दुख, समस्याओं और अनिश्चितताओं के समाधान के लिए धार्मिक व्यक्तियों, गुरुओं और ज्योतिषियों की शरण में जाते रहे हैं। आस्था अपने आप में एक निजी और सम्मानजनक विषय है लेकिन जब इसी आस्था का दुरुपयोग करके अपराधों को अंजाम दिया जाता है तो यह केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे समाज का संकट बन जाता है। हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहाँ स्वयंभू बाबा, साधु या ज्योतिषी अपने कृत्यों को धार्मिक प्रक्रिया या आध्यात्मिक उपचार का नाम देकर महिलाओं के साथ शोषण, ठगी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देते पाए गए हैं। इन घटनाओं ने न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि समाज की सोच और जागरूकता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाया है।

सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी प्रकार का यौन शोषण या बलात्कार, चाहे किसी भी नाम या बहाने से किया जाए, जघन्य अपराध है। धार्मिक विधि, उपचार या आध्यात्मिक क्रिया जैसे शब्दों का प्रयोग करके ऐसे कृत्यों को सही ठहराना न केवल नैतिक रूप से गलत है बल्कि कानून की दृष्टि में पूरी तरह अस्वीकार्य है। यह एक सुनियोजित तरीका होता है, जिसके माध्यम से अपराधी अपने प्रभाव, पद और लोगों की आस्था का लाभ उठाकर उन्हें भ्रमित करता है। यहाँ एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है-क्या केवल अपराधी ही दोषी है या पीड़ित और उसका परिवार भी किसी हद तक जिम्मेदार हैं? यह सवाल समाज में अक्सर उठाया जाता है और कई बार लोग पीड़ितों पर ही उंगली उठाने लगते हैं। लेकिन यह दृष्टिकोण न केवल संवेदनहीन है बल्कि समस्या के मूल कारणों को समझने में भी बाधा बनता है। कई मामलों में देखा गया है कि ऐसे तथाकथित धार्मिक व्यक्ति पहले लोगों का विश्वास जीतते हैं। वे खुद को चमत्कारी शक्तियों से युक्त बताते हैं, समस्याओं का त्वरित समाधान देने का दावा करते हैं और धीरे-धीरे अपने अनुयायियों पर मानसिक और भावनात्मक नियंत्रण स्थापित कर लेते हैं। इस प्रक्रिया में वे पीड़ितों को इस हद तक प्रभावित कर देते हैं कि वे सही और गलत के बीच अंतर करने में असमर्थ हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई महिला विरोध नहीं करती तो इसे सहमति मान लेना गंभीर भूल होगी। इसके अलावा, सामाजिक दबाव, शर्म और बदनामी का डर भी एक बड़ा कारण होता है, जिसके चलते पीड़ित खुलकर सामने नहीं आ पाते। हमारे समाज में आज भी यौन अपराधों को लेकर पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति मौजूद है। ऐसे में कई महिलाएँ चुप रहना बेहतर समझती हैं। यह चुप्पी अपराधियों के लिए एक ढाल बन जाती है और वे अपने कृत्यों को बार-बार दोहराते रहते हैं। परिवार की भूमिका को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह सच है कि अगर परिवार अपने सदस्यों के प्रति अधिक सतर्क और जागरूक हो तो कुछ हद तक ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि हर व्यक्ति, विशेषकर वयस्क, अपने निर्णय स्वयं लेने का अधिकार रखता है। कई बार ये मुलाकातें परिवार की जानकारी के बिना होती हैं और कई बार परिवार भी उसी अंधविश्वास का हिस्सा बन चुका होता है। इसलिए केवल परिवार को दोषी ठहराना भी एक सरलीकृत और अधूरा दृष्टिकोण होगा।

अब सवाल उठता है कि क्या देश में मौजूद सभी बाबा और ज्योतिषी ऐसे ही हैं? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से नहीं है। हर पेशे में अच्छे और बुरे लोग होते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब कुछ लोगों के कृत्य पूरे वर्ग की विश्वसनीयता को प्रभावित करने लगते हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

यह भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि क्या इन तथाकथित धार्मिक और ज्योतिषीय गतिविधियों से समाज को वास्तविक लाभ मिल रहा है या नहीं। इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि किसी व्यवस्था में बार-बार ठगी, शोषण और अपराध के मामले सामने आते हैं तो यह संकेत है कि उस व्यवस्था में कहीं न कहीं गहरी खामी है। ऐसे में सरकार और संबंधित संस्थाओं को चाहिए कि वे इस क्षेत्र का अध्ययन करें, आंकड़े एकत्र करें और यह मूल्यांकन करें कि समाज को इससे कितना लाभ और कितना नुकसान हो रहा है। साथ ही, कानून का सख्ती से पालन भी अत्यंत आवश्यक है।

जो लोग धर्म या आस्था का सहारा लेकर अपराध करते हैं, उनके खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह कार्रवाई केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश देने के लिए होनी चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है- चाहे वह कितना ही प्रभावशाली या पूजनीय क्यों न माना जाता हो। लेकिन केवल कानून ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकता। सबसे महत्वपूर्ण भूमिका समाज और आम जनता की है। जब तक लोग बिना सवाल किए, बिना तर्क के किसी भी व्यक्ति पर विश्वास करते रहेंगे, तब तक ऐसे लोग पनपते रहेंगे। शिक्षा और जागरूकता इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान हैं। लोगों को यह समझना होगा कि आस्था और अंधविश्वास में अंतर होता है। आस्था व्यक्तिगत होती है, जबकि अंधविश्वास वह होता है जिसमें व्यक्ति तर्क और विवेक को छोड़ देता है। हमें अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और प्रश्न पूछने की आदत सिखानी होगी। यदि कोई व्यक्ति किसी धार्मिक प्रक्रिया के नाम पर आपसे कुछ ऐसा करने को कहता है जो असामान्य, असहज या निजी सीमा का उल्लंघन करता हो तो उस पर तुरंत सवाल उठाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर कानून की मदद लेनी चाहिए। मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। मीडिया को चाहिए कि वह ऐसे मामलों को जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करे, न कि सनसनीखेज तरीके से। साथ ही, समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सकारात्मक और शिक्षाप्रद सामग्री को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंततः, यह सामूहिक जिम्मेदारी है। अपराधी को सजा दिलाना जरूरी है लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है ऐसे माहौल का निर्माण करना, जहाँ अपराध पनप ही न सके। इसके लिए कानून, समाज, परिवार और व्यक्ति- सभी को अपनी-अपनी भूमिका निभानी होगी।

धर्म का मूल उद्देश्य मानवता, नैतिकता और सदाचार को बढ़ावा देना है। यदि कोई व्यक्ति धर्म के नाम पर इन मूल्यों का उल्लंघन करता है तो वह न केवल कानून का अपराधी है बल्कि धर्म का भी अपमान करता है। ऐसे लोगों को पहचानना, उनके खिलाफ आवाज उठाना और उन्हें कानून के दायरे में लाना हम सभी की जिम्मेदारी है। समय आ गया है कि हम आस्था और अंधविश्वास के बीच स्पष्ट रेखा खींचें। यह समझें कि हर वह व्यक्ति जो धार्मिक भाषा बोलता है, वह धार्मिक नहीं होता। सबसे महत्वपूर्ण- किसी भी परिस्थिति में अपराध को धर्म का नाम देकर स्वीकार नहीं किया जा सकता। अगर समाज इस मूलभूत सत्य को समझ ले तो न केवल ऐसे अपराधों में कमी आएगी बल्कि एक अधिक जागरूक, सुरक्षित और न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना भी संभव हो सकेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दस साल में दस लाख से अधिक गरीबों को मदद कर गढ़वा जिले को गौरवान्वित किया है शौकत खान ने

नवप्रदेश/पलामू। गढ़वा जिले के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि आज ही के दिन 1991 में गढ़वा जिले कि स्थापना हुआ था जो गढ़वा जिले के लिए गौरव का पल है और गढ़वा जिले के बहुत सारे नागरिकों ने गढ़वा जिले को सर्वश्रेष्ठ बनाने में अनेक छेत्रो में सराहनीय योगदान देकर जिले को गौरवान्वित किया है उसी में से गढ़वा जिले से समाजसेवा के छेत्र अनेक उल्लेखनीय योगदान देकर गढ़वा जिले और झारखंड के शान कहे जाने वाले तिरंगा वाले शौकत भाई जान के निस्वार्थ सेवा कार्यों से गढ़वा जिले को चमकाकर रख दिया है ! समाजसेवी शौकत खान ने भारतीय सेना और शहीदों के सम्मान में हर घर तिरंगा के तहत 12 वर्षों में अब तक तीन लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेटकर और अपने निःशुल्क कपड़ा बैंक से दस साल में दस लाख से अधिक गरीब असहाय जरुरतमंद लोगों को मदद करके झारखंड के आईकॉन बन चुके हैं ! जिसके लिए तिरंगा वाले शौकत खान को झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार जी ने आइकॉन ऑफ झारखंड सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं और गढ़वा जिला प्रशासन, गढ़वा पुलिस प्रशासन, गढ़वा सीआरपीएफ 172 बटालियन, समेत गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर के साथ कई बार सम्मानित हो चुके हैं

इसके साथ साथ कई फिल्मी हस्तियों ने भी शौकत खान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कर चुके हैं जिसमें से खास है हिन्दी फिल्म कि मसहुर अभिनेत्री और सांसद जया प्रदा, भुमिका चावल, आंचल मुंजाल, महिमा चौधरी, और नदियां के पार कि अभिनेत्री साधना सिंह ने सम्मानित किया है इसके साथ साथ जिला प्रशासन गढ़वा ने शौकत खान को स्वच्छ भारत मिशन नगर परिषद के ब्रांड एंबेसडर और स्वास्थ विभाग गढ़वा के ब्रांड एंबेसडर भी बना चुके हैं !

बताते चलें कि समाजसेवी शौकत खान गरीब असहाय जरुरतमंद लोगों को प्रतिदिन मदद करते हैं अपने गरीबों का अनेक निशुल्क बैंक गढ़वा के माध्यम से शौकत खान ने सबसे पहले 15 नवंबर 2015 को गरीबों के लिए निशुल्क कपड़ा बैंक का भव्य शुभारंभ गढ़वा के कचहरी रोड़ में किया जो भारत का पहला निशुल्क कपड़ा बैंक था शौकत खान कि इस अनोखे सोच को लोग सराहना करने लगे वहीं गरीब असहाय जरुरतमंद लोगों की प्रतिदिन सैकड़ों में भीड़ लगने लगी शौकत ने जरुरतमंदो कि भीड़ देखकर घबराए नहीं बल्कि उनके चेहरे पर खुशियों कि चमक झलकने लगी और शौकत खान ने कहा कि आज मेरा सपना साकार होते दिखने लगा है क्योंकि सैकड़ों लोगों कि चेहरे पर मुस्कान ले आया है हमारा कपड़ा बैंक और अब गरीब लोग भी अच्छे अच्छे कपड़े पहनकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस करने लगे हैं ! जब भीड़ सैकड़ों से बढ़कर हजारों में होने लगी तो आई कपड़ों कि संकट तो शौकत खान निकल चुके हर स्कूल कॉलेज और आम नागरिकों के बिच और करने लगे उनसे आग्रह कि आपके घरों में अगर बेकार कि कपड़े पड़े हुए हैं तो ऐसे कपड़ों को हमारे कपड़ा बैंक में डोनेट करें जहां से गरीबों को सहयोग किया जा सके देखते देखते लोग शौकत खान के मुहिम में जुड़ने लगे और कपड़ा आना शुरू हो गया और जरुरतमंद लोगों कि भीड़ भी लगातार उमड़ती रही और आज गरीबों के मसीहा बनें शौकत खान दस लाख से अधिक गरीबों को मदद कर देश भर के लिए आइकॉन बन चुके हैं ! और इनका कपड़ा बैंक देखने और कपड़ा बैंक डोनेट करने देश और विदेश से भी लोग आ चुके हैं और अब तक हजारों लोगों ने शौकत के कपड़ा बैंक में अपना जन्मदिन और शादी कि वर्षगांठ समेत अपने परिजनों का पुन्यतिथि मना चुके हैं !

अपने इस ऐतिहासिक सेवा कार्यों से उत्साहित होकर शौकत खान ने निशुल्क सत्तू बैंक कि शुभारंभ किया और अब तक तीन लाख से अधिक राहगीरों को सत्तू का जूस पिलाकर मानवता कि मिसाल पेश किये !

फिर शौकत खान ने गरीबों कि आग्रह पर निशुल्क चावल बैंक कि शुभारंभ किया यहां से कोई भी जरुरतमंद लोग दो किलो चावल प्रतिदिन ले जा सकते हैं और देखते देखते यहां भी भीड़ लगने लगी और अब तक दो लाख से अधिक गरीब असहाय जरुरतमंद लोगों को शौकत खान चावल देकर हजारों गरीब परिवार के लिए वरदान बन चुके हैं ! इसके बाद शौकत खान कि निस्वार्थ सेवा कार्यों से गरीबों में उम्मीद कि किरण जगी फिर गरीबों कि बच्चों को और उनके माता-पिता को दर्द को समझते हुए शिक्षा जगत में शौकत ने अपना कदम बढ़ाया और इन्होंने ने गरीब बच्चों के लिए निशुल्क पुस्तक बैंक कि शुभारंभ किया जहां से गरीब बच्चों को निशुल्क पठन पाठन सामग्री के लिए स्कूल बैंग जुता मोजा गर्म कपड़े कलर पैन्सिल पेन कॉपी समेत हर जरुरत कि चिजे उपलब्ध कराने लगे और अब तक एक लाख से अधिक गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़कर अनोखे अंदाज में शिक्षा का दीप जला चुके हैं और उत्साहित होकर शौकत खान कहते हैं पढ़ेगा गढ़वा बढ़ेगा

इतना ही नहीं हर घर तिरंगा का अलख जगाने वाले पहले भारतीय हैं शौकत खान जिन्होंने दस वर्ष पूर्व अपने भारतीय सेना के सम्मान में झारखंड पुलिस के सम्मान में और शहीदों के सम्मान में लगातार दस वर्षों से 15 अगस्त 26 जनवरी ईद और दिपावली के मौके पर अपने ऐतिहासिक कार्यक्रम राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के तहत हर कालेज स्कूल मंदिर मस्जिद चर्च गुरुद्वारा समेत सरकार गैर-सरकारी कार्यालय एवम् पुरे गढ़वा जिले के दुकानदार बंधुओं के बिच जाकर उन्हें सम्मान के साथ निशुल्क तिरंगा भेटकर उनसे आग्रह करते हैं कि आप अपने शहीदों के सम्मान में एक तिरंगा अपने घर ऑफिस कि उच्चाइयों पर जरुर लगायें और देखते देखते अब तक तीन लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेटकर शौकत खान से तिरंगा वाले शौकत भाई जान बन गये !

इनके सभी अनोखे सेवा कार्य से प्रभावित होकर जिला प्रशासन गढ़वा ने शौकत खान को स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड एंबेसडर बनाया फिर स्वास्थ्य विभाग गढ़वा में एम आर वैक्सीन के लिए भी ब्रांड एंबेसडर बनाये गये फिर इन्हें सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का सदस्य बनाया गया और सभी पदों पर उल्लेखनीय और उत्कृष्ट योगदान शौकत खान ने दिया जिसके लिए शौकत खान को देश भर से अबतक दो सौ सम्मान और अवार्ड प्राप्त हो चुके हैं जिसमें अंतराष्ट्रीय अवार्ड, राष्ट्रीय अवार्ड, राज्य स्तरीय अवार्ड, समेत झारखंड आइकॉन अवार्ड, झारखंड रत्न अवार्ड, झारखंड गौरव सेवा सम्मान समेत दस बार से अधिक जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन सीआरपीएफ 172 बटालियन गढ़वा के द्वारा और 50 से अधिक कोरोना योद्धा अवार्ड से भी नवाजें जा चुके हैं और समाज सेवी शौकत खान और सबसे खास विशेषता ये है कि शौकत खान का कोई एनजीओ नहीं है कोई राजनीतिक दल से सम्बंध नहीं है और ना ही किसी से चंदा लेते हैं ये अपने बिजनेस से जो कमाते हैं उसी में से बचाकर गरीबों के लिए अनेक निशुल्क बैंक प्रतिदिन चलाते हैं वो भी झारखंड के शौर्य चक्र विजेता शहीद आशीष कुमार तिवारी के सम्मान में !

इन सभी सेवा कार्यों में शौकत खान के पुत्र साजिद खान शौकत खान कि पत्नी और बेटियां भी पिता को सहयोग प्रदान करती है और शौकत खान कि पत्नी रुबी खान ने मक्का मदीना में तिरंगा लहराने वाली भारत कि पहली महिला बन चुकी है !!

सुदना पावर सब स्टेशन में नए ट्रांसफार्मर की स्थापना अब भीषण गर्मी में नहीं होगी बिजली की समस्या

नवप्रदेश/मेदिनीनगर पलामू। शहरवासियों को भीषण गर्मी के दौरान बिजली कटौती से राहत दिलाने के लिए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने एक बड़ा कदम उठाया है। सुदना स्थित पावर सब स्टेशन में क्षमता विस्तार का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है।

20 से बढ़कर 25 मेगावाट हुई क्षमता

बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सुदना पावर सब स्टेशन की क्षमता को 20 मेगावाट से बढ़ाकर अब 25 मेगावाट कर दिया गया है। पहले यहाँ 5-5 मेगावाट के दो और 10 मेगावाट का एक ट्रांसफार्मर लगा था। अब एक 5 मेगावाट के ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह 10 मेगावाट का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है।

पूजन के साथ हुआ कार्य का शुभारंभ

नए ट्रांसफार्मर की स्थापना के अवसर पर विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न कराने के दौरान बिजली विभाग के वरीय पदाधिकारी और कार्यपालक अभियंता संतोष कुमार, विभाग के बड़ा बाबू नवीन प्रकाश मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दमवां में एचपीवी टीकाकरण पर जागरूकता बैठक, अभिभावकों से बच्चियों को टीका दिलाने की अपील

नवप्रदेश/प्रतिनिधि हरिहरगंज. पीपरा प्रखंड के दमवां गांव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गुरुवार को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गोपाल प्रसाद ने की. बैठक में डॉ. गोपाल प्रसाद ने एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह टीका बच्चियों को गंभीर बीमारियों, खासकर सर्वाइकल कैंसर से बचाने में अत्यंत प्रभावी है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बच्चियों के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी शुरूआत हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हो चुकी है. उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बच्चियों का समय पर टीकाकरण जरूर कराएं, ताकि भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव संभव हो सके. साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें और टीकाकरण अभियान को सफल बनाएं. इस मौके पर सीएचओ प्रभारी बाल्मीकि कुमार, बीटीटी निर्मला शर्मा, एएनएम शारदा देवी, स्वास्थ्य सहिया ज्योति देवी, बसंती देवी, लालमनी देवी सहित कई अभिभावक उपस्थित थे.

अनियंत्रित स्कूटी पेड़ से टकराई, दो युवकों की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बरकेला के चेतनसिका मोड़ पर गुरुवार को एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान बरकेला निवासी जीवन सवैया (21) और मधुसुदन सुंडी (20) के रूप में हुई है। मधुसुदन सुंडी टाटा कॉलेज का छात्र था। परिजनों के अनुसार, जीवन सवैया हाल ही में बेंगलुरु से मजदूरी कर पर्व मनाने के लिए अपने गांव लौटा था। गुरुवार को वह अपने मित्र मधुसुदन सुंडी के साथ स्कूटी से चाईबासा बाजार खरीदारी के लिए जा रहा था। इसी दौरान चेतनसिका मोड़ के पास उनकी स्कूटी अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मधुसुदन के मामा मोहन सिंह बोयपाई और जीवन के पिता गुना सवैया ने बताया कि दोनों युवक बाजार जा रहे थे, लेकिन रास्ते में यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी।

पचिस लाख की लागत से हो रहे बाउंड्री वाल मे भारी अनियमित्ता, मुखिया जी बेखबर

नवप्रदेश/पलामू। छतरपुर - छतरपुर थाना अंतर्गत सीलदाग पंचायत के कंगालीडीह गाँव मे कल्याण विभाग से लगभग 25 लाख ली लागत से हो रहे बाउंड्री वाल मे भारी अनियमित्ता दिखाई दे रही है।

यह योजना बिना मुखिया के ग्राम सभा किए पारित नही होता है।और यह कार्य मुखिया के देख रेख मे होता है।

लेकिन यह बाउंड्री वाल का कार्य लगभग एक माह से ज्यादा होने को है अभी तक कार्य चालू है ।लेकिन इसमे जो इंट उपयोग किया जा रहा है बहुत ही घटिया किस्म का किया जा रहा है।जो सरिया ऊंचतम कवालिटी का लगाना है इसमे कम एमएम का लगाया जा रहा है।लेकिन अभी तक सीलदाग के मुखिया जी कार्य स्थल पर गए है या भी नही इसकी जानकारी तो नही है लेकिन यह कार्य अत्यंत घटिया करवाया जा रहा है और बिना किसी भय के घटिया समाग्री लगाया जा रहा है।ऐसे घटिया निर्माण पर सबंध पदाधिकारी को अविलम्ब संज्ञान लेकर करवाई करनी चाहिए और जो इस घटिया निर्माण मे स्लिम्पत है उसपे भी करवाई करनी चाहिए ।क्योंकि सरकार के पैसो का इस तरह दोहन करना एक गरीब के शरीर से खुन चूसना जैसा हुआ।

देवघर में 33 किलो गांजा के साथ दो आरोपित गिरफ्तार

देवघर। पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान तेज करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने जिले के कुंडा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर एक कार से 33 किलो गांजा बरामद किया है। इस अवैध कारोबार में संलिप्त दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक नाबालिग को भी पुलिस ने पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपितों में अमित कुमार साह और प्रकाश मंडल शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 33 किलो गांजा, दो मोबाइल फोन और एक हुंडई कार जब्त की है। इस कार्रवाई में देवघर सीडीपीओ, कुंडा थाना प्रभारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और नशे के अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

पैतृक जमीन पर सरकारी दावा, किसान ने डीसी से लगाई न्याय की गुहार

नवप्रदेश संवाददाता

हरिहरगंज/पीपरा प्रखंड क्षेत्र के दमवा गांव में पैतृक जमीन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. गांव के किसान लालबहादुर सिंह ने आरोप लगाया है कि उनकी पुश्तैनी जमीन को नए सर्वे खतियान में गलत तरीके से स्वास्थ्य विभाग के नाम दर्ज कर दिया गया है. उन्होंने बताया कि पुराना खाता संख्या 08, प्लॉट संख्या 118 में कुल 3 एकड़ 90 डिसमिल जमीन उनके पूर्वजों की रही है, जो उनके बाबा जागा राय के नाम पर दर्ज थी. इस जमीन पर वे पीढ़ियों से खेती करते आ रहे हैं और नियमित रूप से सरकार को मालगुजारी भी देते रहे हैं. किसान के

अनुसार, नए सर्वे खतियान में खाता संख्या 84, प्लॉट संख्या 238 एवं 239 में कुल 48 डिसमिल जमीन स्वास्थ्य विभाग, पीपरा के नाम दर्ज कर दी गयी है, जो पूरी तरह गलत है. उन्होंने बताया कि इस संबंध में वर्ष 2023 से टाइटल केस संख्या 368 न्यायालय में लंबित है. गुरुवार को अंचलाधिकारी जितेंद्र कुमार, अंचल अमीन राकेश कुमार, संवेदक व पुलिस बल के साथ उक्त जमीन पर पहुंचे और भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही. सूचना मिलने पर किसान लालबहादुर सिंह मौके पर पहुंचे और जमीन से संबंधित सभी कागजात अधिकारियों को दिखाए. किसान का आरोप है कि अंचलाधिकारी ने 48 डिसमिल जमीन को स्वास्थ्य विभाग की बताते हुए कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया और न ही यह स्पष्ट किया कि यह जमीन विभाग को किस आधार पर आवंटित की गयी. लालबहादुर सिंह ने पलामू उपायुक्त व राज्य सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कर उनकी पैतृक जमीन को नया सर्वे में सुधार कर उनके ही नाम पर करने मांग की है. उन्होंने कहा कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे आगे कानूनी लड़ाई तेज करेंगे. इस मौके पर जिप सदस्य ददन पासवान, प्रखंड प्रमुख विक्रांत सिंह यादव उर्फ गुड्डू यादव, एसआइ कुलेश्वर महतो, हरि यादव, कमलेश यादव सहित कई लोग मौजूद थे.

पूर्व जनरल शहरयार अली गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेजा गया

जरूरत पड़ी तो पलामू सदर का चुनाव जेल से ही लड़ूंगा: शहरयार अली

नवप्रदेश/मेदिनीनगर, पलामू: शहर थाना कांड संख्या 446/24 में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मेदिनीनगर मुहर्रम इंतजामिया कमिटी के पूर्व जनरल शहरयार अली को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों और मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला 11 दिसंबर 2024 को दर्ज किया गया था। इस कांड में शहरयार अली के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 118(2), 49, 61(2), 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने गुप्त सूचना और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर 01 अप्रैल 2026 को उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इधर, शहरयार अली के भाई हिकमतयार अली ने गिरफ्तारी को साजिश करार देते हुए कहा कि उनके भाई को राजनीतिक दबाव में फंसाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से अनुसंधान चल रहा था, लेकिन चुनाव के समय अचानक कार्रवाई किया जाना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि इस मामले को न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

वहीं, शहरयार अली ने गिरफ्तारी से पहले अपने समर्थकों के बीच संदेश देते हुए कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वह पलामू सदर का चुनाव जेल से भी लड़ेंगे।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और कांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

एक नजर

छात्र-छात्राओं को सहूलियत हेतु जे टेट एवं स्थानीय जिला बहाली में सम्मिलित होने का मौका मिल सके

नवप्रदेश/पलामू। राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ ने मुख्य मंत्री के नाम उपायुक्त पलामू को जे टेट 20226 के नए नियमावली में भोजपुरी, मगही, अंगिका भाषा को क्षेत्रीय भाषा की सूची में शामिल कर पलामू, गढ़वा, लातेहार, बोकारो, चतरा, धनबाद एवं रांची के छात्र-छात्राओं को सहूलियत हेतु जे टेट एवं स्थानीय जिला बहाली में सम्मिलित होने का मौका मिल सके इस विषय पर उपायुक्त महोदया का काफी आश्वासन मिला मौके पर महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक अवधेश कुमार सिंह चेरो, प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम कुमार सिंह,प्रदेश सचिव मृत्युंजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी हृदया सिंह चेरो,इंद्रदेव सिंह, संजय कुमार सिंह, प्रवीण कुमार सिंह, मनोज सिंह, सतेंद्र सिंह, यदुवंशी सिंह शामिल रहे।

समाज के रहनुमा समाज सुधारक ही डीजे के समर्थन में हुए खड़े, झामुमो वरिष्ठ नेता कमाल खान

नवप्रदेश/पलामू। समाज के रहनुमा समाज सुधारक ही समाज के सही रास्ते पर चलने में बाधक नजर आ रहे हैं, एक तरफ सुप्रीम कोर्ट का लगातार डीजे के खिलाफ आदेश पर आदेश आ रहा है लेकिन समाज सुधारक इस पर अमल के बजाऐ इसके समर्थन में खड़े होते हुए नजर आ रहे हैं, एक तरफ केंद्र की सरकार कोरोना ऐसी महामारी में देश के प्रतिष्ठित लोगों द्वारा ताली और थाली पिटवाने का काम किया गया, दूसरी तरफ झारखंड सरकार जब अपने झारखंड वासियों के हिफाजत के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरी तरह राज्य में लागू करने का कार्य करती है, तो ऐसे में कुछ लोग अपनी राजनीतिक चमकाने के लिए सरकार के आदेश के खिलाफ गोल बंद होने का काम करते हैं, आज अगर सरकार के आदेश का पालन ईमानदारी पूर्वक किया जाता तो हमारे घरों के शीशे और हमारे घर के बुजुर्गों की मौत तथा सेहत पर बुरा असर नहीं पड़ता जिस तरह से हम मंदिर मस्जिद में इबादत करते हैं इस तरह से कोर्ट का आदेश जनहित में सरकार के आदेश का पालन करना भी हमारा धर्म है, बुरे कामों में अगर हम शामिल होते हैं तो डीजे से होने वाले नुकसान के गुनहगार हो सकते हैं सच्चे राजनीतिक और धार्मिक नहीं .

नावा बाजार के पूर्व उपप्रमुख बिरजू प्रसाद यादव को, पलामू राजद ओबीसी का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर, राजद कार्यकताओं ने दी बधाई

नवप्रदेश/पलामू। नावा बाजार - नावा बाजार के पूर्व उपप्रमुख बिरजू प्रसाद यादव को, पलामू राजद ओबीसी का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर,नावा बाजार पूर्व जिला परिषद् सदस्य सह विधायक प्रतिनिधि अनुज राम,राजद प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र चौधरी, राजद जिला महासचिव जमालुदीन खान, मीर वारिश, जिला सचिव प्रदीप यादव, सरजू प्रजापति, राजद युवा प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र यादव, महेंद्र यादव,अवधेश यादव, शैलेश यादव, विनय विश्वकर्मा सहित कई राजद कार्यकताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है, इसके अलावा राजद कार्यकताओं ने राजद ओबीसी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील प्रसाद साहू एवं राजद पलामू जिलाध्यक्ष धनंजय पासवान जी को भी इसके लिए हार्दिक बधाई दी है।

एन आई एक्ट से संबंधित विशेष लोक अदालत 25 को, तैयारी की हुई समीक्षा

पश्चिम सिंहभूम। चाईबासा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्राधिकार मौहम्मद शाकिर की अध्यक्षता में एन आई एक्ट से संबंधित विशेष लोक अदालत के आयोजन के सम्बंध में महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, बैठक का उद्देश्य मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए विशेष लोक अदालत की तैयारी की समीक्षा करनी थी,न्यायिक मंडल के विभिन्न न्यायिक पदाधिकारीयों ने इस बैठक में भाग लिया, बैठक में जानकारी दी गई की विशेष लोक अदालत का आयोजन 20 से 25 अप्रैल 2026 तक किया जाना है, उपस्थित अधिकारियों में सिविल जज सीनियर डिविजन सह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, श्रीमती एंजेलिना नीलम मड़की, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी पूजा पांडेय तथा चक्रधरपुर अनुमंडल न्यायालय के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी चक्रधरपुर श्री अंकित कुमार सिंह आदि उपस्थित थे. प्राधिकार के सचिव ने आम लोगों से एन आई एक्ट से संबंधित उनके मामलों के निष्पादन के लिए न्यायालय अवधि के दौरान आवेदन करने की अपील की है.

जन समस्याओं को लेकर धरने पर बैठे पूर्व विधायक से उपायुक्त ने की वार्ता

नवप्रदेश/रामगढ़: जन समस्याओं को लेकर समाहरणालय परिसर में धरने पर बैठे पूर्व विधायक रामगढ़ श्री शंकर चौधरी पर उपायुक्त रामगढ़ श्री फैज अक अहमद मुमताज की नजर पड़ते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए समाहरणालय परिसर की सीढ़ियों पर बैठकर ही उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उपायुक्त ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना तथा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इसके उपरांत उपायुक्त कार्यालय कक्ष में पूर्व विधायक एवं उपायुक्त के बीच बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जन समस्याओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समस्याओं के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा सभी मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

5 लाख के इनामी जेजेएमपी सब-जोनल कमांडर सुरेंद्र लोहरा उर्फ टाइगर ने किया आत्मसमर्पण, पुलिस की मुहिम को बड़ी सफलता

- 20 वर्षों से नक्सली गतिविधियों में था सक्रिय, आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर मुख्यधारा में लौटा
- आईजी और एसपी की अपील— बचे हुए नक्सली भी हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा में आएं

बब्लू खान

नवप्रदेश/लातेहारः झारखंड के लातेहार जिले में नक्सल विरोधी अभियान को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के सब-जोनल कमांडर और पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली सुरेंद्र लोहरा उर्फ टाइगर ने गुरुवार को लातेहार पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। यह आत्मसमर्पण पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र कुमार सिन्हा और लातेहार पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव की मौजूदगी में हुआ।

करीब दो दशकों से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय सुरेंद्र लोहरा का आत्मसमर्पण न केवल पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, बल्कि यह क्षेत्र में शांति स्थापना की दिशा में एक सकारात्मक संकेत भी है।

आत्मसमर्पण का पूरा घटनाक्रम

सदर थाना क्षेत्र के मांजर गांव निवासी सुरेंद्र लोहरा उर्फ टाइगर पिछले 20 वर्षों से विभिन्न नक्सली संगठनों से जुड़ा हुआ था। वह जेजेएमपी में सब-जोनल कमांडर के पद पर कार्यरत था और क्षेत्र में कई गतिविधियों में उसकी संलिप्तता रही है।पुलिस के अनुसार, लातेहार जिले में पिछले कुछ समय से नक्सलियों के खिलाफ व्यापक और सघन अभियान चलाया जा रहा था। एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी है। लगातार हो रही छापेमारी और दबाव के कारण नक्सली संगठन पहले से ही कमजोर स्थिति में पहुंच चुके थे।इसी बीच, झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने का अवसर दिया गया। इस नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक सहायता, पुनर्वास, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाते हैं।इन्हीं परिस्थितियों और सरकारी नीति से प्रभावित होकर सुरेंद्र लोहरा ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस अधिकारियों ने उसे आत्मसमर्पण नीति की विस्तृत जानकारी दी और भरोसा दिलाया कि सरकार की ओर से मिलने वाली सभी सुविधाएं उसे प्रदान की जाएंगी।

इसके बाद उसने गुरुवार को औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने उसे माला पहनाकर स्वागत किया, जो इस बात का संकेत था कि अब वह हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट चुका है।

अब भी मौका है, हथियार छोड़ें नक्सली : पलामू प्रक्षेत्र के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा

आत्मसमर्पण कार्यक्रम के दौरान पलामू प्रक्षेत्र के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति नक्सलियों के पुनर्वास के लिए एक सुनहरा अवसर है।उन्होंने कहा,जो नक्सली अब भी जंगलों में सक्रिय हैं, वे इस नीति का लाभ उठाएं और अपने जीवन को सुरक्षित बनाएं। हिंसा का रास्ता किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। सरकार उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देना चाहती है।ह्व

आईजी ने यह भी बताया कि लातेहार जिले में लगातार चल रहे अभियानों और पुलिस की सक्रियता के कारण नक्सलियों की स्थिति काफी कमजोर हो चुकी है। ऐसे में उनके पास आत्मसमर्पण के अलावा कोई बेहतर विकल्प नहीं बचा है।

नक्सलियों के पास अब कोई रास्ता नहीं : एसपी कुमार गौरव

लातेहार के एसपी कुमार गौरव ने इस आत्मसमर्पण को बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि यह जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान का परिणाम है।

उन्होंने कहा,

सुरेंद्र लोहरा उर्फ टाइगर पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। उसका आत्मसमर्पण यह दशार्ता है कि हमारी रणनीति सही दिशा में काम कर रही है। पिछले डेढ़ वर्ष में 28 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

एसपी ने आगे कहा,

ह्वलातेहार जिला अब नक्सल मुक्त होने के कगार पर है। जो भी नक्सली अभी सक्रिय हैं, उनके पास दो ही विकल्प हैं—या तो आत्मसमर्पण करें या कानून की कार्रवाई का सामना करें।ह्वउन्होंने नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं और एक बेहतर जीवन की शुरूआत करें।

नक्सलियों के लिए चेतावनी और अपील

पुलिस अधिकारियों ने साफ शब्दों में संदेश दिया कि अब नक्सलियों के लिए जंगलों में छिपे रहना मुश्किल होता जा रहा है। लगातार हो रही कार्रवाई, तकनीकी निगरानी और स्थानीय सहयोग के कारण पुलिस को बढ़त मिल रही है।

आईजी और एसपी दोनों ने संयुक्त रूप से कहा कि जो नक्सली अब भी सक्रिय हैं, वे जल्द से जल्द आत्मसमर्पण कर लें। सरकार की नीति उनके पुनर्वास के लिए पूरी तरह तैयार है।साथ ही यह भी चेतावनी दी गई कि जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

आत्मसमर्पण नीति का असर

झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। इस नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास और रोजगार के अवसर दिए जाते हैं।

इसी कारण कई नक्सली अब हिंसा का रास्ता छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। सुरेंद्र लोहरा का आत्मसमर्पण भी इसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है।

कार्यक्रम में मौजूद रहे अधिकारी

आत्मसमर्पण कार्यक्रम के दौरान जिले के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। इनमें डीएसपी विनोद रवानी, इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार, थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया सहित बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे।कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों ने सुरेंद्र लोहरा का स्वागत किया और उसे समाज की मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहित किया।

लातेहार में नक्सलवाद पर लगाम

पुलिस का दावा है कि लगातार चल रहे अभियानों, स्थानीय लोगों के सहयोग और सरकार की नीतियों के कारण लातेहार में नक्सलवाद पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा चुका है।

जहां एक समय यह क्षेत्र नक्सल गतिविधियों के लिए जाना जाता था, वहीं अब स्थिति तेजी से बदल रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास कार्यों के विस्तार ने भी नक्सलियों के प्रभाव को कम किया है।

निष्कर्ष

सुरेंद्र लोहरा उर्फ टाइगर का आत्मसमर्पण न केवल पुलिस के लिए बड़ी सफलता है, बल्कि यह उन नक्सलियों के लिए भी एक संदेश है जो अब भी हिंसा के रास्ते पर हैं।

सरकार और पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि आत्मसमर्पण करने वालों का स्वागत है और उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी, लेकिन हिंसा का रास्ता अपनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। लातेहार अब नक्सल मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में यह क्षेत्र पूरी तरह शांति और विकास की राह पर आगे बढ़ेगा।

गारू में पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, संगठन मजबूती पर जोर

नवप्रदेश/गारू। गारू प्रखंड में भाजपा द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मण्डल अध्यक्ष के आवास पर किया गया। कार्यक्रम में बूथ प्रबंधन, ह्वमन की बातह्व को सशक्त बनाने तथा संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही संगठन से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श कर संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने की रणनीति बनाई गई।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह, जिला मंत्री कौशल किशोर प्रसाद, जिला मंत्री शम्भू गुप्ता, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शिला देवी, मण्डल प्रभारी अनूप कश्यप, मण्डल अध्यक्ष सुनेश्वर सिंह, एसटी मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंगल उरांव तथा मण्डल महामंत्री संतोष यादव समेत कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। मुख्य वक्ताओं ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना ही पार्टी की सफलता की कुंजी है। उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर संपर्क कर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मण्डल अध्यक्ष सुनेश्वर सिंह ने संगठन विस्तार पर बल देते हुए कहा कि अधिक से अधिक नए कार्यकताओं को जोड़कर पार्टी को और मजबूत किया जाएगा। वहीं मण्डल महामंत्री संतोष यादव ने ह्वमन की बातह्व कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ स्तर पर नियमित रूप से सुनने और अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

लातेहार नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह ने महिलाओं - पुरुषो की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बताया गया और कहा कि महिला शक्ति के सहयोग से संगठन को नई दिशा मिलेगा

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बालूमाथ मगध परियोजना से वित्तीय वर्ष 445.29 करोड़ राजस्व संग्रह कर

लातेहार बना राज्य में नंबर वन, खनन राजस्व में तोड़े सारे रिकॉर्ड

लातेहार खनन पदाधिकारी नदीम सैफी ने वित्तीय वर्ष 193 लोग पर प्राथमिक एवं 228 वाहन जब्त किए:

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता जिला खनन पदाधिकारी नदीम सैफी के नेतृत्व में लातेहार जिले ने वित्तीय वर्ष में खनन राजस्व संग्रह के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंगध कोलियरी से अकेले 445.29 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया गया।झारखंड सरकार द्वारा निर्धारित 534 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध जिले ने कुल 636 करोड़ रुपये की वसूली कर 120 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल की। इस शानदार प्रदर्शन के साथ लातेहार पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर पहुंच गया, जबकि बोकारो जिला 116 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के साथ दूसरे स्थान पर रहा।डीएमओ नदीम सैफी ने बताया कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए सख्त रणनीति अपनाई गई और अवैध खनन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया गया। इस दौरान 193 लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई, जबकि अवैध रूप से कोयला, बालू, पत्थर और बॉक्साइट का परिवहन करने वाले 228 वाहनों को जब्त किया गया।

इसके अलावा ओवरलोडिंग के मामलों में करीब एक करोड़ रुपये का जुमार्ना भी वसूला गया। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान प्रशासनिक व्यस्तताओं के बावजूद टीम ने लक्ष्य से पीछे न हटने का संकल्प लिया था।इस उपलब्धि में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।डीएमओ ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 800 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही अवैध खनन, भंडारण और परिवहन में संलिप्त लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

सांसद प्रतिनिधि ने राशन कटौती पर डीएसओ को लिखा पत्र

नवप्रदेश/गारू। गारू प्रखंड में खाद्य आपूर्ति विभाग की जर्जर व्यवस्था और राशन वितरण में व्याप्त संगठित लूट के खिलाफ अब सीधा मोर्चा खुल गया है। सांसद प्रतिनिधि संतोष यादव ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को एक पत्र लिखकर प्रखंड में चल रहे भ्रष्टाचार के खेल को उजागर किया है। पत्र के माध्यम से उन्होंने सीधे तौर पर जनसेवकों एमओ व गोदाम प्रबंधक के अतिरिक्त प्रभार का दुरुपयोग करने और लाभुकों के आर्थिक शोषण का गंभीर आरोप लगाया है। पत्र में इस बात का विशेष उल्लेख किया गया है कि लाटू और कुजरूम जैसे सुदूरवर्ती गांवों में निवास करने वाले आदिम जनजाति समुदायों को उनके संवैधानिक अधिकार डोर स्टेप डिलीवरी से वंचित रखा जा रहा है, जिससे इन दुर्गम क्षेत्रों के ग्रामीणों को राशन के लिए 20 किलोमीटर दूर बारेसांढ़ आना पड़ रहा है। सबसे चौंकाने वाला खुलासा पूरे प्रखंड में हो रही राशन कटौती को लेकर है, जहाँ लगभग 80 से 90 प्रतिशत कार्डधारियों के प्रति कार्ड से 2 से 3 किलोग्राम तक राशन की अवैध कटौती की जा रही है। उन्होंने कहा कि, गारू में गरीबों के निवाले पर डाका डाला जा रहा है और प्रभारी अधिकारी अपनी शक्तियों का उपयोग जनसेवा के बजाय लाभुकों के शोषण कर रहे हैं।

लातेहार जिला स्थापना दिवस पर सम्मान समारोह 4 अप्रैल को, संघर्ष के नायकों को मिलेगा सम्मान

होटल कार्निवल में दोपहर 2 बजे आयोजित होगा भव्य कार्यक्रम, समाजसेवियों को किया जाएगा सम्मानित

25 वर्ष पूरे होने पर संघर्ष से सृजन तक की गौरवगाथा होगी याद

नवप्रदेश/बब्लू खान/लातेहार जिला स्थापना दिवस के अवसर पर 4 अप्रैल 2026 को एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोपहर 2 बजे शहर के जुबली चौक स्थित होटल कार्निवल में आयोजित होगा, जिसमें जिला निर्माण में योगदान देने वाले सभी सम्मानित समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन लातेहार जिला निर्माण संघर्ष समिति के तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य जिले के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले लोगों को सम्मानित करना और उनके योगदान को याद करना है।

25 वर्षों का गौरवशाली सफर

आज से ठीक 25 वर्ष पूर्व, 4 अप्रैल 2001 को लातेहार ने एक नए जिले के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। लंबे समय तक चले संघर्ष, आंदोलन और जन-एकजुटता के परिणामस्वरूप यह जिला पलामू से अलग होकर झारखंड का 19वां जिला बना। यह उपलब्धि केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं थी, बल्कि यह क्षेत्र के लोगों की वर्षों की उपेक्षा, भौगोलिक कठिनाइयों और विकास की मांग का परिणाम थी।

संघर्ष की कहानी: जन-जन की भागीदारी

लातेहार को जिला बनाने की मांग को लेकर चलाए गए आंदोलन में समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी रही। किसान, मजदूर, छात्र, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकताओं ने एकजुट होकर सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद की। लातेहार जिला निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले इस आंदोलन को संगठित रूप दिया गया। आंदोलन के संयोजक जुझारू नेता मुरली प्रसाद के नेतृत्व में यह संघर्ष लगातार आगे बढ़ता रहा।

इन विभूतियों का रहा अहम योगदान

जिला निर्माण की इस ऐतिहासिक गाथा में कई प्रमुख नेताओं और जनप्रतिनिधियों का योगदान रहा, जिन्होंने सदन से लेकर सड़क तक इस मांग को मजबूती से उठाया। इनमें प्रमुख रूप से कैबिनेट मंत्री रामविलास पासवान, भू-राजस्व मंत्री इंद्र सिंह नामधारी, पूर्व सांसद शिवप्रसाद साहू, सूरज मंडल, पूर्व खान मंत्री पुरानचंद, पूर्व सांसद जोरावर राम और महिला नेत्री सुमित्रा पासवान शामिल रहे।इन नेताओं और संघर्ष समिति के सदस्यों ने लातेहार से रांची तक पदयात्राएं, धरना और अनशन कर आंदोलन को नई दिशा दी।

आंदोलन के प्रमुख चरण

लातेहार को जिला बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पड़ाव आए—संघर्ष समिति का गठन कर जन-आंदोलन को एक मंच प्रदान किया गया

मशाल जुलूस, चक्का जाम और बंद के माध्यम से आंदोलन को व्यापक बनाया गया **प्रखंड स्तर तक समितियों का विस्तार कर आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित की गई** इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप सरकार को झुकना पड़ा और अंततः लातेहार को जिला का दर्जा मिला।

सम्मान समारोह का उद्देश्य

आगामी 4 अप्रैल को आयोजित होने वाला सम्मान समारोह उन सभी लोगों को समर्पित है, जिन्होंने लातेहार को जिला बनाने के संघर्ष में अपनी भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों—लातेहार, चंदवा, बालूमाथ, मनिका, बरवाडीह, गारू और महुआडांड़—से समाजसेवी और गणमान्य लोग शामिल होंगे।समारोह में ह्वसंघर्ष से सृजन तकह्व की यात्रा को याद करते हुए जिले के विकास और उपलब्धियों पर भी चर्चा की जाएगी।

समिति ने की अपील

लातेहार जिला निर्माण संघर्ष समिति ने जिले के सभी सम्मानित नागरिकों, समाजसेवियों और आंदोलन से जुड़े लोगों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने की अपील की है।समिति का कहना है कि यह केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि उन संघर्षों को याद करने का अवसर है, जिनकी बदौलत आज लातेहार एक स्वतंत्र जिला के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है।

सनातन धर्मियों ने दिनभर अपनी प्रतिष्ठान बंद रखी, खेल स्टेडियम में हनुमान जन्म जयंती को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

नवप्रदेश/चंदवा। चंदवा में हनुमान जन्म जयंती के अवसर पर सनातन धर्मियों ने अपनी अपनी प्रतिष्ठान बंद रखकर एक जुटता का परिचय दिया। वहीं चंदवा के खेल स्टेडियम में हनुमान जन्म जयंती के अवसर पर विराट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर हजारों सनातन धर्म के लोग स्टेडियम में कार्यक्रम को लेकर जुटने की बात कही है।लातेहार अनुमंडल पदाधिकारी ने खेल स्टेडियम में कार्यक्रम को लेकर अनुमति पत्र जारी किया है। वही चंदवा के कई जगहों पर कार्यक्रम को लेकर नियुक्त किया है। साथ ही साथ इस कार्यक्रम को लेकर पूरे चंदवा में पुलिस प्रशासन की भी बेहतर सुविधा दी गई है। वहीं चंदवा के प्रखंड विकास पदाधिकारी ,अंचल पदाधिकारी की पूरी टीम ने चारों तरफ से शांतिपूर्ण कार्यक्रम को लेकर जगह-जगह पर अपनी नजर बनाए रखे हैं। इधर चंदवा खेल स्टेडियम में हनुमान जन्मोत्सव को लेकर सनातन धर्मियों ने कई कार्यक्रम प्रस्तुत करने की बात कही है। बताते चले की यह कार्यक्रम चंदवा के लिए आकर्षण का केंद्र बना है।

हाईवा की टक्कर से युवक की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर वाहन में लगाई आग

आरागुंडी पंचायत में दर्दनाक हादसा, मृतक राधे उरांव की मौके पर ही मौतग्रामीणों ने उठाई भारी वाहनों पर रोक की मांग, परिजनों ने 5 करोड़ मुआवजा व नौकरी की मांग रखी

नवप्रदेश/(लातेहार): सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरागुंडी पंचायत में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक राधे उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राधे उरांव (पिता महादेव उरांव) के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, राधे उरांव सरना स्थल सावनो से अपने घर तूवेद लौट रहा था। इसी दौरान लातेहार की ओर से आ रही डीवीसी द्वारा संचालित हाईवा (खल्ल19ऋ 0184) ने उसकी मोटरसाइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि हाईवा कोयला परिवहन कार्य में लगी हुई थी।

हादसे के बाद भड़का आक्रोश

घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। युवक की मौत से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इसी दौरान गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवा वाहन में आग लगा दी, जिससे वाहन धू-धू कर जलने लगा और इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्रशासन ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसडीपीओ अरविंद कुमार, अंचलाधिकारी नंदकुमार राम और थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद जाम हटवाया गया और स्थिति को नियंत्रण में लिया गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया।

मुआवजा और आश्वासन

प्रशासन की ओर से मृतक के परिजनों को तत्काल एक लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। साथ ही आगे सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाली अन्य सहायता का भी आश्वासन दिया गया है।

ग्रामीणों की मांग

घटना के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी गई। लोगों ने मांग की कि डीवीसी कंपनी द्वारा निर्धारित रूट चार्ट का सख्ती से पालन किया जाए और गांव के अंदर भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों।

वहीं मृतक के परिजनों ने डीवीसी प्रबंधन से 5 करोड़ रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है।

कोयला परिवहन में लगा था हाईवा

बताया जा रहा है कि उक्त हाईवा सदर थाना क्षेत्र के पांडेयूपरा गांव निवासी का है और तुबेद कोलियरी में कोयला परिवहन का कार्य करता है। घटना के समय वाहन चंदवा से कोयला अनलोड कर तुबेद कोलियरी की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हो गया।

गांव में शोक का माहौल

युवक की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से ठोस कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की है।

बालूमाथ में 18 लोगों पर केस, विरोध में हिन्दू समाज की आज बंद का आह्वान

नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता रामनवमी त्योहार संपन्न होने के बाद बालूमाथ के अंचल अधिकारी बालेश्वर राम द्वारा स्थानीय थाना में 18 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस कार्रवाई के विरोध में हिंदू समाज ने आज 3 अप्रैल को बालूमाथ बंद का आह्वान किया है। बताते चलें कि बीते मंगलवार देर रात बालूमाथ रामनवमी पूजा के मंडल अध्यक्ष रोशन गुप्ता की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया था।जिसमें विभिन्न अखाड़ा समितियों के सैकड़ो सदस्य शामिल हुए थे। बैठक में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि रामनवमी का जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ और किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा 18 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में सांसद प्रतिनिधि प्रेम प्रसाद गुप्ता,विधायक प्रतिनिधि शैलेश सिंह,सुनील पांडेय,पत्रकार सुरेंद्र गुप्ता,अमन सिन्हा,शशि भूषण गुप्ता एवं रोशन कुमार सहित अन्य लोगों के नाम शामिल हैं। साथ ही तीनों अखाड़ा समितियों के सदस्यों को भी आरोपित किया गया है। बैठक में यह भी आरोप लगाया गया कि रामनवमी जुलूस के दौरान पुलिस के द्वारा श्रद्धालुओं के अभद्र व्यवहार किया गया। हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने मांग की है कि दर्ज मुकदमों को वापस लिया जाए, अभद्र करने वाले पुलिस पदाधिकारी को निलंबित किया जाए और अंचल अधिकारी का तबादला किया जाए,अगर ऐसा नहीं हुआ तो हिंदू समाज चरणबद्ध आंदोलन करने में मजबूर होंगे जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

बालू लदा ट्रैक्टर जब्त, खनन विभाग ने दर्ज कराई प्राथमिकी

रामगढ़। जिले में अवैध खनन, खनिजों के परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने का अभियान जारी है। इसे लेकर गुरुवार को डीसी फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर खान निरीक्षक ने जांच अभियान चलाया। इस दौरान अरगड्डा जीएम कार्यालय के सामने सिरका की ओर से आते हुये एक बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा गया। जांच के क्रम में बालू से संबंधित परिवहन चालान नहीं पाये जाने के बाद उक्त ट्रैक्टर को खनिज सहित विधिवत जब्त किया गया। साथ ही ट्रैक्टर के मालिक, चालक सहित अन्य संलिप्त लोगों के विरूद्ध रामगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बताया

सिडनी ,एजेंसी।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा। जाम्पा ने कहा है कि वह पहले ब्रेक लेने वाले थे पर बाद में उन्हें लगा कि कुछ समय पीएसएल खेल लें।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : महिला फुटबॉल में छत्तीसगढ़ का शानदार प्रदर्शन, झारखंड को हराकर जीता स्वर्ण पदक

रायपुर,एजेंसी ।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम कोटा में आज गुरुवार को खेले गए महिला फुटबॉल के फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच रोमांचक और कांटे की टक्कर देखने को मिली।अंततः छत्तीसगढ़ ने झारखंड को 1-0 से हराकर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने मजबूत खेल का प्रदर्शन किया। पहले हाफ की समाप्ति तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर रहीं। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार रक्षा और आक्रमण का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को बेहद रोमांचक बनाए रखा। दूसरे हॉफ में छत्तीसगढ़ की टीम ने आक्रामक खेल दिखाते हुए छत्तीसगढ़ की कप्तान किरण पिस्दा ने एक महत्वपूर्ण गोल किया और 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद टीम ने अपनी इस बढ़त को अंत तक बनाए रखा। फाइनल में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार खेल कौशल और टीमवर्क का परिचय दिया। फाइनल मुकाबला पूरे समय दर्शकों के लिए रोमांच से भरपूर रहा और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार और संचालक तनूजा सलाम भी फाइनल मैच में मौजूद थीं।

ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदाय ने भारत की हॉकी विरासत को जीवित किया

नई दिल्ली,एजेंसी।

रायपुर के वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया। रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में ओडिशा की यह दोहरी स्वर्णिम सफलता केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे हॉकी ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में जीवन को नई दिशा दे रही है। खेल प्रतिभा के भंडार माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां मिजोरम की टीम ने फाइनल तक जगह बनाई। ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया। झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दशार्ता है। पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है। दशकों से हॉकी जनजातीय संस्कृति का हिस्सा रही है। बच्चे पेड़ की टहनियों से स्टिक बनाकर ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर नंगे पांव खेलते हैं। प्रतिभा हमेशा मौजूद थी, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं था–जो अब बदल रहा है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

चेन्नई ,एजेंसी।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरू कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरूआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे। सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी

की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं। दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ ,एजेंसी।

लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे। आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं। वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, ह्यपहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है

कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं। वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का

मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई ,एजेंसी।

उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा है और उसे इतनी जल्ली राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ह्यउसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।ह्ण अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली ,एजेंसी।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई ,एजेंसी।

अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, ह्यवह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है। गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, ह्यवह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी

पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमल

लाहौर ,एजेंसी।

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता। नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे। इसके कारण उन पर भारी भरकम जुमार्ना भी लगाया गया था। इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था। इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुमार्ना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं। उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं।अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, इन चीजों को छोड़ो, क्रिकेट पर ध्यान दो। जब आप किसी सिस्टम का हिस्सा होते हैं तो तटस्थ रहना पड़ता है।

चंदवारा रैक पॉइंट से उड़ती धूल बनी जानलेवा

ठेकेदार कमा रहे मुनाफा, ग्रामीण झेल रहे प्रदूषण की मार

नव प्रदेश/विजय कुमार

चंदवारा। विकास की रफ्तार जब लोगों की सांसों पर भारी पड़ने लगे तो वह विकास नहीं, विनाश बन जाता है। इन दिनों चंदवारा रैक पॉइंट का हाल कुछ ऐसा ही है, जहां रेलवे रैक से होने वाली लोडिंग. अनलोडिंग ने पूरे इलाके को धूल के गुबार में ढक दिया है। रैक पॉइंट के ठेकेदार जहां जमकर मुनाफा कमा रहे हैं, वहीं स्थानीय ग्रामीण धूल और प्रदूषण से होने वाली बीमारियों का दंश झेलने को मजबूर हैं।

रैक पॉइंट से उड़ने वाली महीन धूल आसपास के घरों, खेतों और सड़कों पर मोटी परत के रूप में जम रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां न तो नियमित पानी का छिड़काव किया जाता है और न ही धूल नियंत्रण के अन्य उपाय किए जाते हैं। हल्की हवा चलते ही पूरा इलाका डस्ट जोन में बदल जाता है, जिससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार धूल के कारण सांस की बीमारी, आंखों में जलन और फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। वहीं खेतों में लगी फसलों पर धूल जमने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़कों की स्थिति भी बेहद खराब हो गई है और ओवरलोड गाड़ियों से हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। नियमों के अनुसार रैक पॉइंट पर धूल नियंत्रण के लिए वाटर स्प्रिंकलर, ग्रीन फेंसिंग और ऊंची दीवारें अनिवार्य होती हैं, लेकिन यहां नियम सिर्फ कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और प्रदूषण विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रदूषण पर रोक नहीं लगी, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

मॉर्डन पब्लिक स्कूल, झुमरीतिलैया की मनमानी फीस वृद्धि पर प्रशासन सख्त, नियम उल्लंघन पर जारी शो.कॉज नोटिस

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अधिसूचना एवं झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम ने मॉर्डन पब्लिक स्कूल, झुमरीतिलैया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि विद्यालय प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2024. 25, 2025. 26 और 2026. 27 में क्रमशः 10%, 9% और 8% की फीस वृद्धि की, जो नियमों का उल्लंघन है, क्योंकि निर्धारित शुल्क दो वर्षों तक मान्य रहता है। जांच में यह भी सामने आया कि पीजी से कक्षा 10 तक की पुस्तकों में बार-बार बदलाव किया गया, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा। वहीं नर्सरी से कक्षा 8 तक ‟स्मार्ट क्लास" के नाम पर भी शुल्क वसूला जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है।

नियम उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन को शो-कॉज नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। प्रशासन ने सभी निजी विद्यालयों को नियमों का पालन करने का सख्त निर्देश दिया है।

जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त ने पूर्व बैठकों में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की समीक्षा की और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा. निर्देश दिए। बैठक के दौरान खान निरीक्षक द्वारा बालू एवं पत्थर के अवैध भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने सभी क्रशर संचालकों को प्रदूषण नियंत्रण मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी खनन स्थलों एवं क्रशर इकाइयों के चारों ओर पौधारोपण करने के निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अवैध रूप से बालू उठाव एवं भंडारण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अवैध खनिजों के परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों पर भी सख्त कार्रवाई करने को कहा। साथ ही क्रशर संचालकों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी का छिड़काव कर धूल प्रदूषण नियंत्रित करने का निर्देश दिया गया। राजस्व संग्रह को सुदृढ़ करने के लिए उपायुक्त ने खदानों एवं क्रशर इकाइयों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। खनिज परिवहन को नियंत्रित करने के उद्देश्य से संभावित हॉटस्पॉट क्षेत्रों की पहचान कर सूची तैयार करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, अनुमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश मंडल, पुलिस उपाधीक्षक रतिभान सिंह, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार, खान निरीक्षक कोडरमा सहित सभी अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित थे।

झुमरी तिलैया नगर परिषद ने रचा इतिहास, 92% कर संग्रहण के साथ राज्य में बना अव्वल

पंद्रहवें वित्त से मिल सकते हैं 10 करोड़, विकास कार्यों को मिलेगी नई रफ्तार

नवप्रदेश, मुकेश कुमार/झुमरी तिलैया। झुमरी तिलैया नगर परिषद ने वित्तीय वर्ष 2025. 26 में कर संग्रहण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे झारखंड में अपनी अलग पहचान बना ली है। इस बार परिषद ने 8.897 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 8.18 करोड़ रुपये की वसूली कर 92 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया, जो अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है। सबसे खास बात यह रही कि पंद्रहवें वित्त आयोग के अंतर्गत तय लक्ष्य से परिषद ने 37 लाख रुपये अधिक संग्रहण किया, जो एक बड़ी उपलब्धि है। जल कर के क्षेत्र में 44 लाख रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 42.43 लाख रुपये की वसूली कर 96 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। वहीं ट्रेड लाइसेंस में 20 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 18.5 लाख रुपये का संग्रह किया गया, जो परिषद की सक्रिय कार्यशैली को दशार्ता है। नगर परिषद का लक्ष्य पूरे राज्य में सबसे अधिक रहा और इस मामले में परिषद गिरिडीह नगर निगम से भी आगे निकल गया। इस शानदार प्रदर्शन के कारण अब परिषद को पंद्रहवें वित्त आयोग से लगभग 10 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। इससे नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में सड़क, नाली, जलापूर्ति और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने इस उपलब्धि का श्रेय कार्यपालक अभियंता अंकित गुप्ता, नगर प्रबंधक रंधीर वर्मा, लेमांशु कुमार सहित सभी कर्मियों को दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की कमी को इस बार टीम वर्क और समर्पण से पूरा कर ऐतिहासिक सफलता हासिल की गई है।

चौपारण में श्रद्धा और उत्साह के साथ निकली हनुमान जन्मोत्सव की भव्य शोभायात्रा

विधायक ने विहिप और बजरंग दल के कार्यकताओं को सराहा, कहा-प्रभु राम के आदर्शों को अपनाएं युवा

नवप्रदेश/चौपारण। श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरुवार को चौपारण प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से ओत-प्रोत इस शोभायात्रा की शुरूआत चतरा मोड़ स्थित भगवती मंदिर से हुई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए तेतरिया स्थित कात्यानी मंदिर तक पहुंची। शोभायात्रा का शुभारंभ बरही विधायक मनोज कुमार यादव एवं चतरा जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। यात्रा के दौरान जय श्री राम और जय हनुमान के गगनभेदी जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। दुर्गा वाहिनी की बहनों और ‟चौपारण क्वीन्स" की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर शोभायात्रा को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया।यात्रा का समापन कात्यानी मंदिर परिसर में आयोजित धर्मसभा के साथ हुआ। सभा को संबोधित करते हुए विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि युवाओं को प्रभु श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए और भगवान हनुमान के जीवन से सेवा, समर्पण एवं निष्ठा की प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय मार्गदर्शक मंडली के सदस्य सीताराम शरण जी महाराज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम को सफल बनाने में विहिप जिला मंत्री अरविंद मेहता, जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता, बजरंग दल विभाग प्रमुख प्रशांत सिंह, प्रखंड विहिप मंत्री मुनेश्वर गुप्ता, अध्यक्ष संजय सिंह, सह मंत्री अभिषेक सिंह, दुर्गा वाहिनी प्रखंड संयोजिका ममता कुमारी, गौ रक्षा प्रमुख अभय कांत यादव, सत्संग प्रमुख धनेश्वर साहू, सुरक्षा प्रमुख रितेश कुमार एवं अनिल सिंह सहित कई कार्यकताओं की अहम भूमिका रही।मौके पर सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, रिशु बर्णवाल, सहदेव प्रसाद यादव, आशीष सिंह, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, मुखिया पप्पू रजक, अरविंद सिन्हा, राजेंद्र चंद्रवंशी, आदित्य चौरसिया, बिराज रविदास, संतोष पासवान एवं नंदकेशरी देवी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कोडरमा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने उपायुक्त के माध्यम से

मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन, निजी स्कूलों की समस्याओं को उठाया

नव प्रदेश संवाददाता

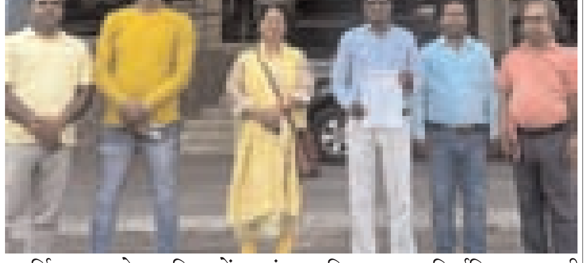

डोमचांच (कोडरमा)। कोडरमा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन डोमचांच के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शुक्रवार को उपायुक्त कोडरमा के माध्यम से झारखंड के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर निजी विद्यालयों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि निजी विद्यालय गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वसुलभ शिक्षा दे रहे हैं, लेकिन उन्हें आर्थिक और प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था, निजी विद्यालयों को आर्थिक सहयोग, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए उचित मानदेय में सहयोग तथा सरकारी विद्यालयों की तर्ज पर निजी स्कूलों के छात्रों को निःशुल्क पुस्तकें और पोशाक उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके अलावा निजी विद्यालयों के लिए न्यूनतम एवं अधिकतम मासिक शुल्क निर्धारित कर सूची सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई गई।

उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को सुनकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने में एसोसिएशन के कई पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

कोडरमा में हादसे के बाद पीड़िता को नहीं मिला मुआवजा, चौकीदार पर पुलिसिया दबाव में समझौता कराने का आरोप

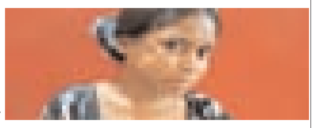

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत कुशनाहा ढोढाकोला के निकट 16 फरवरी 2024 को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई 17 वर्षीय नाबालिग रोशनी तुरी को आज तक न्याय और मुआवजा नहीं मिल सका है। बताया जाता है कि डोमचांच थाना में पदस्थापित चौकीदार कैलाश तुरी की बोलेरो (जेएच 01 एफके 9040) से दुर्घटना में रोशनी तुरी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। वह दशमी की परीक्षा देकर अपने घर अंबेडकर नगर पारहो लौट रही थी। हादसे में रोशनी का बायां हाथ कोहनी के ऊपर से कट गया, दाहिना गाल बुरी तरह जख्मी हो गया और उसके 9 दांत टूट गए। गंभीर हालत में उसे रांची ले जाया गया, जहां उसके चेहरे और शरीर पर कई टांके लगे। महीनों इलाज के बाद उसकी स्थिति में सुधार हुआ, लेकिन परिवार आर्थिक रूप से टूट गया। परिजनों का आरोप है कि इलाज खर्च और मुआवजे की मांग को लेकर जब चौकीदार से संपर्क किया गया तो वह पुलिसिया रोब दिखाता रहा। कई बार डोमचांच थाना जाने पर भी पुलिस पदाधिकारियों द्वारा डांटकर भगा दिया गया। बाद में दबाव बनाकर 2 लाख रुपये का चेक देकर समझौता कराया गया, जो कैश नहीं हुआ और पूरी राशि भी नहीं दी गई। इस मामले को सूचना अधिकार मंच के सचिव आर. के. बसंत ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष उठाते हुए पीड़िता को इलाज खर्च, सम्मानजनक मुआवजा और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

मेलघाट में सम्मानित हुए पलामू का आयुष

मेदिनीनगर/ देश के चर्चित टाइगर रिजर्व में से एक महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिजर्व में पलामू के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर सह मीडिया इन्फ्लुएनसर आयुष सिंह को सम्मानित किया गया। मेलाघाट में एक कार्यक्रम के तहत 27 सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को आमंत्रित किया गया था, जिसमे आयुष भी शामिल थे। इस अभियान का उद्देश्य मेलघाट की जैव विविधता, प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। आयुष ने बताया कि मेलघाट के घने जंगलों, वन्यजीवों और शांत वातावरण को करीब से अनुभव किया। साथ ही, उन्हें जंगल सफारी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में गहराई से जानकारी प्राप्त हुई। आयुष ने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि ऐसे अभियान न केवल पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि लोगों को प्रकृति के करीब लाकर संरक्षण के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के बाद अधिकारियों ने इंफ्लुएंसर्स को सम्मानित भी किया।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रशिक्षुओं ने सीटीईटी परीक्षा में सफलता प्राप्त की

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के बी. एड. एवं डी.एल. एड. सत्र 2024. 26 एवं 2025-27 के प्रशिक्षुओं ने सीबीएसई द्वारा विगत माह फरवरी में आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की। प्रशिक्षु बुशरा अशरफ, दीपा नाथ, जूली कुमारी, काजल कुमारी, मो. शोएब अंसारी, नंदनी कुमारी, नेहा प्रिया, नुशरत जहां, पूनम कुमारी, रवीना कुमारी, संजय कुमार दास, शिव कुमार, सृष्टि कुमारी, सुलेखा कुमारी एवं तमन्ना प्रवीण , आंचल चौरसिया, अरविंद कुमार, दीपक कुमार, देवदत्त कुमार लाल, हिमांशु कुमार, इंसाद, कविता पाण्डेय, खुशबू कुमारी, मो. निशारूल, मिस्बाउद्दिन, निलेश कुमार, रूपा कुमारी, सौरभ कुमार, शाइस्ता प्रवीण, सुजीत कुमार, विकाश कुमार, दीपक कुमार यादव, लक्ष्मी कुमारी, मो. अजाज आदि प्रशिक्षुओं ने अपने प्रथम प्रयास में ही परीक्षा उत्तीर्ण होकर महाविद्यालय का गौरवान्वित किया। प्रशिक्षुओं ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन एवं निरंतर सहयोग को ही सफलता का मंत्र बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के चेयरमैन मनीष कपसीमे, सचिव अविनाश कुमार सेठ, मुख्य परिचालन अधिकारी तनिष्क सेठ एवं प्राचार्य ने सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उनके कड़ी मेहनत, सतत प्रयास, समयबद्धता एवं शिक्षकों के संपूर्ण मार्गदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी साथ ही कहा कि महाविद्यालय निरंतर प्रशिक्षुओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु प्रयासरत है।

एक नजर

डॉ नीरा यादव सामान्य प्रयोजन समिति की सभापति बनीं, कार्यकताओं ने दी बधाई

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के तहत विधानसभा की 25 समितियों का पुनर्गठन किया है। इस बाबत अधिसूचना भी जारी हो गई है। कोडरमा से भाजपा विधायक डॉ नीरा यादव को सामान्य प्रयोजन समिति का सभापति बनाया गया है। इस महत्वपूर्ण समिति का सभापति के साथ ही विधानसभा के नियम समिति का सदस्य बनाए जाने पर भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है। बधाई देने वालों में भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, महामंत्री विजय यादव, सूरज प्रताप, गोपाल कुमार गुतुल, युवा मोर्चा के प्रोफेसर राजेश सिंह, मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी, इंद्रदेव वर्णवाल, सुनील पंडित, प्रिया यादव, सुजीत मेहता, सुनील मेहता, संजय पासवान, सुनील यादव, सुनील भारती, सुरेंद्र यादव, शंभू सिंह, नरेश यादव, रंजीत सिंह, विनोद यादव, चंद्रशेखर जोशी, मंटू चौधरी, पुरुषोत्तम सिंह, मुकेश राम, परमेश्वर यादव, संजीव यादव, विनोद कुमार मुन्ना, लक्ष्मण रजक, सुदीप्तो घोष, चंदन चक्रवर्ती, दिनेश सिंह, पारिजात सिंह, विजय सिंह, राजकुमार यादव, विजय दास, राजा यादव, सौरभ कुमार, अजय पांडेय, किशोर यादव, रोहित मेहता, सुभाष मेहता, नंदलाल मुर्मू, जयशंकर सिंह समेत अन्य लोग शामिल हैं।

डोमचांच नगर पंचायत की पहली बोर्ड बैठक में होल्डिंग टैक्स कम करने समेत कई प्रस्ताव पारित

नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच। नगर पंचायत चुनाव के बाद गुरुवार को डोमचांच नगर पंचायत की पहली बोर्ड बैठक आयोजित की गई, जिसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में विधायक डॉ नीरा यादव, कार्यपालक पदाधिकारी शम्भु प्रसाद कुशवाहा, नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा, उपाध्यक्ष अजय साव सहित सभी वार्ड पार्षद मौजूद रहे। बैठक का सबसे अहम निर्णय होल्डिंग टैक्स कम करने को लेकर लिया गया। नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा ने बताया कि क्षेत्र इको सेंसिटिव जोन में होने और उद्योग. धंधों की सीमित संभावनाओं को देखते हुए उपायुक्त को आवेदन देकर सर्किल रेट कम करने की मांग की जाएगी, ताकि लोगों को होल्डिंग टैक्स में राहत मिल सके। इसके अलावा डोमचांच हाट बाजार की बंदोबस्ती के लिए टेंडर राशि कम कर पुनः टेंडर प्रक्रिया कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में नगर क्षेत्र में 20 हाई मास्ट लाइट लगाने, चापाकलों की मरम्मत स्थानीय मिस्त्रियों से कराने और सार्वजनिक सामुदायिक शौचालय निर्माण का भी प्रस्ताव पारित किया गया। शहर में जाम की समस्या, साफ. सफाई व्यवस्था मजबूत करने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा हुई। साथ ही अब जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए होल्डिंग टैक्स जमा करना अनिवार्य नहीं रहेगा। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के फ्रीज खातों को खोलने और किसी परिवार में मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए मुफ्त पानी टैंकर उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। नगर अध्यक्ष ने कहा कि टैक्स वसूली कम होने के बावजूद विकास कार्यों को गति दी जाएगी। बैठक में नगर प्रबंधक निखिल किरण के साथ अन्य मौजूद थे।

मरकच्चो में बजरंग दल ने निकाली भव्य शोभायात्रा, जय श्रीराम के नारों से गूंजा इलाका

नव प्रदेश संवाददाता/मरकच्चो। हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर गुरुवार को बजरंग दल मरकच्चो के द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मरकच्चो ब्लॉक चौक स्थित हनुमान मंदिर से डीजे, गाजे-बाजे और भगवा झंडों के साथ शुरू हुई। दर्जनों युवाओं ने अपनी-अपनी बाइक पर भगवा झंडा लगाकर जय श्रीराम के नारों के साथ पूरे इलाके का भ्रमण किया। शोभायात्रा हनुमान मंदिर से निकलकर श्रीनगर, ब्लॉक चौक, पुनर्वास, थाना चौक होते हुए बड़ा अखाड़ा, बंधन चौक सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए पुनः हनुमान मंदिर पहुंची, जहां शोभायात्रा का समापन किया गया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया और भगवान हनुमान के जयकारे लगाए। इस दौरान माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा और जगह-जगह लोगों ने शोभायात्रा में शामिल लोगों को जलपान भी कराया। कार्यक्रम में उत्तरी पंचायत के मुखिया रंजीत कुमार सिंह, बजरंग दल के वरिष्ठ कार्यकर्ता सुरेंद्र प्रताप सिंह, नकुल देव यादव, रमेश सिंह, सतीश सिंह, मंटू उर्फ रवि शंकर तिवारी, रवि सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता और श्रद्धालु मौजूद थे।

चौपारण में सूफी संत दूलाह फतह उद्दीन गाजी शाह बाबा के उर्स को लेकर प्रशासन अलर्ट

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के ग्राम पंचायत चयकलां स्थित सूफी संत हजरत दूलाह फतह उद्दीन गाजी शाह बाबा के तीन दिवसीय वार्षिक उर्स को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। उर्स को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में व्यापक तैयारी की जा रही है। उर्स को लेकर चौपारण थाना परिसर में उर्स कमिटी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुखिया प्रतिनिधि मौलाना हेलाल अख्तर, पंसस प्रतिनिधि मो. फैजान अजमेरी, पूर्व मुखिया मो. सफाउद्दीन निजामी, मो. मतिउल्लाह, अनीश रजा, नाजिम हुसैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विधि-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन एवं आपसी समन्वय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने सभी संबंधित पक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि बरही प्रशासन की ओर से मेला कमिटी एवं वोलेंटियर्स के लिए व्हाइट टी-शर्ट उपलब्ध कराई गई है, ताकि ड्यूटी के दौरान उनकी पहचान सुनिश्चित की जा सके। बैठक के उपरांत थाना प्रभारी ने उर्स स्थल का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने दरगाह परिसर का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश दिए, ताकि उर्स में आने वाले जायरीनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान अंजुमन कमिटी के अध्यक्ष ताहिर हुसैन, सचिव फसीह उद्दीन, कोषाध्यक्ष मो. बदरुद्दीन, आसिम रजा, आफताब ललन, जीशान अहमद, हसीन अहमद, इकबाल, भोला, राजन ड्राइवर, हैदर अली, एक्सार रजा, अनवर अहमद, प्यारे हसन सहित उर्स कमिटी के कई सदस्य उपस्थित रहे।

सार्वजनिक रास्ते को लेकर पवई गांव में विवाद, दो पक्षों में मारपीट

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के पवई गांव में सार्वजनिक रास्ते से आवागमन को लेकर गंभीर विवाद का मामला सामने आया है, जिससे दो पक्षों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में पवई निवासी प्रेम कुमार (उम्र करीब 25 वर्ष), पिता डेगलाल साव ने चौपारण थाना में लिखित आवेदन देकर गांव के 23 नामजद सहित अन्य अज्ञात लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार, आरोपितों ने संगठित होकर सार्वजनिक रास्ते से आने-जाने का विरोध किया। प्रेम कुमार ने बताया कि 1 अप्रैल को आरोपितों ने उन्हें रास्ते में रोककर मारपीट की और उनके गले से सोने का बजरंगबली लॉकेट छीन लिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे मीणा देवी, अनिता देवी, वर्षा देवी, भागीरथ साव और विकास साव के साथ भी मारपीट की गई। आवेदन में यह भी आरोप है कि महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए साड़ी खींचकर लज्जा भंग की गई तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के बाद से पीड़ित परिवार भय और तनाव में है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की बात कही है। वहीं, दूसरे पक्ष के अशोक सिंह ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि भागीरथ साव द्वारा गांव के कुछ युवकों को भड़काकर गाली-गलौज की जा रही थी। मना करने पर उनके साथ मारपीट की गई। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की जांच में जुटी है और सच्चाई सामने आने का इंतजार है।

कमिश्नर ऑफिस में विजिलेंस का बड़ा ऐक्शन

1.70 घूस लेते मुंगेर आयुक्त का पेशकार गिरफ्तार

नवप्रदेश/पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को मुंगेर में बड़ी सफलता हाथ लगी। टीम ने प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय में छापेमारी करके पेशकार मुकेश कुमार को 1.70 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। विजिलेंस टीम मुकेश कुमार को अपने साथ ले गई है। मुकेश सालों से इस पद पर तैनात था और अपने पद से सबको हड़काता भी था। जानकारी के अनुसार, पेशकार मुकेश कुमार एक जमीन से संबंधित कोर्ट केस के निपटारे के एवज में पक्षकार से मोटी रकम की मांग कर रहा था। पीड़ित की शिकायत पर ब्यूरो ने मामले का सत्यापन कराया और जाल बिछाकर छापेमारी की। जैसे ही पेशकार ने रिश्वत की राशि हाथ में ली, सादे लिबास में तैनात निगरानी की टीम ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तार पेशकार से पूछताछ की जा रही है। बता दें कि मुंगेर जिले में निगरानी विभाग की यह पहली बड़ी 'ट्रैप' कार्रवाई मानी जा रही है। मुकेश कुमार पिछले तीन वर्षों से इस पद पर तैनात था। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपी को अपने साथ पटना ले गई है, जहां उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य की शपथ लेंगे नीतीश कुमार, सीएम पद से इस्तीफा कब देंगे?

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने को लेकर नया अपडेट सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ लेंगे, इसी दिन अन्य सदस्यों की भी शपथ होनी है। इसके लिए, नीतीश कुमार 9 अप्रैल को दिल्ली रवाना होंगे।

बिहार में नई सरकार का गठन कब?

वहीं, बिहार की राजनीति में ये एक बड़ा सवाल है कि आखिर नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा कब देंगे? ऐसा इसलिए भी क्योंकि उनके इस्तीफा देने के बाद ही बिहार में बीजेपी के नेतृत्व में सरकार बनने का रास्ता साफ हो पाएगा। माना जा रहा है कि 14 अप्रैल को खरमास के समाप्त होने के बाद बिहार में नई सरकार का गठन होगा। जेडीयू सूत्रों के मुताबिक राज्यसभा की शपथ लेने के बाद ही नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के तौर पर अपना इस्तीफा सौंपेंगे। 10 अप्रैल को शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार अगले दिन पटना जाकर राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं।

नीतीश कुमार की Z+ सिक्योरिटी को लेकर बड़ा फैसला

वहीं, आपको बता दें कि बिहार की राजनीति में हो रहे बदलावों के बीच नीतीश कुमार की सिक्योरिटी को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया है। मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के बाद भी नीतीश कुमार को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मिलती रहेगी। गृह विभाग की विशेष शाखा ने इससे जुड़ा आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि नीतीश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत सुरक्षा अनुमान्य है।

पहले विधानसभा में कमेटी की कमान और अब राजद एमएलए फैसल रहमान की नीतीश से मुलाकात

नवप्रदेश/निरंकार भास्कर- बिहार में पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक हलचल तेज है। अब राष्ट्रीय जनता दल के एक बागी विधायक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पटना में मुलाकात की है। ढाका से राजद के बागी विधायक फैसल रहमान के मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद अलग-अलग अटकलें लगाई जा रही हैं। फैसल रहमान ने अपने फेसबुक पेज पर इस मुलाकात की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। हालांकि, फैसल रहमान ने खुद इस मुलाकात को एक औपचारिक मुलाकात बताया है लेकिन राजद में बागी तेवर अपना चुके फैसल रहमान

की सीएम से मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में फैसल रहमान पाला भी बदल सकते हैं। हालांकि, अभी इसपर कुछ भी स्पष्ट नहीं है और यह बातें सिर्फ कयासबाजी ही हैं। बहरहाल सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात तस्वीरों को शेयर करते हुए राजद विधायक ने लिखा, 'ढाका क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर आज बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान क्षेत्र के चौमुखी विकास हेतु सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, सिंचाई एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक आश्वासन दिया तथा क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से ढाका के विकास को नई गति मिलेगी और आमजन को इसका व्यापक लाभ प्राप्त होगा।' यहां आपको बता दें कि हाल ही में बिहार विधानसभा की जिन 20 कमेटियों का गठन हुआ है उसमें फैसल रहमान को भी शामिल किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने इसके गठन को मंजूरी दी थी। इसमें राजद के बागी विधायक फैसल रहमान को गैर सरकारी विधेयक एवं संकल्प समिति का चेयरमैन बनाया गया था। इतना ही नहीं इस कमेटी में कांग्रेस के बागी मनोहर सिंह को प्रत्यायुक्त विधान समिति का सभापति बनाया गया था।

एक नजर

चौतरवा के मंडल मार्केट में जीनोम कोचिंग सेंटर का भव्य शुभारंभ, शिक्षा को नई दिशा देने का संकल्प

नवप्रदेश/चौतरवा। संवाददाता। चौतरवा स्थित मंडल मार्केट में गुरुवार को जीनोम कोचिंग सेंटर का भव्य शुभारंभ विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में

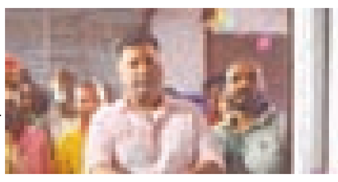

भाजपा नेता तुषार सिंह उपस्थित रहे, जबकि कोचिंग सेंटर के निदेशक शत्रुघ्न यादव ने कार्यक्रम की अगुवाई की। शुभारंभ कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और शिक्षा प्रेमी बड़ी संख्या में शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-पाठ से हुई, जिसमें पूरे विधि-विधान के साथ हवन एवं मंत्रोच्चार किया गया। इसके बाद फीता काटकर कोचिंग सेंटर का औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने केंद्र की सफलता और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं संचालनकर्ता पूर्व मुखिया धनंजय यादव इस मौके पर पूर्व मुखिया अशोक यादव, वर्मा यादव, पूर्व प्रधानाचार्य हीरालाल प्रसाद यादव, उप सरपंच राम जतन, सरपंच प्रतिनिधि जगरनाथ यादव, ललन राम, शंभू प्रसाद,पैक्स अध्यक्ष धुप यादव, प्रमोद प्रसाद काजू, कृष्णा प्रसाद यादव सहित दर्जनों स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने कोचिंग सेंटर के इस पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

शाहपुर के सरना दियरा रमतलही बधार में आग लगने सैकड़ों एकड़ में लगी गेंहू की फसल जलकर राख

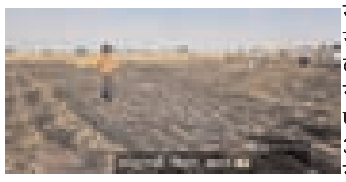

नवप्रदेश/शाहपुर। प्रखंड के सरना पंचायत मौजा, किसानों की लगी रमतलही दियरा में सैकड़ों एकड़ में लगी गेहूँ की फसल जलकर राख हो गई। आग की घटना बिजली शर्ट सर्किट से होने की चर्चा बताई जाती है। घटना गुरुवार की दोपहर की बताई गई है। आग की लपटें इतनी भयावह थी कि प्रशासन को फायर ब्रिगेड बुलाया गया तबतक सभी बधार में लगी फसल जलकर राख हो गई थी। आग पर काबू पाने के लिए पंचायत के मुखिया बीरबल सिंह,112 की पुलिस के अलावे करनामेपुर थानाध्यक्ष कन्हैया कुमार सहित भारी संख्या में किसान शामिल है। जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई हैं उनमें वैत यादव, दशरथ पासवान ,निशांत मिश्रा, पतिराम राम, कन्हैया सिंह सहित बीस पच्चीस किसान शामिल है। पंचायत के मुखिया बीरबल सिंह ने आग लगने की सूचना अंचल प्रशासन को दिया है। सभी चिन्हित किसानों की सूचि करनामेपुर थाना में दे दिया है। मुखिया ने बताया कि सभी किसानों को उचित क्षतिपूर्ति मुआवजा दिलाने की मांग जिला प्रशासन भोजपुर से की है।

पुलिया ध्वस्त होने से आवागमन प्रभावित

नवप्रदेश/पीरो। पीरो प्रखंड अंतर्गत रजेयां गांव से रजेयां बथान होते हुए स्टेट हाइवे 102 को जोड़ने वाली सड़क पर बनी पुलिया ध्वस्त होने से आवागमन के साथ-साथ खेतों में पटवन का कार्य भी प्रभावित

हो रहा है। यह स्थिति पिछले कई महीनों से बनी हुई है। सड़क निर्माण कार्य में प्रयुक्त निम्न कोटि की सामग्री व भारी वाहनों के परिचालन के कारण पुलिया के ऊपर की सड़क पूरी तरह धंस गई है। जिससे होकर वाहनों का परिचालन संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में बड़े वाहनों का आवागमन नहीं हो पा रहा है। यह सड़क रजेयां सहित इस क्षेत्र के आस पास गांव के लोगों को आने जाने के लिए काफी सुगम रास्ता है लेकिन पुलिया के ऊपर सड़क क्षतिग्रस्त होने से बड़ी गाड़ियों की आवागमन बिल्कुल ही बंद है। जिसके कारण लोगों को घर पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। यह सड़क एक साल पहले ही बनी थी जो निर्माण के दो माह बाद ही जगह जगह ही टूट गई। उसी समय से ही वाहनों का आवागमन बाधित है । सड़क के दोनों तरफ झाड़ियां लगी होने के कारण सड़क सकरी हो गई है जिससे घटना होने की भी आशंका बनी रहती है। स्थानीय ग्रामीणों ने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों से जल्द इस समस्या का निराकरण कर लोगों को परेशानी से निजात दिलाने की गुहार लगाई है।

मसौढी नगर परिषद क्षेत्रों में नल-जल पानी हजारों हजार लीटर बर्बाद हो रही है।

नवप्रदेश/मसौढ़ी। मसौढी नगर परिषद क्षेत्रों में वार्ड पार्षद 32 है, और सभी वार्ड में नलजल पानी बर्बाद हो रहा है। इसके लिए नगर परिषद कोई ध्यान नहीं दे रही है। हजारों हजार लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। पानी पीने को नहीं मिलती है, कई वार्ड में कनेक्शन भी नहीं है। पानी बर्बाद होने से रोकना चाहिए ताकि आमजनों तक पानी नहीं पहुंचती है। कई वार्ड में पाइप फट जाने से पानी बर्बाद हो रही है। और आमजनों परेशान हैं। नगर परिषद पूरी टीम कोई ध्यान नहीं दे रहा है। और खासकर गली-गली में कई वार्ड में स्लेप नहीं ढाका गया है। जिसे दुर्घटना बराबर हो रही है, नगर परिषद का घोड़ लापरवाही। और नगर परिषद क्षेत्रों में साफ सफाई अच्छी तरह से नहीं हो रहा है।साफ सफाई नल-जल के नाम पर लाखों रूपए का टेंडर होता है ताकी मसौढी में साफ सफाई नल-जल पानी हजारों हजार लीटर बर्बाद हो रहा है।और मसौढी में चलने लायक रोड भी नहीं है। जर्जर है। नहीं बन रहा है कई सालों से 2 दिन पहले रेलवे गुमटी पर ईरिक्शा पलट गया है।

प्रो शम्भू शरण सिंह को सेवानिवृत होने पर, दी गई बिदाई

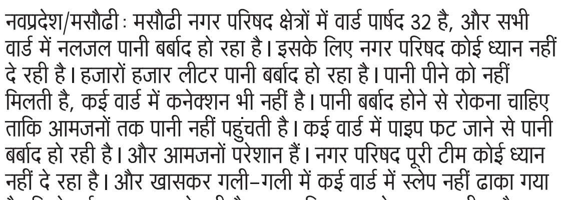

नवप्रदेश/डेहरी। स्थानीय महिला कालेज डालमियानगर इतिहास विभाग के प्रोफेसर डा . शंभू शरण सिंह के सेवानिवृत्ति समारोह बुधवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हिंदी विभाग के सहायक डा . हरेंद्र कुमार सिन्हा ने प्रो सिंह के चार दशक की इस कालेज में दिए गए योगदान की चर्चा की' प्रधानाचार्य डा. अशोक कुमार और वि के एस यू के मानविकी संकाय के डीन डा.शंभू शरण शर्मा ने डा. सिंह की लंबी और विशिष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास में इनके योगदान की सराहना की और इन्हें महान शिक्षाविद कही 'पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य डा.दिग्विजय सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट करके डा.सिंह को सम्मानित किया। संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भी सम्मान के प्रतीक भेंट कर अपना आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ प्रोफेसर डा.पुष्पा महाराज ने अपने विचार साझा किए, जिसके बाद गृह विज्ञान विभाग की डॉ. उपासना ने भी अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त किए। सेवानिवृत्त डा. सिंह कालेज में अपने कार्य अनुभव को स्नेहपूर्वक याद किया। संगीत विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम समापन हुआ' जिसमें संगीत विभाग की डा.गिन्नी कुमारी और संगीता साही ने प्रस्तुति दी। अंग्रेजी विभाग की डॉ. स्मिता सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। मौके पर सेवानिवृत्त डा. सिंह के स्वजन व महाविद्यालय के पूर्व संकाय सदस्यों के साथ-साथ शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी भी उपस्थित थे।

खेसारी लाल के शो में बवाल, स्टेज छोड़कर भागे

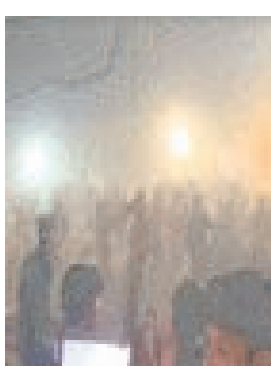

नवप्रदेश/मुजफ्फरपुर गरहां स्थित अर्जुन बाबू पशु मेला इन दिनों किसी फिल्मी सेट से कम नहीं दिख रहा है। पहले महिला डांसरों के कार्यक्रम में हुई हाथापाई से हंगामा मचा और अब भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव के शो में हालात बेकाबू हो गए। बुधवार शाम आयोजित कार्यक्रम में हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। जैसे ही खेसारी लाल यादव का शो शुरू हुआ, मंच के करीब पहुंचने की होड़ में लोग आपस में भिड़ गए। धक्का-मुक्की इतनी बढ़ गई कि बैरिकेडिंग टूट गई और कई लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। देखते ही देखते मेला स्थल अफरा-तफरी में बदल गया। स्थिति बिगड़ती देख कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिससे वहां भगदड़ जैसे हालात बन गए। लोग इधर-उधर भागने लगे और पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव जैसे ही मंच पर पहुंचे लोगों ने हूटिंग शुरू कर दी, और स्टेज पर जूते-चप्पल फेंकने लगे। लोग स्टेज की तरफ बढ़ने लगे। वे उसके साथ सेल्फी लेना चाहते थे। लेकिन मेला में तैनात प्राइवेट गार्ड ने लोगों को रोकने की कोशिश की तो दर्शकों और गार्ड्स के बीच मारपीट शुरू हो गई। लोगों ने मंच पर भी पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। माहौल बिगड़ते देख खेसारी लाल यादव वहां से निकल गए। बताया जा रहा है कि लोग अपने पसंदीदा स्टार खेसारी लाल यादव की एक झलक पाने के लिए भारी संख्या में पहुंचे थे। लेकिन पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण हालात बिगड़ गए। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पूरे आयोजन के मुख्य आयोजक पूर्व मंत्री और भाजपा नेता राम सूरत राय हैं। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

एस पी की सूझबूझ से टली बड़ीअनहोनी, सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का प्लान फेल, चार हुए गिरफ्तार

नवप्रदेश/बेतिया। जिला पुलिस कप्तान,डॉक्टर शौर्य सुमन की सूझबूझ से एक बड़ी घटना होते-होते बच गई। इस घटना में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने केआरोप में चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है,साथ ही बंधक बनाए, एक युवक को भी छुड़ा लिया गया है। बेतिया पुलिस के तत्परता,सूझबूझ से एक गंभीर घटना को समय रहते टाल दिया गया। पुलिसअधीक्षक,डॉक्टर शौर्य सुमन के कुशल निर्देशन में बैरिया थाना क्षेत्र के फातु - छप्पर गांव में ग्रामीणों द्वारा बंधक बनाए गए एक युवक को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया,इस पूरी कार्रवाई में सदर 2 डीएसपी, रजनीकांत प्रियदर्शी के साथ बैरिया थानाध्यक्ष,प्रमोद यादव का महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने आक्रोशित भीड़ के बीच पहुंचकर न केवल युवक की जान

बचाई,बल्कि स्थिति को भी नियंत्रण में कर लिया। बैरिया पुलिस से मिली जानकारी केअनुसार,फातू - छप्पर में एक युवक को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाअध्यक्ष,प्रमोद यादव दलबल के साथ मौके पर पहुंचे,उन्हें आक्रोशित ग्रामीणों के कड़े विरोध, अभद्र व्यवहार का भी सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने पुलिस कार्य में बाधा उत्पन्न की,लेकिन पुलिस ने साहस का परिचय देते हुए युवक को सुरक्षित मुक्त कर लिया। जांच में यह बात सामनेआई है कि गांव की एक नाबालिक लड़की का सुबह से गायब होने का परिजनों ने प्रेम प्रसंग में अपहरण करने के जुर्म में युवक को बंधक बना लिया था।पुलिसअधीक्षक के निर्देश पर डीएसपी,रजनीश कांत प्रियदर्शी ने मामले की गहन जांच की,जिसमें पता चला कि लड़की अपने एक रिश्तेदार के घर चली गई थी, जिसे बाद में सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इस मामले में पुलिस ने युवक को बंधक बनाने,सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का प्रयास करने और सरकारी कार्यों में बाधा डालने के आरोप में एक नई प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सतीश कुमार,राधेश्याम कुमार,राहुल कुमार,श्रीकांत कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा विद्यार्थियों में अनुशासन

नवप्रदेश/सासाराम। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, माध्यमिक शिक्षा, रोहतास प्रियंका कुमारी के निर्देशानुसार शंकर उच्च विद्यालय तकिया सासाराम में 02-04-2026 को जिला स्तरीय भारत स्काउट और गाइड के स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिला संगठन आयुक्त, स्काउट अरविन्द कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुई, जिसमें जिले के शिवसागर, चेनारी करगहर, कोचस, दिनारा बिक्रमगंज, सूर्यपुरा,दावथ और नौहट्टा प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्काउटिंग गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं सक्रिय बनाना,आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा और नेतृत्व क्षमता का विकास करना था। इस अवसर पर जिला संगठन आयुक्त ने सभी स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन

को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है, स्काउट की शुरूआत 1907 ईसवी में इंग्लैंड के ब्राउन सी द्वीप से हुआ था और भारत में स्काउट 1909 ईसवी में एवं गाइड की शुरुआत 1911 ईसवी में हुआ उस समय भारत में बॉयज स्काउट, बॉय स्काउट संगठन, गर्ल गाइड इन इंडिया,बालचर सेवा समिति एवं विभिन्न छोटे-छोटे स्काउट संगठनों के नाम से चलाया जा रहे थे संविधान लागू होने के बाद भारत में 7 नवंबर 1950 ई को सभी छोटे-छोटे संगठनों को एक में विलय करके दी भारत स्काउट और गाइड नाम रखा गया तब से आज तक भारत में स्काउट और गाइड के नाम पर केवल दी भारत स्काउट और गाइड ही वास्तविक और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन है। इस मौके पर कोषाध्यक्ष भारत स्काउट और गाइड ऋषिकेश कुमार झा ने कहा की सभी विद्यालयों में यूनिट संचालन को मजबूत करने, नियमित प्रशिक्षण आयोजित करने तथा अधिक से अधिक छात्रों को इस आंदोलन से जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में आगामी प्रशिक्षण शिविर, सेवा कार्य, रैली एवं अन्य गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, सभी स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन से अपने-अपने विद्यालयों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। अंत में प्रभारी प्रधानाध्यापक शंकर उच्च विद्यालय तकिया अजय कुमार ने सभी उपस्थित स्काउट मास्टर और गाइड कैप्टन को संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प दिलाया।

नीतीश की बेटी होती, तो शायद उन्हें भी दर्द समझ में आता, अपराधी खुले घूम रहे हैं

नवप्रदेश/पटना: नालंदा जिले में हाल ही में हुए दो घटनाओं के मामले में जन सुराज के वरिष्ठ नेता पटना से गुरुवार को नालंदा पहुंचे। सबसे पहले नालंदा के नूरसराय थाना क्षेत्र के एक गांव में कुछ बदमाशों ने एक विवाहिता के साथ सार्वजनिक रूप से दुष्कर्म का प्रयास किया था, मामले में पार्टी के नेता पीड़िता के परिजनों से मिले और घटना की जानकारी ली। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक किशोर कुमार (मुन्ना) ने कहा कि जो घटना घटी है वह वहशी-दरिंदगी भरी है। बेटियों की इज्जत लूटी गई, ये शर्मसार करने वाली दर्दनाक घटना है। उससे भी ज्यादा भयावह ये है कि प्रशासन सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। पीड़िता के साथ गलत करने वाले अपराधी आज छूटे घूम रहे हैं, उनकी अवतक गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्रशासन सिर्फ आईवॉश कर रही है। राज्य से इस तरह की घटना

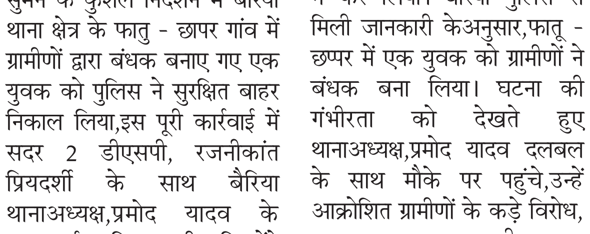

लगातार घट रही है। ये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जिला है, ज्ञान की धरती है। इस तरह की घटनाओं से बिहार की छवि देश में खराब हो रही है। नीतीश कुमार को समझना चाहिए, शायद उन्हें बेटियों के महत्व की जानकारी नहीं। जिस तरह बेटियों के साथ अत्याचार-दुष्कर्म हो रहा है। यहां दुष्कर्म करने की कोशिश की गई, नीतीश कुमार जी की अगर बेटी होती, तो शायद उन्हें भी दर्द समझ में आता। उनका एक बेटा है, जिसे वे राज सिंहासन पर बैठाना चाह रहे हैं। उन्हें बेटियों की चिंता नहीं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को घेरते हुए कहा कि सबसे दुर्भाग्य है कि जो नेता प्रतिपक्ष हैं वे भी मामले में चुप्पी साधे हैं। अब क्यों नहीं वे इस तरह की घटनास्थल पर जाकर प्रतिरोध जाहिर करते? बिहार की मां-बहू, बहन उनसे ये सवाल करती हैं कि आप कब प्रतिपक्ष की आवाज बनिएगा? कब आप उन पीड़िता, जिसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया है, मिथिलेश जैसी घटना दोहराई जा रही है, उसकी आवाज बनिएगा? सड़क पर उतरकर पीड़ितों की आवाज बुलंद कीजिएगा? जबसे सम्राट चौधरी को गृहमंत्री बनाया है, 3 महीनों से बिहार का ऐसा कोई कोना नहीं बचा जहां आपराधिक घटनाएं न हो रही हों। किशोर कुमार किशोर कुमार मुन्ना ने कहा कि सबसे बड़ी बात है, बिहार में जो सत्ता परिवर्तन हुआ, उसमें सबसे ज्यादा वोट उन्हें महिलाओं ने ही दिया। भले ही महिलाओं ने 10 हजार रुपए लेकर वोट दिया हो, लेकिन उनको ही जिताया। इधर, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को भी मामले में घेरते हुए किशोर कुमार मुन्ना ने कहा कि जबसे सम्राट चौधरी को गृहमंत्री बनाया है, बीते 3 महीनों से बिहार का ऐसा कोई कोना नहीं बचा जहां आपराधिक घटनाएं न हो रही हों। प्रत्येक दिन बिहार की महिलाओं-अबलाओं की इज्जत लूटी जा रही है। बिहार की बेटी-बहनें असुरक्षित हैं। भारतीय जनता पार्टी और एनडीए को कौन मुख्यमंत्री बनेगा इससे फुर्सत नहीं मिल रही है कि वे राज्य की कानून व्यवस्था को संभाल सकें।

एक नजर

भोजपुर में सड़क निर्माण एवं स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज प्रणाली के कार्यों का जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

नवप्रदेश/भोजपुर। जिला पदाधिकारी, भोजपुर तनय सुल्तानिया ने चंदवा-बंधानी सड़क, आरण्य देवी मंदिर (आरा) से आरा-बक्सर फोर लेन पथ

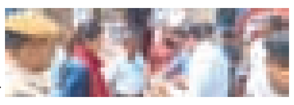

एवं स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज प्रणाली के निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थल निरीक्षण किया। यह कार्य मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान घोषित किए गए थे। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही जिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त, भोजपुर एवं अनुमंडल पदाधिकारी, आरा सदर को निर्देशित किया कि सड़क एवं नाला निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहे सभी अतिक्रमणों को अविलंब हटाना सुनिश्चित करें, ताकि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो। इस अवसर पर नगर आयुक्त, भोजपुर, अनुमंडल पदाधिकारी, आरा सदर, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता, बुडको के परियोजना अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

200 युवाओं को मिलेगी नौकरी, 6 अप्रैल से शुरू होगा छह प्रखंडों में जॉब कैम्प

नवप्रदेश/बेतिया। पश्चिम चम्पारण के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का एक बेहतरीन अवसर सामने आया है। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, प० चम्पारण, बेतिया द्वारा जिले के छह विभिन्न प्रखंडों में जॉब कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 06 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 11 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को उनके कौशल के अनुरूप निजी क्षेत्र में प्रतिष्ठित पदों पर नियुक्त करना है। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि सभी संबंधित प्रखंडों के परिसर में जॉब कैम्प का आयोजन प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा। इस दौरान इच्छुक अभ्यर्थी नियोजक से सीधे रूबरू होकर जॉब प्रोफाइल, कंपनी की नीतियों और भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। अभ्यर्थी मौके पर ही अपना आवेदन और बायोडाटा जमा कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 200 रिक्त पदों को भरा जाना है, जिसमें सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर की भूमिकाएं शामिल हैं। चयनित उम्मीदवारों को 17,000 से 23,000 तक का मासिक वेतन दिया जाएगा, जिसमें (भविष्य निधि) और एरबढ़ जैसी अन्य सरकारी सुविधाएं भी शामिल होंगी। शैक्षणिक योग्यता के तौर पर 10वीं और 12वीं पास होना अनिवार्य है, जबकि आयु सीमा 20 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है। सफल उम्मीदवारों को अखिल भारतीय स्तर पर कार्य करने का मौका मिलेगा।

भीषण अग्निकांड: मुख्य पार्षद के आवास में लगी आग, लाखों की संपत्ति राख

नवप्रदेश/जगदीशपुर/ जगदीशपुर नगर पंचायत के मुख्य पार्षद संतोष कुमार यादव के आवास पर गुरुवार की सुबह भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। इस अगलगी में घर में रखे लाखों रुपये के सामान जलकर खाक हो गए। आग इतनी भयावह थी कि उसे बुझाने के लिए दमकल की एक बड़ी और दो छोटी गाड़ियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मिली जानकारी के अनुसार, आग लगने का प्राथमिक कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सुबह के समय जब अचानक धुएं का गुबार और आग की लपटें उठीं, तो पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। गनीमत यह रही कि समय रहते मुख्य पार्षद के परिवार के सभी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

पूजा अर्चना के बाद भव्य भंडारा का आयोजन

नवप्रदेश/प्रतिनिधि,सूर्यपुरा/ दावथ एवं सूर्यपुरा प्रखंड में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान मंदिर एवं सिद्धेश्वर नाथ मंदिर के प्रांगण में बड़े ही श्रद्धा के साथ पूजा अर्चना के बाद भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें दोनों प्रखंड क्षेत्र के

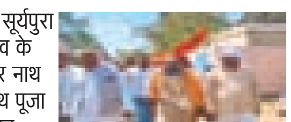

विभिन्न गांव के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने अहले सुबह से देर शाम तक सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं सुंदर कांड पाठ में भाग लिया। दावथ प्रखंड अंतर्गत पावन देवढ़ी धाम के सिद्धेश्वर नाथ मंदिर के प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सुबह सात बजे से ही श्रद्धालु भक्तों के द्वारा कलश स्थापना के साथ ही वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना की शुभारंभ की गई .वहीं सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ ,रामचरितमानस सुंदरकांड पाठ, दीप ज्योति, आरती, भजन, सत्संग एवं हवन के साथ ही संध्या में प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया गया. वही सूर्यपुरा प्रखंड के सदर पंचायत अंतर्गत पश्चिम मोहल्ला के पुनर्निमित हनुमान मंदिर महावीर चौतारा से हनुमान मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ को लेकर यज्ञ बाबा विंध्य कुंडा अखाड़ा अयोध्याधाम से आए श्री श्री 1008 श्री देवनारायण दास खंडेसरी जी महाराज के नेतृत्व में यज्ञ का झंडा जुलूस निकाल कर जय श्री राम का जयकारा लगाते हुए समूचे गांव में भ्रमण किया. जुलूस में स्थानीय लोगों की काफी भीड़ रही. वहीं बंगला चौक स्थित हनुमान मानस मंदिर में श्रद्धालु भक्तों के द्वारा भजन कीर्तन के साथ ही भव्य भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय बलिहार ,बारून, सूर्यपुरा, खरोज के साथ ही कई अन्य गांव के श्रद्धालु भक्तों ने शामिल होकर पूजा अर्चना में भाग लिया. हनुमान जन्मोत्सव पर दावथ प्रखंड एवं सूर्यपुरा प्रखंड के विभिन्न गांव के हनुमान मंदिर में भक्तों द्वारा भव्य सजावट के साथ पूजा अर्चना किया गया।

पाठ्य पुस्तक मिलने के बाद खुश हुए बच्चे

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, सूर्यपुरा। बिहार शिक्षा परियोजना के द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के सत्र शुरू होने के साथ ही वर्ग एक से लेकर आठवीं वर्ग के बच्चों के बीच पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया. विभागीय सूत्रों के अनुसार स्थानीय

प्रखंड में कुल 74 प्रतिशत ही पाठ्य पुस्तकें विभाग के द्वारा आवंटित किया गया है .जिसमें से स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के पांच पंचायत के अलग-अलग प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य पुस्तकों का वितरण शुरू कर दिया गया है. जिसको लेकर आज सूर्यपुरा को राजकीय मध्य विद्यालय अगरेड खुर्द में कुल 132 छात्र-छात्राओं के बीच पाठ पुस्तक का वितरण किया गया .वहीं मध्य विद्यालय डबरिया में कुल 46 छात्र छात्राओं के बीच पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया . बीईओ मनोज कुमार ने बताया कि जिला द्वारा स्थानीय प्रखंड को कुल 41 हजार 31 पाठ्य पुस्तकें आवंटित की गई थी. जबकी स्थानीय प्रखंड क्षेत्र में कुल 59 हजार 67 बच्चों का वर्ग एक से आठवीं तक में नामांकन है.

राष्ट्रीय ऑटिज्म दिवस पर कोशी दिशा केन्द्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवप्रदेश/ सहरसा। राष्ट्रीय न्यास सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग भारत सरकार नई दिल्ली के निर्देशानुसार गुरुवार को राष्ट्रीय ऑटिज्म दिवस 2026 पर जागरूकता कार्यक्रम का

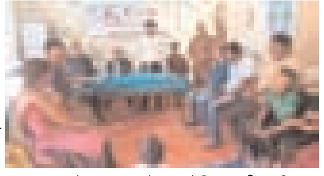

आयोजन कोशी दिशा केंद्र पटुआहा सहरसा के प्रांगण में आयोजित की गई। जिसका उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष बोर्ड सदस्य राष्ट्रीय न्यास मोहन कुमार, महासचिव मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार साह, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ अबु शालेह, डाक्टर नफीस सोहेल चिकित्सा पदाधिकारी सदर अस्पताल, काउंसलर सुनील ठाकुर, सुनील कुमार झा ने दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रीय ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

एसडीएम बिक्रमगंज ने संझौली के होटल से जब्त किया चार घरेलू सिलेंडर,

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। एसडीएम बिक्रमगंज प्रभात कुमार ने आपूर्ति विभाग की टीम के साथ संझौली बाजार स्थित पर स्थित संगम होटल एंड रेस्टोरेंट में छापेमारी की। यहां से चार घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए

हैं। वहीं होटल में तीन पुरुष और दो महिलाओं को संदिग्ध स्थिति में पाया गया। अधिकारी ने बताया कि कमर्शियल गैस की किल्लत के कारण होटल और रेस्तरां संचालक परेशान हैं। इसी के चलते वह चोरी छिपे घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं। इसकी शिकायतें अधिकारियों तक पहुंच रही हैं। गैस के दुरुपयोग को रोकने के लिए टीम जांच कर रही है। संझौली में टीमों ने संगम होटल व रेस्टोरेंट पर छापेमारी की। यहां चार घरेलू सिलेंडरों का उपयोग करते हुए पाया गया। एसडीएम ने बताया कि जांच के दौरान संगम होटल एवं रेस्टोरेंट में चार घरेलू गैस सिलेंडर पाए गए, जिन्हें तत्काल जब्त कर लिया गया। होटल में तीन पुरुष एवं दो महिलाओं को भी पाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी रेस्तरां या होटल में घरेलू सिलेंडरों का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। संदिग्ध महिला और पुरुष को पुलिस के हवाले कर दिया गया। थानाध्यक्ष पुनम कुमारी ने बताया कि एसडीएम के निर्देश पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराये जाने की प्रक्रिया चल रही है।

ट्रंप ने फिर ईरान को धमकाया कहा- पाषाण युग में भेज देंगे, तेल के कुओं को तबाह करना आसान

वॉशिंगटन ,एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को देश के नाम संबोधन में ईरान के विरुद्ध जारी सैन्य कार्रवाई पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। ट्रंप ने दावा किया कि पिछले एक महीने के युद्ध में ईरान की नौसेना, वायुसेना और मिसाइल क्षमता पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने तेल ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि वे सबसे आसान लक्ष्य हैं, लेकिन अब तक उन पर हमला इसलिए नहीं किया गया क्योंकि इससे ईरान को दोबारा संभलने का कोई मौका नहीं मिलता। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान के पास अब कोई प्रभावी वायु रक्षा प्रणाली या रडार शेष नहीं है, जिससे अमेरिकी सेना सैन्य रूप से अजेय हो गई है। युद्ध विराम की अटकलों के बीच राष्ट्रपति ने घोषणा की कि अमेरिकी अभियान फिलहाल जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले दो से तीन हफ्तों में ईरान पर और भी घातक हमले किए जाएंगे ताकि उसे पूरी तरह पस्त किया जा सके। बातचीत की गुंजाइश पर ट्रंप ने कहा कि उनका लक्ष्य सत्ता परिवर्तन नहीं था, लेकिन नेतृत्व खत्म होने से वहां अब नया और अधिक समझदार समूह सक्रिय है। राष्ट्रपति ने सीधी धमकी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही कोई समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के सभी बिजली संयंत्रों को एक साथ निशाना बनाकर उसे पाषाण युग में धकेल दिया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी जनता अब इस युद्ध को जल्द समाप्त होते देखना चाहती है।

खत्म कर देंगे तेल के कुऐं

ट्रंप ने ईरान के तेल क्षेत्रों को लेकर सीधी धमकी देते हुए कहा कि अमेरिका ने अब तक जानबूझकर इन ठिकानों को निशाना नहीं बनाया है, लेकिन यदि हमला हुआ तो वे पूरी तरह नष्ट हो जाएंगे। वैश्विक ऊर्जा बाजार पर बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि अमेरिका का तेल उत्पादन अब सऊदी अरब और रूस के कुल उत्पादन से भी अधिक है, इसलिए ईंधन की कीमतों में मौजूदा वृद्धि केवल अल्पकालिक है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के मुद्दे पर उन्होंने सहयोगी देशों को नसीहत दी कि अब इसकी सुरक्षा का नेतृत्व अन्य देशों को स्वयं करना चाहिए। उन्होंने दुनिया को चुनौती दी कि वे अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए अमेरिका पर भरोसा करें और अपनी सुरक्षा के लिए साहस जुटाएं।

जिसे जरुरत है वो खुलवाए होर्मुज

ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका अब विदेशी तेल पर निर्भर नहीं है और अन्य देशों को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वयं कदम उठाने चाहिए। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का विशेष जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि जो देश मध्य पूर्व के तेल पर आश्रित हैं, उन्हें इस समुद्री मार्ग को खुला रखने की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। उन्होंने साफ संकेत दिया कि अमेरिका इस मामले में अब नेतृत्व नहीं करेगा, बल्कि प्रभावित देशों को स्वयं साहस दिखाना होगा। ट्रंप ने उन देशों पर भी निशाना साधा जो ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल नहीं हुए, और उन्हें अमेरिकी तेल खरीदने का सुझाव दिया। संबोधन के दौरान उन्होंने इजरायल और खाड़ी देशों जैसे सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। ईरान पर तीखा हमला करते हुए ट्रंप ने कहा कि उसे कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह इसका इस्तेमाल पूरी दुनिया को ब्लैकमेल करने और अस्थिरता पैदा करने के लिए करेगा।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया के मोलुक्का सागर में 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, सुनामी के साथ एक की मौत

जकार्ता,एजेंसी।

इंडोनेशिया के उत्तरी मोलुक्का सागर में गुरुवार को 7.6 तीव्रता के एक बेहद शक्तिशाली भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण न केवल कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, बल्कि समुद्र में सुनामी की लहरें भी पैदा हो गई हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अब तक मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हो चुकी है। भूकंप का केंद्र फिलीपींस के तट से लगभग 580 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था, जिसके झटके मलेशिया और ताइवान तक महसूस किए गए। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप के बाद तटीय क्षेत्रों में पांच अलग-अलग स्थानों पर सुनामी की लहरें देखी गईं, जिनमें सबसे ऊंची लहर उत्तरी सुलावेसी में 0.75 मीटर दर्ज की गई। मुख्य झटके के बाद 11 आफ्टरशॉक भी महसूस किए गए, जिनमें सबसे तेज झटका 5.5 तीव्रता का था। अधिकारियों ने शुरूआत में लहरों के 3 मीटर तक ऊंचे उठने की आशंका जताई थी, जिसके कारण तटीय इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। मानाडो इलाके में एक खेल प्राधिकरण की इमारत का हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झटके इतने तेज थे कि अलमारियों में रखा सामान गिर गया और कई क्षेत्रों की बिजली कट गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस भूकंप का असर देखा गया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने शुरूआत में इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया के लिए खतरनाक सुनामी का अलर्ट जारी किया था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। जापान, ताइवान और पापुआ न्यू गिनी के तटों पर भी मामूली लहरें उठने का अंदेशा जताया गया है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी फिलहाल घरों और चर्चों को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कर रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में रुकावटों से गंभीर आर्थिक और ऊर्जा अस्थिरता पैदा हुई : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली,एजेंसी।

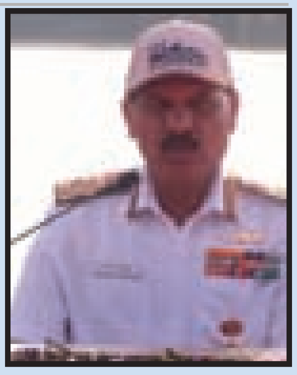

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर चिंता जताते हुए माना है कि होर्मुज स्ट्रेट में रुकावटों से गंभीर आर्थिक और ऊर्जा अस्थिरता पैदा हुई है। साथ ही समुद्र में अब सिर्फ तेल और एनर्जी तक ही प्रतिस्पर्धा सीमित नहीं रही, बल्कि अब उन संसाधनों की ओर बढ़ रही है, जो भविष्य की ग्रोथ को आकार देगी। उन्होंने कहा कि समुद्री डकैतों तक आधुनिक तकनीक बिना रोक-टोक पहुंचने से नार्को तस्करी जैसे खतरे भी ज्यादा मुश्किल हो गए हैं। मुंबई में आईओएस सागर के दूसरे एडिशन के फ्लैग ऑफ सेरेमनी में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में अलग-अलग तरह की 3,700 से ज्यादा समुद्री घटनाएं हुईं हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में 2025 के दौरान एक बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा कीमत के मादक पदार्थों की जब्ती हुई है। इतने मुश्किल समुद्री माहौल में बहुत ज्यादा मुकाबला करने की बात कही गई है। आईओएस सागर के जरिए एक जैसे मकसद और मिलकर काम करने के लिए 16 एक जैसी सोच वाले समुद्री देशों का एक साथ आना बहुत कम और अहम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष पांचवें हफ्ते में है। समुद्री जलमार्ग होर्मुज में रुकावटों से इस इलाके में गंभीर आर्थिक स्थितियां और ऊर्जा अस्थिरता हुई है। साथ ही समुद्र में प्रतिस्पर्धा अब सिर्फ तेल और ऊर्जा तक ही सीमित नहीं रही है। यह अब उन संसाधनों की ओर बढ़ रहा है, जो भविष्य की ग्रोथ को आकार देंगे, जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स, जरूरी मिनरल्स, मछली पकड़ने के नए मैदान और यहां तक कि डेटा भी। नतीजतन समुद्री सर्वेक्षण, गहरे समुद्र में अनुसंधान गतिविधि और अवैध, अप्रतिबंधित और अनियमित मछली पकड़ने में काफी बढ़ोतरी हुई है, जो अक्सर समुद्र के किनारे बसे देशों के अधिकारों का अतिक्रमण करती है और निगरानी और प्रवर्तन में कमियों का फायदा उठाती है।

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन संशोधन विधेयक, 2026 संसद से पारित

नई दिल्ली, एजेंसी।

राज्यसभा ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से मंजूरी दी।इसी के साथ विधेयक पर संसद के दोनों सदनों की मुहर लग गई। बुधवार को लोकसभा ने इसे पारित किया था। इस विधेयक के पारित होने के बाद अब आधिकारिक रूप से अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देता है। यह ऐतिहासिक निर्णय 2014 के पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन करता है, जिसका उद्देश्य राजधानी के मुद्दे पर चल रही अनिश्चितता को समाप्त करना और 2 जून 2024 से अमरावती को राजधानी के रूप में वैधानिक दर्जा देना है। राज्यसभा में चर्चा के दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किन्जारापु राममोहन नायडू ने स्पष्ट किया कि एनडीए सरकार अमरावती के पुनर्निर्माण के पक्ष में है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अलग-अलग समय पर अलग-अलग रुख अपनाया गया, जिससे राज्य में भ्रम की स्थिति पैदा हुई। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हो गए थे कि लोगों को यह तक स्पष्ट नहीं था कि राज्य की राजधानी आखिर है कहाँ। उन्होंने पिछली सरकार को इस मुद्दे पर गैर-जिम्मेदार बताते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश के किसानों और महिलाओं के त्याग और मेहनत को सलाम किया जाना चाहिए, जिन्होंने अमरावती परियोजना में योगदान दिया। वहीं, कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि इस विधेयक को समझने में सरकार को 12 साल लग गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सीधे विधेयक लेकर आती है और यह तय कर देती है कि अमरावती ही राजधानी होगी, बिना पर्याप्त विचार-विमर्श के। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह उन किसानों की जीत है,

ट्रंप के पूर्व आध्यात्मिक सलाहकार रॉबर्ट मॉरिस यौन शोषण के मामले में जेल से हुए रिहा

वाशिंगटन,एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके धार्मिक सलाहकार (रिलिजियस एडवाइजर) रहे रॉबर्ट मॉरिस, एक नाबालिग बच्ची के यौन शोषण के आरोप में छह महीने की जेल की सजा काटने के बाद बाहर आ गए हैं। मॉरिस, जो एक मेगाचर्च के पादरी और प्रसिद्ध टेलीएवेंजेलिस्ट रहे हैं, को 1980 के दशक में एक 12 वर्षीय बच्ची के साथ दुर्व्यवहार करने का दोषी पाया गया था। रॉबर्ट मॉरिस की पहचान ट्रंप के करीबी आध्यात्मिक सहयोगियों में रही है। साल 2016 में उन्हें ट्रंप के इवेंजेलिकल एग्जीक्यूटिव एडवाइजरी बोर्ड में शामिल किया गया था और उन्होंने 2020 में टेक्सास स्थित अपने गेटवे चर्च में ट्रंप की मेजबानी भी की थी। हालांकि, उनके अतीत के काले कारनामों ने उनके करियर और साख पर गहरा दाग लगा दिया। अदालती कार्यवाही के दौरान यह सामने आया कि जब मॉरिस एक प्रचारक के रूप में काम कर रहे थे, तब उन्होंने एक 12 साल की बच्ची का पांच साल तक यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि क्रिसमस के दिन से शुरू हुआ यह सिलसिला वर्षों तक चला और मॉरिस ने उसे चुप रहने के लिए धमकाया भी था। सुनवाई के दौरान मॉरिस ने स्वीकार किया कि उन्होंने बच्ची के साथ गलत व्यवहार किया और उसे कई बार अनुचित तरीके से स्पर्श किया, हालांकि उन्होंने यौन संबंधों से इनकार किया। अदालत ने उन्हें 10 साल की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में निलंबित कर दिया गया, लेकिन हाल ही में छह महीने की जेल काटने के बाद उन्हें रिहा किया गया। रिहाई के बाद पीड़िता ने संतोष जताते हुए कहा कि उसे आखिरकार न्याय मिल गया है। अपनी रिहाई के बाद मॉरिस ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि उन्होंने दशकों पहले जो किया वह पूरी तरह गलत था

चीन ने बनाया विशाल कार वाहक सुपर जहाज, समा जाएंगी 10,000 से ज्यादा गाड़ियां

समुद्री व्यापार की दुनिया में गेम-चेंजर साबित होगा दोहरे ईंधन वाला यह पोत

बीजिंग,एजेंसी।

चीन के क्वांगचो शिपयार्ड इंटरनेशनल ने एक कार वाहक जहाज बनाया है, जिसने दुनिया को हैरान कर दिया है। यह जहाज इतना विशाल है कि इसमें 10,000 से भी ज्यादा गाड़ियां एक साथ समा सकती हैं। इस विशालकाय जहाज ने अपने समुद्री परीक्षण की शुरूआत कर दी है। दक्षिण कोरिया की एचएमएम कंपनी के लिए बनाया गया यह जहाज समुद्री व्यापार की दुनिया में गेम-चेंजर साबित होने वाला है। यह दुनिया का पहला ऐसा दोहरे ईंधन वाला पोत है, जिसकी क्षमता पांच अंकों में पहुंच गई है। आधुनिक तकनीक और विशाल आकार के मेल ने इसे शिपिंग इंडस्ट्री का ह्यबाहुबलीह्न बना दिया है। इस जहाज की लंबाई 230 मीटर और चौड़ाई 40 मीटर है। इसका स्ट्रक्चरल ड्राफ्ट 10.5 मीटर रखा गया है, ताकि गहरे समुद्र में यह पूरी स्थिरता के साथ चल सके। इस जहाज की रफ्तार 19 समुद्री मील यानी करीब 36 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार भारी भरकम माल की ढुलाई और समय की बचत के बीच एक बेहतरीन तालमेल पेश करती है। इसकी बनावट में सुरक्षा और गति दोनों का ध्यान रखा गया है। इस जहाज का सबसे आकर्षक हिस्सा इसका इंटरनल डिजाइन है। इसमें 14 डेक वाला एक विशाल गैराज बनाया गया है। यह डिजाइन इतना लचीला है कि इसमें सिर्फ छोटी कारें ही नहीं, बल्कि भारी ट्रक भी आसानी से रखे जा सकते हैं। यह जहाज इलेक्ट्रिक वाहनों और हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली आधुनिक कारों को सुरक्षित ले जाने में सक्षम है। इसकी 10,800 वाहनों की क्षमता इसे दुनिया के सबसे बड़े कार वाहकों की लिस्ट में टॉप पर ले आती है। आजकल समुद्री जहाजों से होने वाला प्रदूषण एक बड़ी चिंता है, लेकिन यह नया जहाज डीजल और एलएनजी दोनों ईंधनों का उपयोग करता है। कार वाहक जहाजों का निर्माण करना बहुत ही जटिल काम माना जाता है। यह उच्च तकनीक और भारी निवेश वाला क्षेत्र है। चीन के क्वांगचो शिपयार्ड ने इस जहाज को बनाकर यह साबित कर दिया है कि वह इस तकनीक में पूरी दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। 10,000 से ज्यादा वाहनों की क्षमता वाला यह सफल मॉडल अब वैश्विक बाजार में चीन की पकड़ को और मजबूत करेगा। विशेषज्ञों का मानना है

ईरान से जंग लड़ते ही गिरी ट्रंप की रेटिंग, सभी राष्ट्रपतियों का तोड़ा रिकॉर्ड

अमेरिका में उठे विरोध के सुर, 75फीसदी ने ट्रंप के कामकाज को नकारा

वॉशिंगटन,एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो हमेशा अपनी जीत और लोकप्रियता के दावों के लिए जाने जाते हैं, इस वक्त अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। ईरान के साथ छिड़ी जंग ने न केवल दुनिया का चैन छीना है, बल्कि ट्रंप के ह्यमैजिकह्न को भी खत्म कर दिया है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक जिन लोगों ने ट्रंप को वोट दिया था, अब वह पछता रहे हैं। ट्रंप की नेट अप्रूवल रेटिंग गिरकर माइनस-17 पर पहुंच गई है। ये गिरावट इतनी बड़ी है कि इसने अमेरिका के इतिहास में पिछले सभी राष्ट्रपतियों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। एक विश्लेषण ने अमेरिकी राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। ट्रंप की लोकप्रियता का ग्राफ अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। आंकड़ों के मुताबिक ट्रंप की रेटिंग इस वक्त जिमी कार्टर, रोनाल्ड रीगन और यहां तक कि जो बाइडन से भी नीचे चली गई है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत सकारात्मक रेटिंग के साथ हुई थी, लेकिन जैसे-जैसे ईरान के साथ युद्ध लंबा होता गया, जनता का भरोसा टूटता चला गया। 26 मार्च को आए आंकड़ों ने चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पिछले साल मार्च में जहां 92फीसदी रिपब्लिकन ट्रंप के साथ थे, अब वह घटकर 84फीसदी रह गए हैं यानी उनके अपने घर में ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। करीब 75फीसदी निर्दलीय वोटरों ने ट्रंप के कामकाज को नकार दिया है, जो किसी भी चुनाव को जीतने के लिए सबसे अहम होते हैं। सर्वे के मुताबिक केवल 29फीसदी लोग ही ईरान पर किए गए हमलों और ट्रंप की रणनीति का समर्थन कर रहे हैं, जबकि 63फीसदी लोग इसे गलत मान रहे हैं। पिछले साल अप्रैल में ट्रंप की रेटिंग 44फीसदी थी, जो अब गिरकर महज 33फीसदी रह गई है।

गोल्फ पर्यटन अवसंरचना में 2 अरब डॉलर का निवेश होगा: शेखावत

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को घोषणा की कि इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) की ओर से गोल्फ पर्यटन अवसंरचना में 2 अरब डॉलर (18 हजार करोड़ रुपये से अधिक) का निवेश किया जाएगा। शेखावत ने यह बात नई दिल्ली में आईजीपीएल की आधिकारिक फ्रेंचाइजी के शुभारंभ के अवसर पर कही। यह कदम देश को दुनिया के प्रमुख गोल्फ पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्री ने कहा कि यह निवेश प्रतिबद्धता केवल खेल को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है बल्कि यह 'ब्रांड इंडिया' में एक रणनीतिक निवेश है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास अनिवार्य है, जो वैश्विक निवेश को आकर्षित कर सके और रोजगार के नए अवसर पैदा करे। शेखावत ने बताया कि मंत्रालय राज्य सरकारों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर गोल्फ सर्किट विकसित करने पर काम कर रहा है। आईजीपीएल के साथ यह तालमेल भारत की वैश्विक पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मकता को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। इस पहल का उद्देश्य खेल, पर्यटन और बुनियादी ढांचे को एक साथ जोड़ना है। इसके अलावा उच्च मूल्य वाले विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना, टियर-2 और टियर-3 शहरों का विकास करना, रोजगार का सृजन और स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

ईरान की धमकी कितनी होगी कारगर: एपल, गूगल समेत 18 अमेरिकी दिग्गज कंपनियों को नष्ट करने की दे दी है धमकी

तेहरान,एजेंसी।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के पांचवें सप्ताह में प्रवेश करते ही तनाव एक खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ईरान की शक्तिशाली सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने एक सनसनीखेज बयान जारी कर अमेरिका की 18 प्रमुख दिग्गज कंपनियों को सीधे तौर पर निशाना बनाने की धमकी दी है। इस सूची में एपल, गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीडिया, टेस्ला, बोइंग और जेपी मॉर्गन जैसे बड़े वैश्विक नाम शामिल हैं। ईरान का आरोप है कि ये कंपनियां अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षमताओं का उपयोग कर अमेरिका और इजरायल को ईरानी नेताओं की जासूसी और टारगेट ट्रैकिंग में मदद कर रही हैं। आईआरजीसी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ईरानी नेताओं की लक्षित हत्याएं बंद नहीं हुईं, तो इन कंपनियों के क्षेत्रीय कार्यालयों और संपत्तियों को नष्ट कर दिया जाएगा। बयान में एक समय सीमा निर्धारित करते हुए कहा गया है कि संबंधित कंपनियों के कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए तुरंत दफ्तर छोड़ दें, क्योंकि

तेहरान समय के अनुसार शाम 8 बजे के बाद किसी भी हत्या के बदले इन यूनिट्स पर हमला किया जा सकता है। यह खतरा विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के लिए बड़ा है, जहां इन कंपनियों के बड़े डेटा सेंटर, शोरूम और सर्विस सेंटर स्थित हैं। अकेले टेस्ला के खाड़ी देशों में मौजूद 30 से अधिक सुपरचार्जर स्टेशन भी इस जद में आ सकते हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईंधन की कमी का सामना कर रहे देशों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि वे अपनी सुरक्षा खुद करें और अपना तेल खुद हासिल करने की हिम्मत जुटाएं। वहीं, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने आने वाले दिनों को युद्ध के लिए निर्णायक बताया है। उन्होंने संकेत दिया कि कूटनीतिक प्रयास जारी हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सैन्य तैनाती की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ईरान की इस नई धमकी ने न केवल युद्ध के दायरे को बढ़ा दिया है, बल्कि अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षेत्र के लिए भी गंभीर सुरक्षा चुनौतियां पैदा कर दी हैं।

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)